बागेश्वर धाम एवं मेहंदीपुर बालाजी के चरणों में समर्पित

दैनिक हिन्दी समाचार पत्र

संस्कार उजाला

सच का हुंकार

sanskarujala@gmail.com

संस्थापक स्व० सुखराम शर्मा एवम शिवकुमार शर्मा, श्री प्रकाशवीर

गाजियाबाद में मात्र रू0 6.5 लाख (छः लाख पचास हजार) में मकान खरीदने हेतु सम्पर्क करें

मो0 9868944025

लोन सुविधा उपलब्ध है

गाजियाबाद से प्रकाशित, दिल्ली, नोएडा, गाजियाबाद, हरियाणा, सहारनपुर, मेरठ, मुरादाबाद, बरेली, हापुड, बुलंदशहर, मथुरा आगरा, इटावा, कानपुर एंव लखनऊ से प्रसारित

वर्ष : 11 अंक : 180 | बृहस्पतिवार 19 अक्टूबर 2023 गाजियाबाद | RNI No-UPHIN / 2013 / 50466 | पेज: 8 मूल्य : 2 रुपया

दिल्ली में आई गुलाबी ठंड, सात डिग्री गिरा तापमान

नई दिल्ली। पश्चिमी विक्षोभ के एकाएक सक्रिय होने से पहाड़ों पर हुई बर्फबारी और बारिश से दिल्ली में ठंडक बढ़ गई। राजधानी में को अधिकतम तापमान 26.2 डिग्री दर्ज किया गया, जो सामान्य से सात डिग्री सेल्सियस नीचे रहा, और यह इस साल अक्टूबर में दर्ज सबसे कम अधिकतम तापमान है। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने यह जानकारी दी। विभाग के मुताबिक, दिल्ली में रात भर हुई बारिश के कारण न्यूनतम तापमान में कमी आई, जो सामान्य से दो डिग्री सेल्सियस कम 17.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। आईएमडी के मुताबिक, दिल्ली के कुछ हिस्सों में रात भर बारिश हुई तथा तेज हवाएं चलीं। सोमवार को सुबह साढ़े आठ बजे से मंगलवार को सुबह साढ़े आठ बजे तक शहर में पांच मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई। पश्चिमी विक्षोभ, बारिश और तेज हवा के चलते मंगलवार को दिल्लीवालों को ठंड का एहसास होने लगा। राजधानी में अगले छह दिनों तक मौसम सामान्य रहने और तापमान 28 से 31 डिग्री के आसपास रहने के आसार हैं। मौसम विभाग के अनुसार, बीते दो दिनों में दिल्ली के तापमान में आठ डिग्री की गिरावट देखने को मिली है। रविवार को जहां दिल्ली का अधिकतम तापमान 34.6 डिग्री था। सोमवार को अधिकतम तापमान 30.5 डिग्री दर्ज किया गया। मंगलवार को एक बार फिर अधिकतम तापमान में चार डिग्री की गिरावट हुई और यह 26.2 डिग्री पर पहुंच गया। यह सामान्य से सात डिग्री कम है।

दिल्ली में दो दिन धुंध रहने के आसार-मौसम विभाग के अनुसार सोमवार रात दिल्ली के अधिकांश इलाकों में बारिश हुई, जिसके साथ ही ठंडक भी बढ़ गई। सबसे ज्यादा बारिश रिज इलाके में 9.6 एमएम हुई। इस बारिश के चलते मंगलवार सुबह से ही लोगों को ठंड का एहसास हुआ। दोपहर के समय भी मंगलवार को हवा में ठंडक बनी रही। मौसम विभाग का मानना है कि अगले कुछ दिन मौसम इसी तरह सुहाना बना रहेगा। बुधवार को दिल्ली का न्यूनतम तापमान 16 डिग्री, जबकि अधिकतम तापमान 28 डिग्री रहने की संभावना है। अगले दो दिन सुबह के समय हल्की धुंध रह सकती है। मौसम में बदलाव होने के चलते सोमवार रात दिल्ली एयरपोर्ट पर कुछ विमानों को नहीं उतारा जा सका। 13 विमानों को दूसरे एयरपोर्ट भेजना पड़ा।

2024 के लिए मिशन साउथ में बढ़ रहीं चुनौतियां

भाजपा के लिए कर्नाटक में नई साझेदारी से संकट, आंध्र प्रदेश में साथी चुनने की उलझन

नई दिल्ली। आमचुनाव से पहले भाजपा का मिशन साउथ बेपटरी हो रहा है। पार्टी ने चार साल में लोकसभा की 130 सीटों वाले दक्षिण के 6 राज्यों को साधने के जितने सियासी दांव चले, वे परवान चढ़ते नहीं दिख रहे। ताजा झटका कर्नाटक से लगा, जहां राज्य के वरिष्ठ नेता शीर्ष नेतृत्व के खिलाफ नाराजगी जताते लगे हैं।

दरअसल, हाल ही में भाजपा ने पूर्व पीएम एचडी देवेगौड़ा की अध्यक्षता वाले जद-एस से गठबंधन का फैसला किया। इसके खिलाफ कर्नाटक भाजपा के ही नेता बोलने लगे हैं। आमतौर पर अनुशासित पार्टी मानी जाने वाली भाजपा के लिए यह झटके की तरह है।

JDS को चुना तो लिंगायत समर्थक नाराज हुए-भाजपा नेता, कर्नाटक के पूर्व सीएम और केंद्रीय मंत्री सदानंद गौड़ा ने सार्वजनिक रूप से कहा, JDS से गठजोड़ पर राज्य इकाई को विश्वास में नहीं लिया गया। इस बीच सूत्रों ने दावा किया है कि केंद्रीय नेतृत्व के इस फैसले से नाराज भाजपा के कई विधायक, सांसद और पदाधिकारी पार्टी छोड़ने जैसा

कदम भी उठा सकते हैं। कर्नाटक भाजपा के एक वरिष्ठ नेता ने कहा, JDS के साथ जाने से लिंगायत समर्थक भाजपा से नाराज हैं।

आंध्र प्रदेशः असमंजस में भाजपा, सीएम जगन के साथ जाएं या चंद्रबाबू नायडू को बचाएं...

आंध्र में टीडीपी से गठबंधन की कोशिश में लगी भाजपा को चंद्रबाबू नायडू की भ्रष्टाचार के मामले में गिरफ्तारी से झटका लगा है। वाईएसआरसीपी प्रमुख और राज्य के सीएम जगनमोहन रेड्डी ने चुपचाप इस कार्रवाई को हरी झंडी दी। अब भाजपा इस पर असमंजस में है कि वह जगन के साथ जुड़े या चंद्रबाबू को बचाकर उनका साथ ले।

जगन के साथ जाने पर उसे विधानसभा के साथ लोकसभा चुनाव में भी जूनियर पार्टनर रहना होगा। वहीं, टीडीपी के साथ वह कम से कम बराबरी पर सीट शेयर कर सकती है। हालांकि ऐसे में भ्रष्टाचार के खिलाफ भाजपा के दावे को झटका लगेगा, क्योंकि नायडू इसी आरोप में जेल में हैं।

दूसरी ओर, भाजपा की सहयोगी रही जनसेना पहले ही कह चुकी है कि वह टीडीपी के साथ चुनाव लड़ेगी।

तेलंगानाः सत्ता विरोधी रुझान कमजोर पड़ा

भाजपा ने जिस मजबूत विपक्ष की भूमिका बनाई, वह कर्नाटक की हार से कमजोर हो गया। कर्नाटक की जीत से उत्साहित कांग्रेस फ्रंटफुट पर है। जानकारों का कहना है कि भाजपा ने राज्य में जो सत्ता विरोधी रुझान बनाया था, पार्टी के कमजोर होने से उसका फायदा कांग्रेस उठा रही है।

केरल और तमिलनाडु का हाल

तमिलनाडु में अन्नाद्रमुक ने भाजपा से नाता तोड़ लिया। तमाम कोशिशों के बाद भी भाजपा अन्नाद्रमुक को मनाने में सफल नहीं रही। ऐसे में अकेले उसकी राह आसान नहीं दिख रही। वहीं, केरल में भाजपा की सियासत में जमीनी स्तर पर अब तक कोई बड़ा बदलाव नहीं हो पाया है।

पार्टी नेताओं का भी मानना है कि एलडीएफ और यूडीएफ के बीच अभी भाजपा के लिए जगह नहीं बन रही। ऐसे में 2024 के आम चुनाव में भाजपा को केरल से बड़ी उम्मीद नहीं है।

देर रात तक चली भाजपा कोर ग्रुप की बैठक, जल्द होगा उम्मीदवारों का ऐलान

नई दिल्ली। पांच राज्यों के विधानसभा चुनावों के उम्मीदवारों के नामों पर चर्चा करने के लिए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) अध्यक्ष जेपी नड्डा के घर पर मंगलवार को कोर ग्रुप की बैठक देर रात तक चली। इस बैठक में अमित शाह भी मौजूद रहे। बैठक में पहले राजस्थान, फिर मध्यप्रदेश विधानसभा चुनाव के उम्मीदवारों पर मंथन हुआ। राजस्थान की दूसरी सूची से पहले हुई इस बैठक में सभी चुनावी राज्यों के अध्यक्ष, प्रभारी और वरिष्ठ नेता भी शामिल रहे। बैठक में वसुंधरा राजे सिंधिया, केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत और मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान सहित कई वरिष्ठ नेता शामिल रहे। सूत्रों के मुताबिक इस बैठक में टिकट बंटवारे पर चर्चा हुई और सभी से राय मांगी गई। बैठक के बाद उम्मीद की जा रही है कि 19 तारीख के बाद जल्द ही केन्द्रीय चुनाव समिति की बैठक भी हो सकती है जिसके बाद मध्य प्रदेश के लिए बाकी उम्मीदवारों, राजस्थान भाजपा की दूसरी लिस्ट जारी होगी। इसके साथ तेलंगाना, मिजोरम, छत्तीसगढ़ के भी उम्मीदवारों की सूची जारी जल्द होगी। राजस्थान की पहली सूची जारी होने के बाद भाजपा

प्रदेश में कुछ नेताओं में भारी रोष भी है। इसको देखते हुए पार्टी अब फूंक फूंककर कदम उठा रही है। बुधवार को जेपी नड्डा राजस्थान में कई नेताओं से मुलाकात करेंगे। उल्लेखनीय है कि नवंबर में राजस्थान, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, तेलंगाना और मिजोरम में विधानसभा चुनाव होने वाले हैं। कोर ग्रुप की बैठक के बाद उम्मीद की जा रही है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की उपलब्धता के साथ ही केन्द्रीय चुनाव समिति की भी बैठक होगी और सभी नामों की घोषणा कर दी जाएगी ।

भानवी सिंह ने हर महीने 10 लाख गुजारा भत्ता मांगा

महंगे ब्रांड का शौक; बोलीं-राजा जैसे जीवन के लिए चाहिए रुपए

प्रतापगढ़। यूपी के कद्दावर नेता और प्रतापगढ की कुंडा सीट से विधायक रघुराज प्रताप उर्फ राजा भैया और भानवी कुमारी सिंह के बीच का झगड़ा अब अदालत में पहुंच चुका है। मंगलवार को भानवी सिंह अपने ससुर उदय प्रताप सिंह (राजा भैया के पिता) के साथ साकेत कोर्ट पहुंची थीं। फैमिली कोर्ट की जज सुनाली गुप्ता के सामने मामले की सुनवाई हुई। इस दौरान भानवी सिंह ने फैमिली कोर्ट में 10 लाख रुपए महीना गुजारा भत्ता दिए जाने की मांग की। इस संबंध में उनकी ओर से अर्जी दाखिल की गई है। इस मामले पर अगली सुनवाई तीन नवंबर को होगी।

मिली जानकारी के अनुसार भानवी सिंह ने गूजी, बरबरी, फेरागामो जैसे ब्रांड की चीजें खरीदने के लिए हर महीने 10 रुपए की मांग की है। उनकी ओर से दाखिल अर्जी में कहा गया है कि मैं अपनी

● राजा भैया की पत्नी भानवी सिंह ने फैमिली कोर्ट में 10 लाख रुपए महीना गुजारा भत्ता दिए जाने की मांग की। इस संबंध में उनकी ओर से अर्जी दाखिल की गई है। इस मामले पर अगली सुनवाई तीन नवंबर को होगी।

कमाई से ऐसी महंगी चीजें नहीं खरीद सकती इसलिए मुझे भी उनके जैसे जीवनयापन के लिए ये रुपए चाहिए। भानवी सिंह ने राजा भैया की लाइफ स्टाइल का जिक्र करते हुए बताया है कि उनके पति रघुराज प्रताप सिंह को ब्रांडेड बैग, महंगे जूते, महंगे परफ्यूम, इंटरनेशनल ब्रांड के चश्मे आदि का शौक है। उनके कपड़े जयपुर में सिलते हैं।

पहले तलाक देने से कर दिया था इनकार

बता दें कि राजा भैया और भानवी सिंह के बीच विवाद काफी समय से सुर्खियों में बना हुआ है। कुछ समय पहले भानवी सिंह ने कहा था कि वह राजा भैया को कभी तलाक नहीं देंगी। भानवी सिंह ने राजा भैया पर कई और गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने उन पर खुद के पीटने का भी आरोप लगाया था।

ऑपरेशन अजय की पांचवीं फ्लाइट इजरायल से पहुंची नई दिल्ली

लगे भारत माता की जय के नारे

नई दिल्ली। हमास के इजारयल पर हुए हमले के बाद वहां फंसे भारतीय नागरिकों की सुरक्षित स्वदेश वापसी के लिए केंद्र की मोदी सरकार के ऑपरेशन अजय के तहत पांचवीं फ्लाइट मंगलवार रात 11 बजे पालम एयरपोर्ट पहुंची। स्पाइसजेट के इस विमान से 286 लोगों को लाया गया। इन लोगों ने इस मौके पर भारत माता की जय के नारे लगाए। इनमें 268 भारतीय और 18 नेपाली नागरिक शामिल हैं। केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण राज्यमंत्री एल मुरुगन ने एयरपोर्ट पर सभी की अगवानी की। सूचना एवं प्रसारण राज्यमंत्री एल मुरुगन और विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची ने यह खुशखबरी एक्स पर साझा की है। बताया गया है कि स्पाइसजेट के इस विमान (ए 340) में रविवार को तेल अवीव में उतरने के बाद तकनीकी समस्या आ गई थी। इस वजह से विमान को जार्डन ले जाया गया। इसे पहले सोमवार सुबह राष्ट्रीय राजधानी लौटना था। एल मुरुगन ने कहा है कि सरकार स्थिति पर बारीकी से नजर रख रही है। वह उन सभी भारतीय नागरिकों को वापस लाने के लिए प्रतिबद्ध है जो अपने वतन लौटना चाहते हैं। उन्होंने कहा है कि ऑपरेशन अजय के तहत अब

तक1100 से अधिक भारतीय नागरिकों की सुरक्षित स्वदेश वापसी कराई जा चुकी है।

जम्मू में पाक ने किया सीजफायर का उल्लंघन, दो बीएसएफ जवान हुए घायल

भारत दे रहा मुंहतोड़ जवाब

जम्मू। जम्मू के अरनिया सेक्टर में पाकिस्तान की तरफ से सीजफायर का उल्लंघन किया गया है। रिपोर्टों में कहा गया है कि पाकिस्तान रेंजर्स ने यहां गोलीबारी की, जिसमें बीएसएफ के दो जवान घायल हो गए। जवाब में सुरक्षाकर्मी काउंटर अटैक की कार्रवाई कर रहे हैं। फरवरी 2021 में भारत और पाकिस्तान सेना के बीच संघर्ष विराम समझौते के बाद यह संघर्ष विराम उल्लंघन की पहली बड़ी घटना है। बीएसएफ ने अभी तक घटना पर आधिकारिक बयान जारी नहीं किया है। मिली जानकारी के

अनुसार, 17 अक्टूबर को जम्मू के अरनिया सेक्टर पर पाकिस्तानी रेंजर्स ने गोलीबारी की। इस घटना में बीएसएफ के दो जवान घायल हो गए। घायल जवानों को सरकारी मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया गया है। डॉक्टरों ने कहा कि उनकी हालत स्थिर है। यह घटना अंतरराष्ट्रीय सीमा के विक्रम बीओपी के पास हुई है। सीमा सुरक्षा बल के दो जवान बिजली की लाइट का काम करा रहे थे। यह सीमा से करीब 60 मीटर और सीमा चौकी विक्रम से करीब 1500 मीटर की दूरी पर है। गौर हो कि पाकिस्तानी सेना द्वारा संघर्ष विराम का उल्लंघन ऐसे समय में हुआ है जब पाकिस्तानी क्रिकेट टीम इस समय आईसीसी पुरुष क्रिकेट विश्व कप के लिए भारत में है।

भारत-पाकिस्तान संघर्ष विराम-भारत और पाकिस्तान ने 25 फरवरी, 2021 को युद्धविराम समझौते पर हस्ताक्षर किए थे। दोनों देशों ने घोषणा की कि वे जम्मू-कश्मीर और अन्य क्षेत्रों में नियंत्रण रेखा (एलओसी) पर युद्धविराम पर सभी समझौतों का सख्ती से पालन करने पर सहमत हुए हैं। पाकिस्तान की ओर से कई युद्धविराम उल्लंघनों के बाद दोनों देशों ने जम्मू-कश्मीर में सीमाओं पर नए सिरे से युद्धविराम लागू करने की घोषणा की। युद्धविराम से नियंत्रण रेखा और अंतरराष्ट्रीय सीमा पर रहने वाले लोगों को बड़ी राहत मिली है, क्योंकि इस क्षेत्र में लगातार गोलीबारी बंद हो गई है।

दुर्गा पूजा के लिए हिमंत सरमा ने खोला खजाना, असम के 7000 पंडालों को सरकार देगी फंड

गुवाहाटी। अपने बयानों और निर्णयों को लेकर सुर्खियों में रहने वाले हिमंत बिस्व सरमा ने दुर्गा पूजा के आयोजन को लेकर एक बड़ा फैसला किया है। उन्होंने दुर्गा पूजा पंडालों के लिए सरकार का खजाना खोल दिया है। सरकार ने फैसला किया है कि पूरे राज्य में बने 6953 पूजा पंडालों को पैसे दिए जाएंगे। सीएम सरमा की अध्यक्षता में आयोजित कैबिनेट की बैठक में इसका ऐलान किया गया है। असम सरकार में टूरिज्म मंत्री जयंत माल बरुआ ने इसकी जानकारी दी है।

कैबिनेट के फैसले के मुताबिक, अमस के 6953 पूजा पंडालों को सरकार के द्वारा 10-10 हजार रुपये की सहायता राशि दी जाएगी। मंत्री ने कहा. राज्य कैबिनेट ने यह भी निर्णय लिया कि सभी कैबिनेट मंत्री 25 दिसंबर से 10 जनवरी 2024 तक एक विशेष गांव में 5 दिन और 5 रात रुकेंगे। इस दौरान उच्च और उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों के 400 नए भवनों की आधारशिला रखी जाएगी। इनमें से 100 चाय बागान क्षेत्रों में पूरी तरह से नए स्कूल होंगे। पुराने स्कूलों की इमारतों के नवीनीकरण के लिए प्रत्येक स्कूल को 7 करोड़ आवंटित किए जाएंगे।

बरुआ ने कहा कि असम कैबिनेट ने मिशन बसुंधरा 2.0 के तहत शहरी क्षेत्रों में वासभूमि

● सरकार ने फैसला किया है कि पूरे राज्य में बने 6953 पूजा पंडालों को पैसे दिए जाएंगे। सीएम सरमा की अध्यक्षता में आयोजित कैबिनेट की बैठक में इसका ऐलान किया गया है।

उद्देश्यों के लिए 123 स्वदेशी, भूमिहीन परिवारों (चराइदेव के 105 परिवार और दरांग के 18 परिवार) के पक्ष में भूमि के निपटान का निर्णय भी लिया है। संबंधित जिला एसडीएलएसी से मंजूरी और अभिभावक मंत्रियों की निगरानी के बाद 55,000 से अधिक भूमिहीन परिवारों को निपटान का प्रस्ताव पहले ही जारी किया जा चुका है।

उन्होंने कहा, राज्य कैबिनेट ने 2024 की छुट्टियों की सूची को भी मंजूरी दे दी है। असम वित्तीय निगम की 31 मार्च 2023 तक बकाया ऋण राशि 54 करोड़ और बकाया ब्याज 10.92 करोड़ को इक्विटी पूंजी में परिवर्तित किया जाएगा। 1 जनवरी 2024 से हर 5 साल की सेवा अवधि में एक बार स्वास्थ्य विभाग के डॉक्टरों को गैर-प्रैक्टिसिंग भत्ता (एनपीए) के लिए निगम, ऑप्ट-इन और ऑप्ट-आउट विकल्प प्रदान किए जाएंगे। एनपीए स्वास्थ्य के तहत काम करने वाले सभी डॉक्टरों के लिए लागू किया जाएगा।

भारत में निर्मित होने लगे हैं रोजगार के करोड़ों अवसर

प्रहलाद सबनानी

भारत में आज भी 60 प्रतिशत से अधिक आबादी ग्रामीण क्षेत्रों में निवास करती है। अतः ग्रामीण क्षेत्रों में यदि रोजगार के नए अवसर अधिक मात्रा में निर्मित हो रहे हैं तो यह एक बहुत अच्छा सुधार है। इसी प्रकार, भारत में पुरुषों के बीच यदि बेरोजगारी की दर काफी कम हो रही है तो भारतीय महिलाओं को श्रम बाजार में उतरना ही होगा, और ऐसा होता दिखाई भी दे रहा है, अतः यह भी एक उत्तम सुधार है। भारत में महिला शक्ति यदि श्रम बाजार में उतरती है तो भारत में मजदूरी की दरों को भी संतुलित रखा जा सकता है जिससे उत्पादों की लागत में तेज वृद्धि को रोका जा सकेगा और भारत में निर्मित उत्पाद अंतरराष्ट्रीय स्तर पर लम्बे समत तक प्रतिस्पर्धी बने रह सकेंगे।

भारतीय सनातन संस्कृति के बारे में विवेचन करते हुए, भारत में रचित वेद, पुराण एवं परम्पराओं के अनुसार, राजा का यह कर्तव्य माना गया है कि उसके राज्य में निवास कर रही प्रजा में प्रत्येक नागरिक को रोजगार उपलब्ध हो, राजा ऐसी व्यवस्था करे। जब तक भारतीय सनातन संस्कृति का भारत में पालन होता रहा, तब तक लगभग समस्त नागरिकों को रोजगार उपलब्ध होता रहा। प्राचीन भारत में विशेष रूप से गावों में ही रोजगार के पर्याप्त अवसर उपलब्ध रहते थे एवं शहरों की ओर पलायन भी बहुत कम होता था। बेरोजगारी की समस्या के बारे में तो भारत के प्राचीन शास्त्रों में वर्णन ही नहीं मिलता है। समस्त नागरिकों को रोजगार उपलब्ध रहता था एवं वे अपने परिवार के समस्त सदस्यों का भरण पोषण करने में सक्षम रहते थे एवं परिवार के समस्त सदस्यों के साथ प्रसन्नता एवं उत्साह के साथ रहते थे। जब कि आज की परिस्थितियों के बीच, वैश्विक स्तर पर, बेरोजगारी की समस्या एक प्रमुख समस्या के रूप में उभर रही है।

भारतीय सनातन संस्कृति का पालन करते हुए भारत आज आर्थिक प्रगति के मार्ग पर तेजी से आगे बढ़ रहा है। आज भारतीय अर्थव्यवस्था पूरे विश्व की लगभग सभी बड़ी अर्थव्यवस्थाओं के बीच सबसे तेज गति से प्रगति करने वाली अर्थव्यवस्था बन गई है। वर्ष 2014 में भारतीय अर्थव्यवस्था विश्व में 10वें स्थान पर थी जो आज 5वें स्थान पर पहुंच गई है एवं भारतीय अर्थव्यवस्था की प्रगति को देखते हुए अब उम्मीद की जा रही है कि वर्ष 2027-28 के पूर्व भारत की अर्थव्यवस्था 5 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर की अर्थव्यवस्था बन जाएगी एवं यह अमेरिका एवं चीन के बाद विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था भी बन जाएगी। भारत में केंद्र सरकार द्वारा लगातार यह प्रयास किया जा रहा है कि न केवल देश की अर्थव्यवस्था तेज गति से आगे बढ़े बल्कि भारत में युवाओं के लिए अधिक से अधिक रोजगार के नए अवसर निर्मित हों। इस दृष्टि से भारत में अब अच्छी खबर आई है। भारत में अगस्त 2023 माह में 46.21 करोड़ नागरिकों को रोजगार मिला हुआ था जबकि अगस्त 2022 में 43.02 करोड़ नागरिकों को ही

रोजगार प्राप्त था, इस प्रकार एक वर्ष के दौरान 3.19 करोड़ नागरिकों को रोजगार उपलब्ध कराया गया है। केंद्र सरकार के राष्ट्रीय नमूना सर्वेक्षण कार्यालय द्वारा वर्ष 2017 के बाद से प्रतिवर्ष देश में (जुलाई-जून वार्षिक अवधि के बीच) श्रम शक्ति सर्वेक्षण, यह जानने के लिए किया जाता है कि भारत के शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में बेरोजगारी एवं रोजगार की कैसी स्थिति है। हाल ही में जुलाई 2022 से जून 2023 की अवधि के बीच यह सर्वेक्षण कार्य सम्पन्न हुआ है। इस सम्बंध में जारी किए गए प्रतिवेदन में भारत में रोजगार की स्थिति के बारे में कई अच्छे तथ्य उभरकर सामने आए हैं। भारत में 15 वर्ष एवं इससे अधिक की आयु वाले नागरिकों के बीच श्रम शक्ति भागीदारी की दर में लगातार अतुलनीय रूप से सुधार हो रहा है। ग्रामीण क्षेत्रों में श्रम शक्ति भागीदारी की दर वर्ष 2017-18 में 50.7 प्रतिशत से बढ़कर वर्ष 2022-23 में 60.8 प्रतिशत हो गई है, जबकि शहरी क्षेत्रों में यह वर्ष 2017-18 में 47.6 प्रतिशत से बढ़कर 50.4 प्रतिशत हो गई है। इसी प्रकार, पुरुषों में यह दर वर्ष 2017-18 में 75.8 प्रतिशत से बढ़कर वर्ष 2022-23 में 78.5 प्रतिशत एवं महिलाओं में यह दर वर्ष 2017-18 में 23.3 प्रतिशत से बढ़कर वर्ष 2022-23 में 37 प्रतिशत हो गई है। इसी प्रकार, भारत में 15 वर्ष एवं अधिक की आयु के नागरिकों के बीच कर्मचारी जनसंख्या अनुपात में भी अतुलनीय सुधार दृष्टिगोचर है। भारत के ग्रामीण क्षेत्रों में कर्मचारी जनसंख्या अनुपात वर्ष 2017-18 के 48.1 प्रतिशत से बढ़कर वर्ष 2022-23 में 59.4 प्रतिशत हो गया है, जबकि शहरी क्षेत्रों में यह अनुपात वर्ष 2017-18 के 43.9 प्रतिशत से बढ़कर वर्ष 2022-23 में 47.7 प्रतिशत हो गया है। पुरुषों के बीच यह अनुपात वर्ष 2017-18 के 71.2 प्रतिशत से बढ़कर वर्ष 2022-23 में 76 प्रतिशत हो गया है और महिलाओं में यह अनुपात वर्ष 2017-18 के 22 प्रतिशत से बढ़कर वर्ष 2022-23 में 35.9 प्रतिशत हो गया है।

जब देश में श्रम शक्ति भागीदारी की दर एवं कर्मचारी जनसंख्या अनुपात में लगातार सुधार दिखाई दे रहा है तो स्वाभाविक रूप से भारत में बेरोजगारी की दर में भी कमी दृष्टिगोचर हो रही है। उक्त सर्वेक्षण के अनुसार भारत के ग्रामीण क्षेत्रों में बेरोजगारी की दर वर्ष 2017-18 में 5.3 प्रतिशत थी जो वर्ष 2022-23 में घटकर 2.4 प्रतिशत रह गई है। वहीं शहरी क्षेत्रों में बेरोजगारी की दर वर्ष 2017-18 के 7.7 प्रतिशत से घटकर वर्ष 2022-23 में 5.4 प्रतिशत पर आ गई है। पुरुषों के बीच बेरोजगारी की दर वर्ष 2017-18 के 6.1 प्रतिशत से घटकर वर्ष 2022-23 में 3.3 प्रतिशत हो गई है तो वहीं महिलाओं के बीच बेरोजगारी की दर वर्ष 2017-18 के 5.6 प्रतिशत से वर्ष 2022-23 में घटकर 2.9 प्रतिशत हो गई है।

भारत में आज भी 60 प्रतिशत से अधिक आबादी ग्रामीण क्षेत्रों में निवास करती है। अतः ग्रामीण क्षेत्रों में यदि रोजगार के नए अवसर अधिक मात्रा में निर्मित हो रहे हैं तो यह एक बहुत अच्छा सुधार है। इसी प्रकार, भारत में पुरुषों के बीच यदि बेरोजगारी की दर काफी कम हो रही है तो भारतीय महिलाओं को श्रम बाजार में उतरना ही होगा, और ऐसा होता दिखाई भी दे रहा है, अतः यह भी एक उत्तम सुधार है। भारत में महिला शक्ति यदि श्रम बाजार में उतरती है तो भारत में मजदूरी की दरों को भी संतुलित रखा जा सकता है जिससे उत्पादों की लागत में तेज वृद्धि को रोका जा सकेगा और भारत में निर्मित उत्पाद अंतरराष्ट्रीय स्तर पर लम्बे समत तक प्रतिस्पर्धी बने रह सकेंगे।

संपादकीय

निठारी कांडः फैसले पर हैरानी

बहुचर्चित निठारी कांड के आरोपी मोनिंदर सिंह पंढेर व उसके नौकर सुरेंदर कोली को इलाहाबाद हाई कोर्ट ने बरी कर दिया। 2009 में दोनों को बलात्कार व कत्ल के मामलों में सजा हुई थी। नोएडा के निठारी में पंढेर की कोठी के पीछे 2006 में मिले कंकालों को लेकर मामला चर्चा में आया था। पुलिस के अनुसार वहां उन्नीस युवतियों का बलात्कार हुआ जिनकी हत्या के बाद शवों के टुकड़े-टुकड़े कर पीछे के नाले में फेंक दिए गए थे। पुलिस ने कहा कि हत्याएं पंढेर के घर में हुई, जहां कोली नौकर था। कोली के बैग में कुछ बच्चों के अवशेष भी पाए गए थे जिन्हें कोली ने मिठाई व चॉकलेट का लालच देकर मारा था। कोली ने अपने बयान में नरभक्षण व शवों के साथ सेक्स करने की भी बात स्वीकारी थी। सीबीआई ने कोली व पंढेर के खिलाफ 19 मामले दर्ज किए थे। कोली पर हत्या, अपहरण, बलात्कार, सुबूत मिटाने जैसे आरोप थे। स्थानीय लोगों ने पुलिस पर लापरवाही बरतने के आरोप लगाए थे। इस बहुचर्चित कांड पर लोग नाराज थे क्योंकि ये सारे बच्चे/युवतियां गरीब परिवारों से थीं। गाजियाबाद की सीबीआई अदालत ने दोनों को फांसी की सजा सुनाई थी जबकि हाई कोर्ट ने सुबूतों के अभाव का हवाला देकर दोनों को बरी करने का आदेश दे दिया। कोली अभी जेल में रहेगा क्योंकि वह एक अन्य मामले में उम्रकैद की सजा काट रहा है। जिन परिवारों ने अपने बच्चों को खोया है, वे अदालत के इस फैसले से हैरान हैं। वे सब आर्थिक रूप से बेहद कमजोर हैं और 17 साल तक अपने बच्चों को इंसाफ दिलाने के लिए अदालतों के चक्कर लगाते रहे हैं। चूंकि इनके साथ देश भर की संवेदनाएं व आक्रोश शामिल रहा है, इसलिए वे अब तक हौंसला बनाए रहे। पंढेर की कोठी के करीब के ये गुमशुदा बच्चे कहां गए, यह सवाल हमेशा खटकता रहेगा। दूसरे जिन बच्चों के शवों के अवशेष नाले से मिले, उन्हें सुबूत क्यों नहीं माना जा रहा। यदि पंढेर की गैर-मौजूदगी में घटनाओं को अंजाम दिया गया तो कोली के अन्य साथी कौन थे?

कोली की स्वीकृोक्ति के बावजूद संदेह की गुंजाइश कहां रह जाती है। मामला उतना सामान्य नहीं है, जितना बताया जा रहा है। बच्चों की गुमशुदगी, शवों के अवशेष, उनकी पोशाकों के टुकड़े, घर के भीतर मिले शवों के टुकड़े, प्रत्यक्षदर्शियों के बयानों को झुठलाया नहीं जा सकता। अभी सबसे बड़ी अदालत जाने का रास्ता खुला है, इसलिए इंसाफ की उम्मीद रखी जा सकती है।

चिंतन-मनन

दान और परोपकार से घटता नहीं है धन

सभी धर्मों में कहा गया है कि दान करो। दान करने से धन घटता नहीं है बल्कि आपका धन बढ़ता है। लेकिन समस्या यह है कि लोग धन बढ़ने का तात्पर्य यह समझते हैं कि आज आप सौ रूपये कमाते हैं तो कल हजार रूपये कमाने लगेंगे। शास्त्रों में मुद्रा को धन कभी कहा ही नहीं गया है। शास्त्रों के अनुसार व्यक्ति जो पुण्य अर्जित करता है वही धन है। पुण्य रूपी धन परोपकार और जनहित से बढ़ता है। मुद्रा रूपी धन तो आपको उतना ही मिलेगा जितना आपकी किस्मत में होगा। अगर आप दान भी कर दें तो आपके पास उतना ही रहेगा जितना आपके भाग्य में है। अगर आप संचित करके भी रखेंगे तब भी उतना ही बचेगा जितना आपकी किस्मत में विधाता ने लिख दिया है।

दक्षिण भारत की एक कथा है इस संदर्भ में उल्लेखनीय है। एक गरीब ब्राह्मण था। दिन भर अपना काम करता इसके बाद जो भी समय बचता उसे भगवान की सेवा में लगा देता। ब्राह्मण की पत्नी अक्सर ब्राह्मण से कहती पूजा-पाठ से क्या लाभ है भगवान तो हमारी सुनते ही नहीं, पता नहीं हमारी गरीबी कब दूर होगी। एक दिन ब्राह्मणी की बात सुनकर ब्रह्मण बहुत दुःखी था। पूजा करने बैठा तो भगवान प्रकट हो गये। भगवान को देखते ही ब्रह्मण अपनी गरीबी दूर करने के लिए प्रार्थना करने लगा। भगवान ने कहा तुमने पूर्व जन्म दान नहीं किया है इसलिए तुम्हारे भाग्य में अन्न धन की मात्रा कम है। अगर तुम चाहो तो तुम्हें तुम्हारे भाग्य का अन्न धन एक साथ मिल सकता है। लेकिन एक बार अन्न धन खत्म होने के बाद तुम क्या करोगे। अच्छा होगा कि तुम धीरे-धीरे अपने हिस्से का अन्न धन प्राप्त करो।

ब्रह्मण ने कुछ देर सोचा फिर बोला प्रभु मेरे भाग्य का सारा अन्न धन एक साथ दे दीजिए। कुछ दिन तो सुखी से जी लूंगा। भगवान ने तथास्तु कह दिया। ब्राह्मण का घर अन्न से भर गया। ब्राह्मणी अन्न का भंडार देखकर खुश हो गयी। ब्राह्मण ने कहा कि इसे हम एक साथ खर्च नहीं करेंगे। हमारा जीवन जैसे चल रहा था हम वैसे ही जिएंगे। अगले दिन से ब्राह्मण गरीबों को अन्न-धन बांटने लगा। ब्राह्मण की किस्मत में जितना अन्न धन का सुख था वह उसे मिलता रहा। लेकिन दान के प्रभाव से उसके पुण्य में वृद्धि होती गयी और ब्राह्मण का नाम एवं यश चारों ओर फैलने लगा। पुण्य की वृद्धि और उदारत से प्रसन्न होकर भगवान ने ब्राह्मण की गरीबी दूर कर दी।

जांच एजेंसियों की विश्वसनीयता हुई तारतार

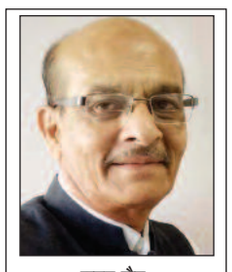

सनत जैन

निठारी कांड की जांच सीबीआई द्वारा की गई थी। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने सबूतों के अभाव में पंधेर पाल और कोली को बरी कर दिया है। 2005 में निठारी कांड की जांच सीबीआई ने की थी। निठारी कांड में मासूम बच्चों और महिलाओं को अमानवीय तरीके से मारा गया था। नोएडा सेक्टर 31के निठारी गांव की यह घटना थी। 2003 में पंधेर पाल ने सुरेंद्र कोली को नौकर रखा था। पंधेरपाल के पत्नी और बच्चे उसे छोड़कर चले गए थे। वह बंगले पर कॉल गर्ल को बुलाता था। सेवा के लिए सुरेंद्र कोली को नौकर रखा था। 14 साल की रिंपा हलदर गायब हो गई थी। जब इसकी रिपोर्ट लिखी गई और मामले की जांच की गई, तो पंधेर के घर के पीछे नाले में प्लास्टिक का एक बैग मिला। जिसमें लाश के टुकड़े थे। जब इस मामले में बवाल बढा,तो इसकी जांच सीबीआई को सौंप दी गई थी। सीबीआई की जांच में 19 लड़कियों के कंकाल नाले में मिले थे। सीबीआई ने पंधेर और कोली को गिरफ्तार किया था। सीबीआई की जांच में पता लगा कि कोली लाश के छोटे-छोटे टुकड़े कर उन्हें पकाकर खाता था। इस मामले की सुनवाई हाईकोर्ट में चल रही थी। हाईकोर्ट ने 308 पेज का जो फैसला सुनाया है। उसमें सीबीआई की जांच पर गंभीर सवाल उठाए हैं। हाई कोर्ट ने अपने निर्णय में कहा है, निठारी कांड की जांच में जिम्मेदार एजेंसी सीबीआई का रवैया जनता के साथ विश्वास घात करने से कम नहीं है। यह मामला इसलिए भी चिंताजनक माना गया, कि बड़ी संख्या में मासूम बच्चों और महिलाओं की अमानवीय तरीके से हत्या करके उनका मांस पका कर खाया गया। उनकी हड्डियों को नाले में फेंक दिया गया। हाईकोर्ट ने कहा सीबीआई ने जांच के बुनियादी मानदंडों का उल्लंघन किया। मामले को एक तरह से रफा दफा करने का प्रयास किया। सीबीआई ने इतने अमानुषिक कृत्य के अपराध को सिद्ध करने और सबूत जुटाने मे थोड़ी सी भी संवेदनशीलता का परिचय नहीं दिया। हाईकोर्ट ने निर्णय में कहा कि पूरा प्रकरण कोली के कबूलनामे पर आधारित है। सीबीआई ने पहले कोली को आरोपी बनाया। उसके बाद सारे आरोप नौकर कोली पर शिफ्ट करके मुख्य आरोपी को बचाने का प्रयास किया। सीबीआई ने कोई भी ठोस और वैज्ञानिक सबूत पेश नहीं किये, जो आश्चर्यजनक है।

हाईकोर्ट के न्यायाधीश एसएच रिजवी और न्यायमूर्ति अश्विनी मिश्र की बेंच ने निठारी कांड की जांच में सीबीआई की भूमिका पर कहा, सीबीआई की यह भूमिका किसी विश्वासघात से कम नहीं है। सीबीआई जांच एजेंसी को लेकर लोगों में बड़ा विश्वास होता था। हर संवेदनशील और जटिल मामले में पूरे देश भर में सीबीआई से जांच कराने की मांग आती थी। सीबीआई की जांच पर सभी को विश्वास होता था। लेकिन अब यह विश्वास खत्म होता जा रहा है। यह माना जा रहा है कि सीबीबी सरकार के इशारे पर काम करती है। सीबीआई की भूमिका भी पुलिस की तरह काम करने जैसी हो गई है। कई राज्य सरकारों ने सीबीआई को बिना अनुमति जांच करने पर रोक लगा दी है।

माना जाता है कि सीबीआई भी अब राजनीतिक आकाओं के इशारे पर काम करती है। पिछले कुछ वर्षों में जिस तरह से सीबीआई और ईडी जांच एजेंसियां काम कर रही हैं। उससे जांच एजेंसी की भूमिका को लेकर लोगों का विश्वास घटता चला जा रहा है। पिछले चार-पांच वर्षों में सीबीआई और केंद्रीय प्रवर्तन निदेशालय ने जिन मामलों की जांच की है। उनमें सबूत भी वर्षों-वर्षों तक न्यायालय में पेश नहीं किए जाने के कई मामले सामने आ चुके हैं। कई महीने तक आरोपियों को गिरफ्त में रखने के बाद भी सीबीआई और ईड़ी न्यायालय में चार्जशीट नहीं पेश कर पाती है। जिन मामलों में चार्ज शीट पेश की जाती है। उन मामलों में आरोप सिद्ध नहीं होते हैं। कई महीने और वर्षों तक आरोपियों को सीबीआई पूछताछ और सबूत जुटाने के नाम पर न्यायिक हिरासत में जेलों में बंद रखती है। हाईकोर्ट ने जिस तरह से सीबीआई की जांच पर नाराजगी जताई है। जिन दर्जनभर लड़कियों की हत्या की गई थी। यदि इतने वर्षों बाद भी उनके परिवारों को न्याय नहीं मिल पा रहा है। इसके लिए सीबीआई को ही जिम्मेदार माना जाना चाहिए। यह मामला कोई राजनीतिक मामला भी नहीं था। सीधे-सीधे अपराध से जुड़ा हुआ मामला था। सीबीआई ने इस मामले की जांच करने मैं जो लापरवाही और कोताही बरती है। वह क्षमा करने योग्य नहीं मानी जा सकती है। जिन अधिकारियों ने इस मामले की जांच की थी। उन्हें इस मामले में लापरवाही के लिए दंडित किये जाने की जरूरत है। सीबीआई और ईड़ी द्वारा की जा रही कार्रवाई से सैकड़ो परिवार, कई महीने हिरासत में रहने और मुकदमा लड़ने से आर्थिक एवं सामाजिक रूप से खत्म हो जाते हैं। ऐसे दोषी जांच अधिकारियों के ऊपर न्यायालय को कड़ी कार्रवाई करनी चाहिए। ताकि जांच एजेंसी जिम्मेदारी के साथ काम करें। यदि जांच एजेंसियों की विश्वसनीयता खत्म हो जाएगी, तो अराजकता की स्थिति पैदा हो जाएगी। जब तक आम जनता को जांच एजेंसियों और पुलिस पर विश्वास है। तभी तक कानून व्यवस्था की स्थिति और जांच एजेंसी को औचित्य बना हुआ है। यदि विश्वास नहीं रहेगा,तो फिर स्थिति को नियंत्रित कर पाना किसी के लिए संभव नहीं होगा। हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट की जिम्मेदारी है कि जांच एजेंसियां सही तरीके से काम करें। लापरवाह और रोषी अधिकारियों की जिम्मेदारी तय करके और उनको दंडित करना जरूरी हो गया है। समय रहते यदि ऐसा नहीं किया गया, तो न्याय तंत्र का पूरा ढांचा चरमराने मे देर नहीं लगेगी।

पहलः बाइडेन की इस्त्राइल यात्रा से थमेगी हिंसा

राजीव सक्सेना

अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन बुधवार 18 अक्टूबर को इस्त्राइल और जॉर्डन जा रहे हैं। उनके इस विजिट पर पूरी दुनिया की नजरें टिकी हैं। दूसरी तरफ बुधवार को ही ईरान के दबाव पर जेद्दा में 56 मुस्लिम देशों के संगठन ओआईसी की बैठक बुलाई गई है। इस्त्राइल-हमास युद्ध की दृष्टि से अमेरिकी राष्ट्रपति की यह यात्रा महत्त्वपूर्ण मानी जा रही है। इस्त्राइल की उनकी यात्रा से ज्यादा महत्त्वपूर्ण यात्रा जॉर्डन की है, जहां वो अरब लीग के नेताओं से मुलाकात करने वाले हैं।

कहा जा रहा है कि बाइडेन की यात्रा से शांति बहाली की उम्मीदें बढ़ गई हैं। व्हाइट हाउस राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद के प्रवक्ता जॉन किर्बी का कहना है कि बाइडेन जॉर्डन में किंग अब्दुल्ला, मिस्त्र के राष्ट्रपति अब्देल फतह अल-सिसी और फिलिस्तीनी राष्ट्रपति महमूद अब्बास से मुलाकात करेंगे। अमेरिका के विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने मंगलवार तड़के इस्त्राइल में बाइडेन के दौरे की घोषणा की। ब्लिंकन ने कहा कि यूएस राष्ट्रपति इसके बाद अरब देशों के नेताओं से मुलाकात के लिए जॉर्डन जाएंगे। घोषणा की कि अमेरिका और इस्त्राइल ऐसी योजना विकसित करने पर सहमत हुए हैं, जो मानवीय सहायता को गाजा में नागरिकों तक पहुंचाने में सक्षम बनाएगी। बाइडेन वहां क्या करने वाले हैं, इस पर ब्लिंकन कुछ नहीं बोले हैं। युद्ध छिड़ने के बाद ब्लिंकन फौरन इस्त्राइल यात्रा के लिए निकल पड़े। इस्त्राइल आने के बाद वो जॉर्डन, कतर और रियाद भी गए। वहां से लौटकर फिर

इस्त्राइल आ गए। ब्लिंकन की इसी भागदौड़ का नतीजा यह घटनाक्रम है। समझा जाता है कि अमेरिका अब इस्त्राइल-हमास युद्ध रोकवाने का श्रेय लेने के लिए सारी पहल कर रहा है। हालांकि अब तक फिलिस्तीन इस सारे मामले में घाटे में रहा है। गाजा तरह तबाह हो चुका है। इस्त्राइली मीडिया का कहना है कि बाइडेन इस शर्त पर इस्त्राइल आने को राजी हुए हैं कि इस्त्राइल गाजा में मानवीय राहत सामग्री भेजे जाने पर अड़ंगेबाजी नहीं करेगा। गाजा में अभी तक इस्त्राइल ने कोई राहत सामग्री नहीं जाने दी है। इस बीच, इस्त्राइल को लेकर बाइडेन के एक बयान की भी चर्चा हो रही है। सीबीएस के साथ 60 मिनट के साथ एक साक्षात्कार में बाइडेन ने चेतावनी दी कि इस्त्राइल को गाजा पर दोबारा कब्जा करने की गलती नहीं करनी चाहिए। बाइडेन ने कहा, देखिए, गाजा में जो कुछ हुआ, मेरे विचार में, वह हमास है, और हमास के लोग सभी फिलिस्तीनी लोगों का प्रतिनिधित्व नहीं करते। उन्हें लगता है कि गाजा पर फिर से कब्जा करना इस्त्राइल के लिए एक गलती होगी। हालांकि इसके साथ ही बाइडेन ने यह भी कहा कि चरमपंथियों को बाहर निकालना बेहद जरूरी है। बाइडेन और उनके प्रशासन ने इस्त्राइल या उसके बमबारी अभियान की आलोचना करने से इनकार कर दिया है। उन्होंने इस्त्राइल, मिस्त्र और अन्य देशों से बिगड़ते संघर्ष क्षेत्र में मानवीय सहायता और आपूर्ति होने देने का आग्रह किया है। अल जजीरा की रिपोर्ट के अनुसार, बाइडेन ने साक्षात्कार में कहा, 'मुझे विश्वास है कि इस्त्राइल युद्ध के नियमों के तहत कार्य करने जा रहा है। ऐसे मानक हैं, जिनका पालन लोकतांत्रिक संस्थाएं और देश करते हैं और मुझे विश्वास है कि गाजा में निर्दोष लोगों के लिए दवा, भोजन और पानी तक पहुंच संभव होने जा रही है।' इस्त्राइल और हमास लड़ाकों के बीच युद्ध मंगलवार को 11वें दिन में प्रवेश कर गया। इस्त्राइली फौजें गाजा सीमा पर जमीनी लड़ाई के लिए अभ्यास कर रही हैं। पिछले शनिवार से शुरू हुए युद्ध में अब तक 4,000 से अधिक लोगों की जान जा चुकी हैं। इनमें करीब 1,400 इस्त्राइली और 2,750 फिलिस्तीनी नागरिक शामिल हैं। इस्त्राइल ने गाजा पट्टी की पूरी तरह से नाकेबंदी कर दी है, और उस पर भीषण हवाई हमले किए हैं। गाजा में पैदा हुए मानवीय संकट के बारे में विश्व स्तर पर चिंताएं बढ़ रही हैं। डर है कि युद्ध एक व्यापक क्षेत्रीय संघर्ष में बदल सकता है। संयुक्त राष्ट्र और अन्य संगठनों द्वारा ट्रकों में भरी सहायता गाजा के साथ मिस्त्र की सीमा पर मौजूद है, लेकिन इस्त्राइल की जिद की वजह से वो सहायता गाजा में नहीं जा पा रही। इस्त्राइल ने मानवीय सहायता के बदले अपने बंधकों की रिहाई की शर्त रखी थी, जिसे हमास ने ठुकरा दिया। फिलिस्तीन के लोग इस समय हमास के साथ हैं। हालांकि गाजा में दाना-पानी बंद है।

संयुक्त राष्ट्र ने कहा कि मानवीय सहायता से भरे ट्रक गाजा के साथ मिस्त्र की सीमा पर फंसे हुए हैं। काहिरा ने कहा था कि राफा क्रॉसिंग, फिलिस्तीनी एन्क्लेव में बेहद जरूरी आपूर्ति के लिए एक संभावित महत्वपूर्ण मार्ग आधिकारिक तौर पर बंद नहीं है,लेकिन गाजा की ओर इस्त्राइली हवाई हमलों के कारण लगभग बंद है। मंगलवार को ब्लिंकन ने कहा कि अमेरिका इस्त्राइल की इस चिंता को साझा करता है कि हमास गाजा में प्रवेश करने वाली सहायता को जब्त या नष्ट कर सकता है, या इसे जरूरतमंद लोगों तक पहुंचने से रोक सकता है। उन्होंने कहा, 'अगर हमास किसी भी तरह से मानवीय सहायता को नागरिकों तक पहुंचने से रोकता है, जिसमें सहायता को जब्त करना भी शामिल है, तो हम इसकी निंदा करने वाले पहले व्यक्ति होंगे। और हम इसे दोबारा होने से रोकने के लिए काम करेंगे।'

मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में उ0प्र0 राज्य वन्य जीव बोर्ड की

15 वीं बैठक हुई सम्पन्न

संस्कार उजाला, महेश शर्मा

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी की अध्यक्षता में आज उनके सरकारी आवास पर उत्तर प्रदेश राज्य वन्य जीव बोर्ड की 15वीं बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में मुख्यमंत्री जी ने प्रदेश की जैव विविधता को संरक्षित करने तथा प्रदेश में ईको टूरिज्म की सम्भावनाओं को विस्तार देने सहित आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। प्रदेश सरकार द्वारा चिन्हित दुधवा नेशनल पार्क, चुका टाइगर रिजर्व, कतर्नियाघाट वाइल्ड लाइफ सेन्चुरी

जैसे ईको स्पॉट्स के लिए हेलीकाप्टर सेवा, फोरलेन रोड कनेक्टिविटी, गाइड, ठहरने एवं खाने-पीने जैसी सुविधाएं प्राथमिकता के आधार पर विकसित की जाएं। वन्यजीव संरक्षित क्षेत्रों की सड़कों के किनारे साइनेज लगाये जाएं। इन साइनेज में हॉर्न न बजाने, वाहन गति सीमा, फायर प्रोटेक्शन जैसे विभिन्न निर्देश उल्लेखित किये जाएं। जैव विविधता के संरक्षण की दिशा में हमें अपने प्रयास सतत रूप से जारी रखने होंगे। यह सुखद है कि नमामि गंगे परियोजना के माध्यम से अविरल और निर्मल हो रही गंगा जी में डॉल्फिन की संख्या में बढ़ोत्तरी हुई है। वर्तमान में प्रदेश की अन्य नदियों में भी डॉल्फिन देखी जा सकती हैं। लोगों में डॉल्फिन के संरक्षण व संवर्द्धन की जागरूकता हेतु डॉल्फिन मित्र नियुक्त करें। प्रदेश के राज्य पशु बारहसिंघा और राज्य पक्षी सारस के संरक्षण के लिए चरणबद्ध ढंग से कार्यों को आगे बढ़ाया जाए। वन्यजीवों के संरक्षण एवं उनके संवर्द्धन के लिए नियोजित प्रयासों को और तेज किया जाए। नियोजित प्रयासों से ही प्रदेश में बाघों की संख्या में बढ़ोत्तरी हो रही है। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि वन्य जीवों के रेस्क्यू में संवेदनशीलता के साथ मानकों का पूरा ध्यान रखा जाए।

धर्मेंद्र राय बने प्रकृति अनाथ आश्रम के कानपुर जिलाध्यक्ष

संवाददाता

कसया, कुशीनगर। प्रकृति अनाथ आश्रम के राष्ट्रीय संरसक्षक श्रीश्री 108 श्री आचार्य गोविंद दास जी महाराज के निर्देश पर आश्रम के राष्ट्रीय प्रबन्धक मनोज कुमार दास ने धर्मेंद्र राय को आश्रम संगठन कानपुर का जिलाध्यक्ष मनोनीत किया है। कुशीनगर जनपद के कसया विकास खण्ड के ग्राम धुरिया निवासी आश्रम प्रबन्धक श्री दास द्वारा जारी विज्ञप्ति के अनुसार धर्मेंद्र राय पुत्र फुलेना राय कानपुर के गोविन्द नगर निवासी हैं। उन्हें आश्रम संस्था कानपुर का जिलाध्यक्ष मनोनीत किया गया है।

श्री दास ने विश्वास व्यक्त किया है कि आप आश्रम की कल्याणकारी नीतियों, सुखी सम्पन्न राष्ट्र व समाज निर्माण में पूरी निष्ठा से योगदान देंगे। मनोनयन पर हनुमानगढ़ी महन्थ श्री श्री 108 श्री महंत बलराम दास जी महाराज, श्री 108 श्री महंथ बृजमोहन दास, वरिष्ठ राष्ट्रीय उपाध्यक्ष लीना सिंह, साध्वी देवा ठाकुर, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एडवोकेट पूजा सिंह उर्फ पंकज सिंह, प्रदेश अध्यक्ष प्रियंका द्विवेदी, प्रीति सिंह सुनीता देवी, अलका सिंह, सरोज, द्विवेदी, कविता सिंह, सविता सिंह पूजा मिश्रा, सुनील यादव, नगेन्द्र कुशवाहा आदि सहित हजारों ने बधाई दी है।

संक्षिप्त डायरी

खंड शिक्षा अधिकारी ने फीता काटकर किया खेलों का शुभारंभ

संवाददाता

अमरोहा। जनपद अमरोहा के विकासखंड जोया क्षेत्र की न्याय पंचायत खेल प्रतियोगिता में मनोज कुमार गौतम वरिष्ठ डायट प्रवक्ता एवं खंड शिक्षा अधिकारी जोया राजकुमार ने फीता काटकर प्रतियोगिता का शुभारंभ किया। जिसमें प्राथमिक विद्यालय अम्हेडा के बच्चों द्वारा स्वागत गान प्रस्तुत किया गया। इसमें प्राथमिक एवं उच्च प्राथमिक दोनों वर्गों ने प्रतिभाग किया जिसमें दौड़, ऊची कूद, लंबी कूद, गोला फेक, चक्का फेक, आदि खेलों का आयोजन किया गया जिसके परिणाम निम्नप्रकार रहे। प्राथमिक स्तर के परिणाम निम्न है- 50 मी॰ दौड़ बालक वर्ग- विक्रम प्रथम, सौरभ द्वितीय। 50 मी॰ दौड़ बालिका वर्ग-शाइबा प्रथम, पूर्वी द्वितीय। 100 मी॰ दौड़ बालक वर्ग- सौरभ प्रथम, साकिब द्वितीय। 100 मी॰ दौड़ बालिका वर्ग- ज़िकरा प्रथम, फिजा द्वितीय। 200 मी॰ दौड़ बालक वर्ग- सानिब प्रथम, सागर द्वितीय। 200 मी॰ दौड़ बालिका वर्ग- रितिका प्रथम, आशिफा द्वितीय। 400 मी॰ दौड़ बालक वर्ग- सागर प्रथम, शिवा द्वितीय। 400 मी॰ दौड़ बालिका वर्ग- साहिबा प्रथम, अलफिजा द्वितीय। लंबी कूद बालक वर्ग- अंश प्रथम, रचित द्वितीय। लंबी कूद बालिका वर्ग- फिजा प्रथम, रितिका द्वितीय। उच्च प्राथमिक स्तर के परिणाम निम्न हैः- 100 मी॰ दौड़ बालक वर्ग- साहिल प्रथम, विवेक द्वितीय। 100 मी॰ दौड़ बालिका वर्ग- महवीस प्रथम, फिजा द्वितीय। 200 मी॰ दौड़ बालक वर्ग- समीर अली प्रथम, साहिल द्वितीय। 200 मी॰ दौड़ बालिका वर्ग-तनु प्रथम, फिजा द्वितीय। 400 मी॰ दौड़ बालक वर्ग- अनिकेत प्रथम, फैजान द्वितीय। 400 मी॰ दौड़ बालिका वर्ग- कशिश प्रथम, महवीस द्वितीय। लंबी कूद बालक वर्ग- साहिल प्रथम, कुनाल द्वितीय। लंबी कूद बालिका वर्ग-महवीस प्रथम, तनु द्वितीय। गोला फेक बालक वर्ग- साहिल प्रथम, अल्ताफ द्वितीय। गोला फेक बालिका वर्ग- फिजा प्रथम, तनु द्वितीय। चक्का फेक बालक।

जिला एवं मण्डल स्तरीय खेलों के लिए चयनित खिलाड़ी हुए पुरस्कृत

संवाददाता

कसया, कुशीनगर। बुद्ध इंटर कॉलेज कुशीनगर में बुधवार को जिला स्तरीय कबड्डी व मंडल स्तरीय एथलेटिक्स प्रतियोगिता में चयनित प्रतिभागियों को मेडल व प्रशस्ति पत्र देकर हौंसला अफजाई किया गया। जिला व मंडल स्तर पर कालेज के छात्र-छात्राओं के चयन पर खुशी का माहौल है। क्रीड़ा शिक्षक हरिकेश सिंह ने बताया कि गत दिनों जितेंद्र स्मारक इंटर कॉलेज नरायनपुर कोठी में तहसील स्तरीय 19 वर्षीय बालिका कबड्डी प्रतियोगिता आयोजित हुई थी। जिसमें कालेज की मुस्कान, पूजा रावत, दुर्गावती भारती, सोनी पांडेय, गुंजन मौर्या, रोशनी सिंह, मुस्कान गुप्ता,निषा चौहान, नंदनी गुप्ता, गरिमा सिंह, अमृता राजभर ने तहसील स्तर पर बाजी मारी थी। जिनका चयन 27 अक्टूबर को जितेंद्र स्मारक इंटर कॉलेज नरायनपुर पुर कोठी में ही होगा। इसके अलावा जिला स्तरीय एथलेटिक्स प्रतियोगिता उदित नारायण इंटर कालेज पडरौना में हुआ था। जिसमें कालेज के आदित्य पांडेय, सचिन गोंड, अमानतुल्लाह अंसारी, तालिब अली, मुहम्मद फैजान,वंदना गौतम, आर्या मणि त्रिपाठी, अलखनंदिनी निषाद, पूजा रावत, दुर्गावती गौतम, नंदनी का मंडल स्तरीय प्रतियोगिता के लिए चयन हुआ है। इसमें दौड़,क्षेपण व कूद प्रतियोगाताएं हुईं थी। मंडल स्तरीय एथलेटिक्स प्रतियोगिता देवरिया जिले के अशोक इंटर कॉलेज रामपुर कारखाना में 25 अक्तूबर को किया जाएगा। इस मौके पर प्रधानाचार्य उमेश उपाध्याय, सुरेश गुप्त, कृष्ण कुमार त्रिपाठी, शैलेंद्र प्रताप सिंह, राजेश राय, अरविंद राव, विजय मणींद्र त्रिपाठी, कृष्ण मोहन राव, शंभू शरण श्रीवास्तव, अमजीत मिश्र आदि मौजूद थे।

नई दिशाः शिक्षा हम सबको ताकतवर बनाती हैः डॉ गौरव तिवारी

संवाददाता

कसया, कुशीनगर। नयी दिशा पर्यावरण सेवा संस्थान द्वारा बुधवार को लाडली अलंकृति के जन्मदिन की प्रथम वर्षगाँठ के अवसर पर पिता डॉ0 सौरभ द्विवेदी व माता पुनीता पांडेय के सहयोग से नगर पालिका परिषद कुशीनगर, कसया स्थित प्राथमिक विद्यालय सेमरी के बच्चों को शिक्षण सामग्री जैसे कॉपी, पेंसिल, रबर, कटर, बॉक्स इत्यादि वितरित कर उन्हें पढ़ने और आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया गया। इस दौरान पौधरोपण भी हुआ। अपने संबोधन में मुख्य अतिथि बुद्ध पीजी कॉलेज कुशीनगर के हिंदी विभाग के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ0 गौरव तिवारी ने कहा कि शिक्षा हम सबको ताकतवर बनाती है। हम शरीर से भले कमजोर हों, आर्थिक रूप से पिछड़े हों लेकिन अच्छे से पढ़ लिख कर अपने अधिकारों को जान और प्राप्त कर सकते हैं। शिक्षित व्यक्ति की ताकत के आगे दुनिया नतमस्तक है। इसलिए शिक्षण सामग्री का उपयोग कर शिक्षित बनिये, ताकतवर बनिये। कार्यक्रम का संचालन संस्था सचिव डॉ0 हरिओम मिश्र ने किया। इस अवसर पर राजेश शुक्ल, डॉ0 निगम मौर्य, नन्दजा मिश्रा, राजपती देवी, संगीता देवी, गोविन्द, प्रभु, रामजतन, अजय, नितिका पांडेय, दिव्य प्रकाश पांडेय इत्यादि उपस्थित रहे।

मां भगवती दरबार की सफाई कर मिशाल पेश कर रहे भोला

संवाददाता

कुशीनगर। मन में भक्ति हो तो आपको कोई दुःख नहीं हो सकता है। यह एक कहानी नहीं है हकीकत है कसया तहसील क्षेत्र के पतया निवासी भोला उर्फ डब्लू का जो मां भगवती के भक्त हैं। प्रतिदिन क्षेत्र के पांच मंदिरों का सुबह उठकर सफाई करते हैं और पूजा पाठ करते हैं और उनका कहना है कि जो भी भक्ति भाव से पूजा अर्चना किया है उसको कभी दुःख नहीं होता है। भोला उर्फ डब्लू पेसे से मजदूर हैं लेकिन दिल से बहुत अमीर है दिन भर मजदूरी कर कमाते हैं और प्रतिदिन सुबह नित्य कर्म करने के बाद मंदिरों के सफाई और पूजा अर्चना के लिए निकल पड़ते हैं। और मंदिर पहुंच कर मंदिर परिसर और मंदिर के अन्दर सफाई करते हैं। उसके बाद पूरे बिधि बिधान पूर्वक पूजा अर्चना करते हैं और यही नहीं मंदिर परिसर में फूल पौधे के साथ साथ मंदिर की यथा शक्ति से और लोगों से सहयोग मांगकर मंदिर में कुछ न कुछ निर्माण कार्य कराते रहते हैं। उनका कहना है कि जो भी भक्ति भाव से पूजा अर्चना किया है। उसको मा भगवती जरुर सुनी है और उनकी कष्ट दूर हुआ है भोला उर्फ डब्लू इस नवरात्रि में क्षेत्र के मां भगवती दरबार की हर तरह से सफाई करते हुए सजाएं हुए हैं।

निपुण लक्ष्य को हासिल करना हम सभी का लक्ष्यः उदय शंकर राय

संस्कार उजाला, महेश शर्मा

कुशीनगर । हाटा विकास खण्ड के प्राथमिक विद्यालय तुर्कवलिया दरियाव सिंह में खंड शिक्षा अधिकारी उदय शंकर राय के अध्यक्षता में न्याय पंचायत चिरगोड़ा की मासिक बैठक सम्पन्न हुआ। बैठक में वरिष्ठ प्रधानाध्यापक अनीश आलम, अक्षय कुमार, सुरेन्द्र प्रसाद एवं एआरपी मोहम्मद सुफियान आरफी द्वारा अंगवस्त्र भेंट करके तथा माल्यार्पण द्वारा खंड शिक्षा अधिकारी उदयशंकर राय का सम्मान किया गया। बीईओ श्री राय ने निपुण लक्ष्य हेतु सभी को सुझाव दिया तथा नेट परीक्षा की तैयारी के लिए विद्यार्थियों को तैयारी हेतु निःशुल्क पुस्तक वितरण करने के लिए पुमावि के प्रधानाध्यापक सुरेन्द्र प्रसाद को खंड शिक्षा अधिकारी द्वारा सम्मानित किया । निपुण ऐप को समझकर सकारात्मक तथा सराहनीय प्रयास के लिए कंपोजिट विद्यालय के सहायक अध्यापक संजय प्रताप सिंह को सम्मानित किया गया। बच्चों की निरंतर उत्तम उपस्थिति, सकारात्मकता तथा विद्यालय के सराहनीय संचालन के लिए प्राथमिक विद्यालय रामपुर पट्टी की प्रभारी प्रधान अध्यापिका साधना सिंह को खंड शिक्षा अधिकारी द्वारा सम्मानित किया गया। बैठक में उपस्थित समस्त अध्यापकों के मोबाइल में सफलतापूर्वक रीड एलोंग एप को पार्टनर कोड तथा प्रेरणा एप से जोड़ा गया तथा निपुण एप रजिस्ट्रेशन एवं सफल उपयोग हेतु मार्गदर्शित किया गया। बीआरसी कंप्यूटर ऑपरेटर एवम तकनीकी सहायक राजन तिवारी को अध्यापकों का सहयोग करने, अवकाश समय में भी सहयोग भावना से गूगल मीट संचालन करने के लिए अध्यापकों ने सम्मानित किया। इसी क्रम में तुर्कवलिया दरियाव सिंह की प्रभारी प्रधानाध्यापिका श्रीमती अर्चना सिंह, शिक्षक संकुल मनोज सिंह को बीईओ द्वारा सम्मानित किया गया। इस अवसर पर शिक्षक मनोहर कुमार, शेषनाथ, प्रतिभा भारती, हरेंद्र शर्मा आदि मौजूद रहे।

बिना मानक के चल रहे कॉटन वेस्ट के कारखाने पर चलेगा एसडीएम अमरोहा सदर का हंटर

संस्कार उजाला, महेश शर्मा

अमरोहा। अमरोहा तहसील क्षेत्र में बिना मानक के संचालित किया जा रहे कॉटन वेस्ट के कारखाने के भू स्वामियों की मुश्किलें बढ़ गई हैं। वही कॉटन वेस्ट के कारखाने में से निकलने वाला कैमल का गंदा पानी से लोगो को सांस लेना ही नही बल्कि जीना भी मुश्किल कर रहा है। जहां लोगों का जनजीवन अस्त व्यस्त है। वही बुधवार को अमरोहा शहर के कुछ लोग तहसील एसडीएम कार्यालय पहुंचे। जहां एसडीएम व ज्वाइन मजिस्ट्रेट प्रतिभा सिंह को शिकायती पत्र सौंपकर कॉटन वेस्ट के कारखाने के भू स्वामियों के खिलाफ कड़ी कार्यवाही करने की मांग की है। लिहाजा पूरा मामला अमरोहा सदर तहसील की एसडीएम व ज्वाइंट मजिस्ट्रेट प्रतिभा सिंह के संज्ञान में आने के बाद प्रतिभा सिंह ने क्षेत्र में चलने वाले बिना मानक के कॉटन वेस्ट के कारखाने के भू स्वामियों को तीन दिन के अंदर कारखाने को बंद करने के लिए नोटिस जारी किया है। इसी के साथ अमरोहा सदर तहसील की एसडीएम व ज्वाइंट मजिस्ट्रेट ने भू स्वामियों को कड़ी चेतावनी देते हुए कहा है कि तहसील अमरोहा के अंतर्गत आने वाले सभी कॉटन वेस्ट फैक्ट्री के संचालक, निर्माण कर्ता तीन दिन के बिना मानक के संचालित की जा रही कॉटन वेस्ट फैक्ट्री को बंद कर लें। अन्यथा तीन दिन के बाद प्रशासन द्वारा अभियान चलाकर कॉटन वेस्ट फैक्ट्री को सील और ध्वजतीकरण की कार्यवाही की जाएगी। जिसके लिए भू स्वामी, निर्माण कर्ता स्वयं जिम्मेदार होंगे। हालांकि एसडीएम व ज्वाइंट मजिस्ट्रेट प्रतिभा सिंह की इस बड़ी कार्यवाही से कॉटन वेस्ट के कारखाने के भू स्वामियों में खलबली मच गई है।

खेलों में रुखालू के छात्रों का रहा दबदबा

संस्कार उजाला, दिनेश शर्मा

अमरोहा। जनपद अमरोहा के विकासखंड गंगेश्वरी की न्याय पंचायत स्तर रूखालू की खेलकूद प्रतियोगिता संविलियन विद्यालय रूखालू के मैदान पर आयोजित हुई। प्रतियोगिता का शुभारंभ जूनियर हाईस्कूल शिक्षक संघ के ब्लॉक अध्यक्ष राकेश शर्मा,उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ गंगेश्वरी के ब्लॉक अध्यक्ष रामवीर सिंह,ब्लॉक व्यायाम शिक्षक वैभव गुप्ता,खेल प्रभारी भुवनेश वर्मा ने संयुक्त रूप से हरी झंडी दिखाकर किया। उच्च प्राथमिक स्तर बालक वर्ग की 100 मीटर दौड़ मे नूर मोहम्मद प्रथम, संविलियन विद्यालय रूखालू का गजेन्द्र द्वितीय,200 मीटर दौड़ में अमित संविलियन विद्यालय रूखालू प्रथम और जैद उच्च प्राथमिक विद्यालय पिपलौती कलां दूसरे स्थान पर रहा जबकि 400 मीटर दौड़ मे उच्च

प्राथमिक विद्यालय रुखालू का अमित प्रथम, जैद उच्च प्राथमिक विद्यालय पिपलौती कलां द्वितीय स्थान पर रहा। 600 मीटर दौड़ में उच्च प्राथमिक विद्यालय पिपलौती कलां का नूर मोहम्मद प्रथम, संविलियन विद्यालय रूखालू का योगेंद्र द्वितीय स्थान पर रहा। लंबी कूद में अमित संविलियन विद्यालय रूखालू ने पहला और उच्च प्राथमिक विद्यालय पिपलौती कलां के मौ. साहिल ने दूसरा स्थान प्राप्त किया। खो--खो में उच्च प्राथमिक विद्यालय मंगरौला की टीम प्रथम एवं संविलियन विद्यालय रुखालू की टीम दूसरे स्थान पर रही। कबड्डी में संविलियन विद्यालय रुखालू की टीम प्रथम स्थान पर रही जबकि उच्च प्राथमिक विद्यालय मंगरौला की टीम द्वितीय स्थान पर रही। चक्का फेंक में उच्च प्राथमिक विद्यालय पिपलौती कलां का मुशाहिद प्रथम एवं संविलियन विद्यालय रूखालू का योगेंद्र दूसरे स्थान पर रहा। गोला फेंक में मुशाहिद उच्च प्राथमिक विद्यालय पिपलौती कलां का मुशाहिद प्रथम एवं संविलियन विद्यालय रूखालू का अमित दूसरे स्थान पर रहा। इस अवसर पर ब्लॉक उपाध्यक्ष करनपाल,अकाउंटेंट अरविंद चौधरी, ओमवीर नागर,प्रचार मंत्री मनवीर सिंह यादव,संकुल शिक्षक संजय सिंह, नितिन कुमार, प्रमोद कुमार,शिशिर कुमार,डा.रमेश सिंह, अमित कुमार, सोनू कुमार,राकेश कुमार वर्मा,अजय सिंह, इदरीश अली,रवि कुमार, मशकूर अहमद,अमित कुमार,अजय सागर,राजीव कुमार, सनोज कुमार, बिजेंद्र सिंह,विनोद कुमार,श्रीपाल चौहान,अमनीश त्यागी, दिग्विजय सिंह, प्रीतम सिंह, दयाराम सिंह,उत्कर्ष भारद्वाज, मोहम्मद आकिल, राजीव कुमार,अशोक कुमार,अरविंद पोसवाल,वीरेंद्र सिंह, रामपाल सिंह, रजनीश कुमार,पवन कुमार, दीक्षा शर्मा,शालू तंवर,रीना गौड़,रीना वर्मा, सुमबुल, प्रियंका गुप्ता,अजरा परवीन ,कविता शर्मा आदि मौजूद रहे। खेल प्रतियोगिता संकुल शिक्षक भुवनेश वर्मा, ब्लॉक व्यायाम शिक्षक वैभव गुप्ता ,दीक्षा शर्मा,अमित कुमार एवं संजय सिंह के निर्देशन में संपन्न हुई।

नवनिर्मित प्रतिष्ठान हाउस ऑफ फैशन का हुआ उद्घाटन

संस्कार उजाला, सचिन शर्मा

धामपुर। मुख्य डाकघर मार्ग धामपुर में नवनिर्मित प्रतिष्ठान हाउस ऑफ फैशन का उद्घाटन सतपाल सिंह सीडाना, जोगेंद्र सिंह सीडाना ,अमरजीत सिंह सीडाना, सुरेंद्र सिंह सीडाना,आदि ने फीता काटकर किया। नवनिर्मित प्रतिष्ठान पर सुख मनी साहिब पाठ एवं गुरुवाणी कीर्तन दरबार में स्त्री सत्संग सभा से जुड़ी गुरु घर की अमृतधारी सेविकाओं ने सामूहिक रूप में सुख मनी साहिब जी का पाठ किया।इस दौरान कार्यक्रम स्थल बोले सो निहाल सत श्री अकाल तथा वाहेगुरु जी का खालसा वाहेगुरु जी की फतेह के जयकारों से गूंज उठा गुरु घर के समर्पित एवं निष्ठावान सेवक सरदार सतपाल सिंह सीडाना के संरक्षण में आयोजित इस कार्यक्रम में समूचे परिवार द्वारा श्री गुरु ग्रंथ साहिब जी को गुरुद्वारा से सम्मान सहित पारंपरिक जयकारों के बीच कार्यक्रम स्थल तक लाकर विराजमान किया गया। इस मौके पर स्त्री सत्संग सभा की जत्थेदार बीबी महेंद्र कौर खालसा एवं सचिव जसविंदर कौर मोगा ,संजम मोगा ,सर्वजीत कौर सीडाना, अमरजीत कौर सीडाना, स्वीटी चावला, प्रकाश कौर चावला, इंद्रजीत कौर चावला, जसपाल कौर, सुरेंद्र कौर,आदि गुरु घर की अमृत धारी सेविकाओं ने सुख मनी साहिब जी का सामूहिक रूप में पाठ किया गुरु महाराज के वजीर के अनिल रघुवीर सिंह ने अपने सहयोगी गुरु घर के सेवादार श्रद्धांजलि नरेंद्र सिंह खालसा के सहयोग से गुरु वाणी कीर्तन की विभिन्न प्रस्तुतियों द्वारा संगत को निहाल किया ।सभी सीडाना परिवारों की ओर से सरदार तेजेंद्र सिंह सीडाना, सरदार गुरमीत सिंह सीडाना, सरदार जोगिंदर सिंह सीडाना, सरदार रविंदर सिंह सीडाना, सरदार अमरजीत सिंह सीडाना, सरदार जसविंदर सिंह सीडाना, सरदार सुरेंद्र सिंह सीडाना, सरदार कुलदीप सिंह सीडाना, आदि ने परिवार के सदस्यों के साथ सामूहिक सुखमणि साहिब पाठ एवं गुरुवाणी कीर्तन दरबार में हाजिरी लगाते हुए सभी गुरमुख परिवारों के प्रति आभार प्रदर्शित किया इस मौके पर हिंदुस्तान पिछड़ा मोर्चा भारत के प्रदेश अध्यक्ष वीरेंद्र रस्तोगी ने गुरमीत सिंह सीडाना को जिला सचिव के पद पर मनोनीत किया। इस अवसर पर हरपाल सिंह चावला, डॉ, आयुष कुमार, पालिका अध्यक्ष चौधरी रवि कुमार सिंह, गणेश मराठा,अनमोल गोस्वामी, सुरेंद्र सिंह सीडाना,तेजेंद्र सिंह सीडाना, सरदार सतवंत सिंह सलूजा, सरदार अमरजीत सिंह एडवोकेट, सरदार गुरुचरण सिंह चावला, आदि उपस्थित रहे।

पांचवें सामूहिक पूजन एवं विशाल भंडारे का हुआ आयोजन

संस्कार उजाला, अजय कुमार

धामपुर। नगीना मार्ग धामपुर स्थित प्राचीन सिद्ध पीठ मंदिर कालियावाला पर आयोजित पांचवें सामूहिक पूजन कार्यक्रम एवं विशाल भंडारे में नगर के विभिन्न भागों एवं आसपास के ग्रामों से बड़ी संख्या में पहुंचे श्रद्धालुओं ने महाकाली के चरणों में अपनी श्रद्धा भावना प्रदर्शित की और भंडारे में प्रसाद ग्रहण किया इस दौरान कार्यक्रम स्थल महाकाली के पारंपरिक जयकारों से गूंज उठा नगर के समाजसेवी सराफ स्वर्गीय किशन अग्रवाल एवं माता कृष्णावती अग्रवाल के परिवार की ओर से पांचवें विशाल भंडारे के

अंतर्गत मंदिर में महाकाली की मूर्ति के समक्ष आयोजित सामूहिक पूजन कार्यक्रम के मुख्य यजमान नगर के समाजसेवी सर्राफ विपिन कुमार अग्रवाल एवं उनकी धर्मपत्नी आशा रानी अग्रवाल, अनमोल अग्रवाल, नूपुर अग्रवाल ,आरव अग्रवाल निमिषा अग्रवाल, आदि रहे जिन्होंने पूर्ण श्रद्धा भावना के साथ पूजन कार्यक्रम में सहभागिता की पूजन कार्यक्रम मंदिर के पुजारी विजय नाथ जी महाराज एवं सुरेंद्रनाथ महाराज जी के संरक्षण में संपादित कराया गया। पूजन के उपरांत महाकाली को आयोजक परिवार की ओर से भोग लगाकर भंडारे की शुरूआत कर दी गई भंडारे में बड़ी संख्या में पहुंचे श्रद्धालु परिवारों के अलावा नगर की विभिन्न धार्मिक एवं सामाजिक संस्थाओं के पदाधिकारी एवं सदस्यों ने भी भाग लेकर प्रसाद ग्रहण किया। उधर आज शारदीय नवरात्र का चौथा दिन होने के कारण मंदिर कालिया वाला पर पहुंचकर श्रद्धालुओं ने महाकाली के चरणों में पूजा अर्चना करते हुए अपनी श्रद्धा भावना प्रदर्शित की और अपने साथ लाई गई पूजन एवं श्रृंगार से संबंधित सामग्री को माता रानी के चरणों में अर्पित करते हुए सभी सनातनी परिवारों में शांति खुशहाली एवं समृद्धि बनाए रखने की कामना भी की।

पशुपालन, डेयरी उद्योग, आर्गेनिक फार्मिंग समेत लाखो रोजगार के शानदार अवसरः डॉ0 राजीव त्यागी

संवाददाता

अमरोहा। जनपद के राष्ट्रीय राजमार्ग बाईपास स्थित श्री वेंकटेश्वरा विश्वविद्यालय एवं वी0जी0आई0 मेरठ के संयुक्त तत्वांधान में विश्व खाद्य दिवस पर फसलो के सुरक्षित भण्डारण एवं पोषण सुरक्षा विषय पर एकदिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला का शानदार आयोजन किया गया, जिसमें भारतीय कृषि अनुसंधान एवं शोध परिषद भारत सरकार एवं पंतनगर कृषि विश्वविद्यालय के वरिष्ठ वैज्ञानिको ने वैश्विक खाद्य सुरक्षा पर विस्तार से चर्चा करते हुए उत्पादित फसलो के उचित भण्डारण एवं पोषण सुरक्षा पर मंथन करते हुए किसानो की आय दोगुनी करने के उपायो पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर समूह चैयरमेन डॉ0 सुधीर गिरि ने कहा कि कृषि भारतीय अर्थव्यवस्था की रीढ है, सुदृढ कृषि नीति से किसानो की आय को दोगुना कर भारत फिर से विश्व गुरु बनेगा। श्री वेंकटेश्वरा विश्वविद्यालय के चौधरी चरण

सिंह सभागार में विश्व खाद्य दिवस पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी का शुभारम्भ समूह चैयरमेन डॉ0 सुधीर गिरि, प्रधान सलाहकार डॉ0 वी0पी0एस0 अरोड़ा, प्रतिकुलाधिपति डॉ0 राजीव त्यागी, मुख्य स्पीकर प्रो0 रामआसरे सिंह, प्रभारी कुलपति डॉ0 राकेश यादव,

कुलपति डॉ0 पीयूष कुमार पाण्डेय आदि ने सरस्वती माँ के सन्मुख दीप प्रज्जवलित करके किया। इस अवसर पर कृषि वैज्ञानिक प्रो0 (डॉ0) तेजपाल सिंह, पंतनगर के डॉ0 सी0पी0 सिह, डॉ0 राजेश सिंह, डॉ0 दिव्या गिरिधर, सी0ए0 विकास भाटिया, डॉ0 एस0एन0 साहू, डॉ0 ज्योति सिंह, डॉ0 श्वेता गुप्ता, डॉ0 माता प्रसाद, डॉ0 लक्ष्मीकान्त, डॉ0 असिया वाहिद, सिद्धार्थ, कौशल कुमार, एस0एस0 बघेल, संजीव राय, प्रीतपाल, मेरठ के परिसर निदेशक डॉ0 प्रताप सिंह, मीडिया प्रभारी विश्वास राणा आदि लोग उपस्थित रहे।

गोपाल राय ने वायु प्रदूषण से निपटने के लिए भूपेंद्र यादव को लिखा पत्र

नई दिल्ली। दिल्ली के पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने केंद्रीय पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव को पत्र लिखकर राजधानी में वायु प्रदूषण की समस्या से निपटने को लेकर एनसीआर के राज्यों के पर्यावरण मंत्रियों के साथ जल्द से जल्द संयुक्त बैठक करने की अपील की है। श्री गोपाल राय ने दिल्ली में सर्दियों के मौसम में होने वाले वायु प्रदूषण की समस्या से निपटने को लेकर एनसीआर के राज्यों के पर्यावरण मंत्रियों के साथ जल्द से जल्द संयुक्त बैठक करने की अपील की है। उन्होंने पत्र में कहा है कि दिल्ली के प्रदूषण में 31 प्रतिशत दिल्ली के अंदर के स्रोतों की भूमिका है जबकि 69 प्रतिशत एनसीआर के राज्यों के स्रोतों की भागीदारी है। सर्दी के मौसम में दिल्ली के अंदर वायु प्रदूषण की स्थिति गंभीर हो जाती है। दिल्ली सरकार प्रदूषण को कम करने के लिए कई कदम उठा रही है लेकिन जब तक एनसीआर के राज्यों में दिल्ली में आ रहे प्रदूषण के कारकों पर रोक नहीं लगेगी, तब तक हमारे द्वारा उठाए गए सारे कदम प्रभावशाली नहीं हो पाएंगे। इसलिए एनसीआर राज्यों के पर्यावरण मंत्रियों के साथ एक संयुक्त बैठक शीघ्र बुलाने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि दिल्ली के अंदर ठंड के मौसम में प्रदूषण की समस्या काफी बढ़ जाती है। सभी कारकों को ध्यान में रखते हुए दिल्ली सरकार ने इस बार 15 फोकस बिंदुओं पर आधारित कार्य योजना बनाया है जिस पर सरकार काम कर रही है। पर्यावरण मंत्री ने कहा कि दिल्ली सरकार द्वारा उठाए गए तमाम उपायों के परिणाम स्वरूप दिल्ली के अंदर प्रदूषण के स्तर में लगातार गिरावट दर्ज की जा रही है। दिल्ली सरकार द्वारा उठाए गए कदमों के परिणाम स्वरूप पिछले आठ सालों में प्रदूषण के स्तर में 30 प्रतिशत की कमी आई है लेकिन जब तक एनसीआर के राज्यों में प्रदूषण के कारकों पर पूरी तरह से रोक नहीं लगेगी तब तक दिल्ली सरकार द्वारा उठाए गए ये सारे कदम प्रभावशाली नहीं हो पाएंगे।

सुप्रीम कोर्ट का महाराष्ट्र विधानसभा अध्यक्ष को अयोग्यता याचिकाओं पर फैसला करने अंतिम अवसर

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने महाराष्ट्र विधानसभा अध्यक्ष राहुल नारवेकर को मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और अन्य शिवसेना विधायकों के खिलाफ दायर अयोग्यता याचिकाओं पर निर्णय लेने के लिए 'यथार्थवादी' समय-सीमा तय करने का अंतिम अवसर देते हुए कहा कि वह इस मामले में अगली सुनवाई 30 अक्टूबर को करेगा। मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़, न्यायमूर्ति जे बी पारदीवाला और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की पीठ ने फैसला करने में देरी पर एक बार फिर नाराजगी व्यक्त की। पीठ ने कहा कि कुल मिलाकर देखा जाए तो अयोग्यता याचिकाओं का एक सेट जून 2022 से लंबित है। पीठ ने कहा कि दसवीं अनुसूची (दलबदल विरोधी कानून) के मूल उद्देश्य को विफल नहीं किया जा सकता है। इससे पहले, विधानसभा अध्यक्ष की ओर से पेश श्री मेहता ने पीठ के समक्ष कहा कि जहां तक ??अयोग्यता याचिका पर निर्णय लेने का सवाल है तो उन्हें एक यथार्थवादी समय सीमा तय करने के लिए कुछ और समय दिया जाना चाहिए?। अदालत ने श्री मेहता की याचिका को स्वीकार कर लिया कि वह दशहरा अवकाश के दौरान इस मामले में व्यक्तिगत रूप से पीठासीन अधिकारी के साथ बातचीत करेंगे।शीर्ष अदालत ने शिवसेना के महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे गुट और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के नेता जयंत पाटिल द्वारा दायर अलग-अलग याचिकाओं पर अगली सुनवाई के लिए 30 अक्टूबर की तारीख मुकर्रर कर दी। मुख्य न्यायाधीश अध्यक्षता वाली इस पीठ ने 13 अक्टूबर को भी विधानसभा अध्यक्ष द्वारा फैसला करने में देरी पर नाखुशी जाहिर करते हुए कहा था कि 'अयोग्यता की कार्यवाही को दिखावे तक सीमित नहीं किया जा सकता।'

न्यूजक्लिक: पुरकायस्थ की याचिका पर गुरुवार सुनवाई करेगा उच्चतम न्यायालय

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने बुधवार को कहा कि गैरकानूनी गतिविधियां रोकथाम अधिनियम (यूएपीए) के तहत गिरफ्तार न्यूज पोर्टल 'न्यूजक्लिक' के संस्थापक प्रबीर पुरकायस्थ और इसके मानव संसाधन (एचआर) प्रमुख अमित चक्रवर्ती की अयाचिका पर वह गुरुवार को सुनवाई करेगा। न्यायमूर्ति बी आर गवाई और न्यायमूर्ति प्रशांत कुमार मिश्रा की पीठ ने यह कहते हुए सुनवाई 19 अक्टूबर के लिए स्थगित कर दी कि वह संबंधित फाइल का अवलोकन करना चाहती है। इससे पहले याचिकाकर्ताओं की ओर से वरिष्ठ वकील कपिल सिब्बल और देवदत्त कामत ने पीठ के समक्ष कहा कि मामले में नोटिस जारी किया जाना चाहिए। दोनों आरोपियों ने अपनी गिरफ्तारी और हिरासत को चुनौती देने वाली याचिका दिल्ली उच्च न्यायालय द्वारा खारिज किए जाने के बाद शीर्ष न्यायालय का दरवाजा खटखटा आया है। उन्होंने विशेष अनुमति याचिका दायर कर दिल्ली पुलिस की ओर से दर्ज प्राथमिक रद्द करने की गुहार लगाई है।

पत्रकार सौम्या विश्वनाथन हत्याकांड में बड़ा फैसला

सभी आरोपी दोषी करार

नई दिल्ली। पत्रकार सौम्या विश्वनाथन की हत्याकांड मामले में अदालत ने बुधवार को बड़ा फैसला सुनाया है। साकेत कोर्ट ने सभी आरोपियों को दोषी करार दिया है। मकोका के तहत सजा सुनाई जाएगी। अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश रवींद्र कुमार पांडे ने बचाव और अभियोजन पक्ष की दलीलें पूरी होने के बाद 13 अक्टूबर को मामले में फैसला सुरक्षित रख लिया था। विश्वनाथन की 30 सितंबर 2008 को उस समय गोली मारकर हत्या कर दी गई थी जब वह सुबह करीब साढ़े तीन बजे अपनी कार से घर लौट रही थी। पुलिस ने दावा किया था कि उसकी हत्या के पीछे का मकसद लूटपाट था। पांच लोगों रवि कपूर, अमित शुक्ला,

बलजीत मलिक, अजय कुमार और अजय सेठी को उसकी हत्या के आरोप में गिरफ्तार किया गया था और मार्च 2009 से हिरासत में हैं। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ सख्त महाराष्ट्र संगठित अपराध नियंत्रण अधिनियम (मकोका) लगाया था।

शाहनवाज हुसैन के खिलाफ जारी समन पर रोक, कोर्ट ने दुष्कर्म और धमकी के आरोप पर किया था तलब

नई दिल्ली। दिल्ली की एक कोर्ट से भाजपा नेता सैयद शाहनवाज हुसैन को राहत मिल गई है। बलात्कार और आपराधिक धमकी देने का आरोप लगाने वाली महिला की शिकायत पर मजिस्ट्रेट कोर्ट ने समन जारी किया था। जिस पर रोक लगा दी है।विशेष न्यायाधीश एम के नागपाल ने मजिस्ट्रेट अदालत के आदेश के खिलाफ हुसैन की पुनरीक्षण याचिका पर आदेश पारित किया है। जिसमें उन्हें 20 अक्टूबर को कोर्ट में पेश होने के लिए कहा था। 17 अक्टूबर को पारित आदेश में न्यायाधीश ने याचिका पर शिकायतकर्ता को एक नोटिस भी जारी किया और 8 नवंबर तक जवाब मांगा। जानकारी के लिए बता दें कि भाजपा नेता हुसैन ने अपनी

याचिका में दावा किया कि मेट्रोपॉलिटन मजिस्ट्रेट ने केवल अभियोजक द्वारा सीआरपीसी की धारा 164 के तहत दिए गए एक बयान के आधार पर संज्ञान लिया है। हालांकि, नशे में कोई ऐसी घटना नहीं हुई। कोई रिकॉर्ड भी नहीं है और न ही कोई सबूत है। जिससे लगता हो कि ऐसी कोई घटना हुई थी।

मंगोलपुरी फ्लाईओवर के पास हादसा, बोलेरो ने मारी स्कूटी को टक्कर; दो की गई जान

नई दिल्ली। दिल्ली के मंगोलपुरी इलाके में एक हादसा हो गया है। जहां एक बोलेरो गाड़ी ने एक स्कूटी को टक्कर मार दी। घटना के बाद गाड़ी चालक फरार हो गया है। पुलिस ने बताया कि सुबह करीब 6.39 बजे एक पीसीआर कॉल मिली थी।

पुलिस को बताया गया कि मंगोलपुरी फ्लाईओवर के नीचे सीएनजी पंप रिंग रोड के पास एक दुर्घटना हो गई है। जिसमें दो लोग घायल हो गए हैं। पुलिस मौके पर पहुंची तब तक दोनों की मौत हो

चुकी थी। पूछताछ से पता चला कि एक बोलेरो नंबर एचआर 55-एएम8661 ने एक स्कूटी नंबर डीएल 11एच3961 को टक्कर मार दी, जब वे यू टर्न ले रहे थे । स्कूटी सवार और पीछे बैठे दोनों हिमांशु और प्रियांशु के सिर में चोट लग गई। दोनों की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे के बाद बोलेरो का ड्राइवर फरार हो गया। जानकारी के लिए बता दें कि शवों को आगे की कार्रवाई के लिए भेज दिया गया है। मंगोलपुरी पुलिस थाने में मामला दर्ज कर लिया गया है और आरोपी की तलाश जारी कर दी है।

शहरों के विकास पर 2014 से 18 लाख करोड़ रुपये का निवेश, बदल रही है तस्वीर: पुरी

नई दिल्ली। केन्द्रीय आवास एवं शहरी विकास मंत्री हरदीप पुरी ने कहा कि देश में शहरों के विकास और रुपांतर के लिए 2014 से विभिन्न योजनाओं में 18 लाख करोड़ रुपये का निवेश हुआ है और इससे नगरों छवि बदल रही है। श्री पुरी ने कहा कि सरकार द्वारा शहरी स्थानीय निकायों (यूएलबी) को अधिक वित्तीय संसाधन और क्षमता निर्माण तक पहुंच प्रदान करने, बड़े पैमाने पर मिशन निष्पादित करने के लिए उपाय किए गए है। वह यहां ' जनाग्रह' और ' रेनमैटर फाउंडेशन' द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम में भारतीय शहर-प्रणाली पर वार्षिक सर्वेक्षण रिपोर्ट -एएसआईसीएस 2023 का छठा संस्करण जारी कर रहे थे। शहरी विकास एवं पेट्रोलियम मंत्री श्री पुरी ने कहा कि महापौरों और नगर परिषदों के सशक्तिकरण की आवश्यकता है क्योंकि उन्होंने स्थानीय स्तर पर वैश्विक कार्रवाई को चलाने की क्षमता का सफलतापूर्वक प्रदर्शन किया है। मंत्री ने कहा कि 2014 के बाद से सरकार ने विश्व का सबसे व्यापक और योजनाबद्ध शहरीकरण कार्यक्रम शुरू किया है। उन्होंने पीएमएवाई (शहरी), स्वच्छ भारत मिशन - शहरी, अमृत, स्मार्ट सिटीज मिशन, पीएम स्वनिधि मिशन और डीएवाई-एनयूएलएम जैसी पहलों/मिशनों के बारे में बात की, जो शहरी क्षेत्रों की वृद्धि और विकास में परिवर्तनकारी साबित हुए हैं।

पुरानी गाड़ी चला रहे हैं तो हो सकती है परेशानी, प्रदूषण को लेकर नोएडा पुलिस का अभियान शुरू

नोएडा। नोएडा-दिल्ली-एनसीआर के लोग सचेत हो जाएं। नोएडा पुलिस ने 17 अक्टूबर से 15 दिन के लिए एक अभियान शुरू किया है। इसमें प्रदूषण से संबंधित ग्रैप के नियमों का पालन न करने वाले वाहनों का भारी भरकम चालान काटा जाएगा। पुलिस कमिश्नर लक्ष्मी सिंह के आदेश जारी करने के बाद सभी जगह पर अब ट्रैफिक पुलिस के साथ-साथ आम पुलिस भी इस अभियान में जुट जायेगी। इसमें 10 साल से पुरानी डीजल की और 15 साल से पुरानी पेट्रोल की गाडियां का चालान काटा जाएगा। साथ ही साथ जिन गाड़ियों का पॉल्यूशन सर्टिफिकेट पूरा नहीं होगा उन्हें भी भारी जुर्माना भरना पड़ेगा। एनसीआर में संशोधित ग्रेडेड रिस्पान्स एक्शन प्लान (ग्रैप) के निर्देशों का सख्ती से पालन करवाया जायेगा। नोएडा

पुलिस कॉमिस्नरेट में एक 15 दिवसीय अभियान चलाया जा रहा है जो 17 अक्टूबर से शुरू होगा। वाहनों की चेकिंग के साथ पराली जलाने एवं अन्य वायु प्रदुषण फेलाने वालों के विरुद्ध कार्रवाई की जायेगी। ग्रैप के नियमों का पालन करवाने के लिया सहायक पुलिस आयुक्त, यातायात प्रथम एवं द्वितीय के पर्यवेक्षण में यातायात निरीक्षक के नेतृत्व में छह टीमों का गठन किया गया है। कमिश्नरेट गौतमबुद्धनगर में जोन स्तर पर भी नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

दिल्ली में तीन करोड़ रुपये के द्वारका डकैती मामले में एक और गिरफ्तारी

नई दिल्ली। दिल्ली के द्वारका के सनसनीखेज डकैती के मामले में पुलिस ने एक और आरोपी को गिरफ्तार किया है। एक गिरोह के सदस्यों ने खुद को ईडी अधिकारी बताकर एक व्यक्ति का अपहरण कर उससे तीन करोड़ रुपये लूट लिए थे।

पुलिस ने बताया कि इस मामले में यह चौथी गिरफ्तारी है। आरोपी की पहचान रोहिणी एक्सटेंशन इलाके के रहने वाले अजय ग्रोवर (41) के रूप में हुई है। उसके कब्जे से 19.05 लाख रुपये भी बरामद हुये हैं। इससे पहले पुलिस ने हरियाणा के गोहाना निवासी अमित उर्फ जॉली, रोहित उर्फ अश्विन और दिल्ली के बवाना निवासी मनीष को दिल्ली में गिरफ्तार किया था।

पुलिस के मुताबिक, गोपाल नगर में रहने वाले शिकायतकर्ता रवि ने बताया था कि 13 अक्टूबर की रात करीब 8 बजे वह अपने घर के पास मुख्य सड़क पर खड़ा था, तभी एक सफेद कार अचानक रुकी।

एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने कहा, तीन अज्ञात व्यक्ति कार से निकले और प्रवर्तन निदेशालय से होने का दावा करते हुए रवि को जबरन वाहन में ले गए। दो अन्य व्यक्ति दूसरी कार में पहुंचे और रवि पर पिस्तौल तान दी और धमकी देते हुए मांग की कि वह अपनी संपत्ति की बिक्री से प्राप्त पैसे उन्हें सौंप दे। अधिकारी ने कहा, उन्होंने आरोप लगाया कि यह पैसा अवैध गतिविधियों से जुड़ा है। इसके बाद, वे रवि को

उसके आवास पर वापस ले आए और 3 करोड़ 20 लाख रुपये की बड़ी नकदी और रवि और उसकी मां के मोबाइल फोन ले गए। अधिकारी ने कहा, इसके बाद उन्होंने रवि को मुख्य सड़क पर भारत पेट्रोल पंप के पास छोड़ दिया और घटनास्थल से भाग गए।

दिल्ली के स्कूलों में नर्सरी में दाखिले का मौका, इन छात्रों को मिलेगा लाभ

नई दिल्ली। ष्ठराजधानी दिल्ली के निजी स्कूलों में शैक्षणिक सत्र 2023-24 में नर्सरी, केजी और पहली में दाखिले के लिए बीते कई माह से प्रतीक्षा सूची में रखे गए विद्यार्थियों को शिक्षा निदेशालय दोबारा दाखिले का मौका दे रहा है।

निदेशालय ने निजी स्कूलों में आवेदन करने वाले आर्थिक रुप से पिछड़ा वर्ग (ईडब्ल्यूएस) और वंचित समूह (डीजी) के सभी विद्यार्थी, जो प्रतीक्षा में हैं उनसे फिर से दाखिले के लिए आवेदन करने को कहा है।

कब तक कर सकते हैं आवेदन?

अभिभावक 20 अक्टूबर से 26 अक्टूबर शाम पांच बजे तक दोबारा आवेदन कर सकते हैं। उसके बाद कंप्यूटराइज्ड ड्रा शुरू किया जाएगा और विद्यार्थियों को उनके चयनित विकल्प के आधार पर स्कूल आवंटित किए जाएंगे।

आईजीएनसीए की फिल्म 'लुकिंग फॉर चल्लन' को मिला प्रतिष्ठित राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार

नई दिल्ली। इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र न्यास (आईजीएनसीए) की फिल्म ‘लुकिंग फॉर चल्लन’ को मंगलवार को यहां ‘सर्वश्रेष्ठ खोजी (इन्वेस्टिगेटिव) फिल्म ‘ श्रेणी में वर्ष 2021 के लिए राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार प्रदान किया गया।&lsquo राजधानी में आयोजित समारोह में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने 69वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कारों के विजेताओं को सम्मानित किया। &lsquo आईजीएनसीए की ओर से यह पुरस्कार केंद्र के सदस्य सचिव डॉ सच्चिदानंद जोशी और फिल्म के निर्देशक बप्पा रे ने ग्रहण किया। पुरस्कार के अंतर्गत प्रशस्ति पत्र, रजत कमल और 50 हजार रुपये का नकद पुरस्कार फिल्म के निर्माता,निर्देशक और

आईजीएनसीए को प्रदान किया गया। &lsquo डॉ जोशी ने कहा कि राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार में सर्वश्रेष्ठ खोजी फिल्म के रूप में ‘लुकिंग फॉर चल्लन&lsquo को मिली मान्यता टीम के अटूट समर्पण और सहयोगात्मक भावना का प्रमाण है।&lsquo फिल्म के निर्देशक बप्पा रे ने कहा कि फिल्म की यात्रा किसी सम्मान से कम नहीं है।‘ उन्होंने कहा, &lsquo यह सम्मान अनदेखी कहानियों को उजागर करने के उनके जुनून को और प्रज्वलित करेगी। ‘rdquo; &lsquo उन्होंने कहा कि ‘लुकिंग फॉर चल्लन’ फिल्म के बनाने का उद्देश्य समाज के लोगों को एकसाथ लाना, अपनी संस्कृति का उत्सव मनाने और परिवर्तन के आह्वान को सशक्त बनाना है।
 ‘लुकिंग फॉर चल्लन’ फिल्म केरल के नीलांबर जंगल की संस्कृति और विरासत की आकर्षक दुनिया को गहराई से उजागर करता है। यह केरल के नीलांबर वन क्षेत्र में निवास करने वाली चोलानायकन जनजातीय समुदाय की समृद्ध परम्पराओं की अनकही कहानियों पर भी प्रकाश डालता है।

'आयुर्वेद दिवस' दुनिया भर के 100 देशों में मनाया जाएगा

नई दिल्ली। धनवंतीनगर जयंती के अवसर पर आयुर्वेद दिवस इस वर्ष दुनिया भर के लगभग 100 देशों में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मनाया जाएगा।

आयुष मंत्रालय ने 11 नवंबर को धन्वंतरि जयंती के अवसर पर मनाए जाने वाले 'आयुर्वेद दिवस' के सफल आयोजन के लिए विभिन्न मंत्रालयों की एक बैठक बुलाई। आयुष मंत्रालय के सचिव वैद्य राजेश कोटेचा ने बैठक की अध्यक्षता करते हुए कहा कि आयुर्वेद दिवस सभी मंत्रालयों के परस?पर सहयोग और सहायता से एक राष्ट्रीय कार्यक्रम के रूप में आयोजित किया जाना चाहिए।

श्री कोटेचा ने कहा कि' एक स्वास्थ्य के लिए आयुर्वेद' की मुख्य धारा पर 'आयुर्वेद दिवस' एक वैश्विक कार्यक्रम होगा।

बैठक में विभिन्न मंत्रालयों के प्रतिनिधि अधिकारियों ने 'आयुर्वेद दिवस' को सफल बनाने के लिए आयुष मंत्रालय के साथ अपने विचार साझा किए। मुख्य रूप से

गृह, संस्कृति, विदेश, जनजातीय, जल संसाधन, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग, सीएसआईआर आदि मंत्रालयों और विभागों ने अपने विचार साझा किए और कहा कि डिजिटल प्रौद्योगिकी की शक्ति का उपयोग करके और विभिन्न सहभागितापूर्ण गतिविधियों को संगठित कर 'आयुर्वेद दिवस' को एक वैश्विक उत्सव बनाया जाना चाहिए। 'आयुर्वेद दिवस' को सफल बनाने के लिए सभी मंत्रालयों ने आयुष मंत्रालय के साथ अपनी-अपनी भागीदारी के बारे में चर्चा की।आयुष सचिव ने कहा कि 'प्रतिदिन सभी के लिए आयुर्वेद' के संदेश के साथ आयुर्वेद दिवस के तीन मुख्य बिंदुओं 'छात्रों के लिए आयुर्वेद, किसानों के लिए आयुर्वेद, सार्वजनिक स्वास्थ्य के लिए आयुर्वेद' पर ध्यान केंद्रित करना होगा।आयुर्वेद दिवस का उद्देश्य आयुर्वेद का अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रचार और प्रसार करना तथा मानव जाति, पशुओं, पौधों और पर्यावरण के कल्याण के लिए इसे वैश्विक परिदृश्य में स्थापित करना है।

सरकारी योजनाओं से शहरों की बदल रही है तस्वीर:पुरी

नई दिल्ली। केन्द्रीय आवास एवं शहरी विकास मंत्री हरदीप पुरी ने कहा है कि मोदी सरकार के सत्ता में आने के बाद से शहरों के विकास के लिए अनेक ऐसे कार्य हुए हैं जिससे शहरी क्षेत्र की तस्वीर बदलने लगी है। श्री पुरी ने जनागृह संस्था की ओर से यहां आयोजित एक कार्यक्रम में कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) , स्वच्छ भारत मिशन , स्मार्ट सिटी योजना , मेट्रो ट्रेन और रेहड़ी-पटरी वाले के लिए स्वनिधि आदि योजनायें सफलतापूर्वक क्रियान्वित की जा रही हैं, जिससे शहरी क्षेत्रों की तस्वीर बदलती हुई दिख रही है। श्री पुरी ने कहा कि स्वच्छ भारत मिशन के परिणाम बहुत बेहतर रहे हैं और कुछ ही दिनों में कचरा निपटान के क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल कर ली जायेगी।

आतंकवाद, कट्टरवाद रोकने के लिए सहयोग बढ़ाएंगे भारत-मध्य एशियाई देश

नई दिल्ली। कज़ाखस्तान, किर्गिज़स्तान, ताजिकिस्तान, उज़्बेकिस्तान और तुर्कमेनिस्तान ने आतंकवाद और तस्करी को रोकने के लिए आपसी समन्वय बढ़ाने के इरादे का इज़हार किया और परस्पर व्यापार को बढ़ावा देने के लिए अंतर्राष्ट्रीय उत्तर-दक्षिण परिवहन गलियारे (आईएनएसटीसी) और अश्गाबात समझौते को शीघ्र अमल में लाने पर सहमति जतायी सूत्रों ने यहां जानकारी दी कि कज़ाखस्तान की राजधानी अस्ताना में भारत-मध्य एशिया सुरक्षा परिषदों के सचिवों/राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकारों की आज हुई दूसरी बैठक में ये निर्णय लिये गये। बैठक में भारत की ओर से राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल ने भाग लिया। सुरक्षा परिषदों के सचिवों/राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकारों की पहली भारत-मध्य एशिया बैठक 06 दिसंबर, 2022 को नई दिल्ली में आयोजित की गई थी उल्लेखनीय है कि ये बैठकें क्षेत्रीय सुरक्षा के मुद्दों पर चर्चा के लिए सुरक्षा परिषद के सचिवों की नियमित बैठकें आयोजित करने को लेकर 27 जनवरी 2022 को हुए पहले भारत-मध्य एशिया शिखर सम्मेलन में समझौते के अनुरूप आयोजित की जाती हैं। सूत्रों ने बताया कि इस तंत्र की दूसरी बैठक की मेजबानी कज़ाखस्तान ने की थी। बैठक में भारत गणराज्य, कज़ाखस्तान गणराज्य, किर्गिज़ गणराज्य, ताजिकिस्तान गणराज्य और उज़्बेकिस्तान गणराज्य के राष्ट्रीय सुरक्षा परिषदों के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकारों / सचिवों ने भाग लिया। तुर्कमेनिस्तान का प्रतिनिधित्व अस्ताना में उनके दूतावास द्वारा किया गया था। सूत्रों के अनुसार श्री डोभाल ने भारत और मध्य एशियाई देशों के बीच राजनीतिक, व्यापार, अर्थव्यवस्था, सुरक्षा और रक्षा क्षेत्र सहित संबंध आपसी विश्वास, समझ और मित्रता पर आधारित बहुआयामी और पारस्परिक रूप से लाभप्रद संबंधों के बारे में चर्चा की।

लॉयड ग्रुप ऑफ मैनेजमेंट एंड टेक्नोलॉजी में शिक्षा मंत्रालय के निर्देशन से विशेष अभियान 3.0 के अनुरूप 'स्वच्छता पखवाड़ा' का हुआ आयोजन

संवाददाता

गौतमबुद्धनगर। लॉयड इंस्टिट्यूट ऑफ मैनेजमेंट एंड टेक्नोलॉजी के शिक्षा शिक्षा विभाग द्वारा में शिक्षा मंत्रालय और राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद (NCTE) के निर्देशन से 'स्वच्छता पखवाड़ा' का हुआ आयोजन किया गया` स्वच्छ भारत मिशन के 9 साल के उपलक्ष्य में 15 सितंबर से 2 अक्टूबर तक स्वच्छता पखवाड़ा- स्वच्छता ही सेवा 2023 का आयोजन किया जा रहा है। विशेष अभियान 3.0 के अनुरूप, शिक्षा मंत्रालय ने स्वच्छता प्रतिज्ञा, पंच प्राण प्रतिज्ञा, स्वच्छता गतिविधियों जैसी गतिविधियों के संचालन के लिए शिक्षक शिक्षा संस्थानों टीईआई द्वारा किए गए प्रयासों की सराहना की है। इसके अलावा शिक्षा मंत्रालय ने सभी क्षेत्रीय कार्यालय के सभी टीईआई को अपने कॉलेज परिसर में कम से कम एक कंपोजिट पिट बनाने का निर्देश दिया है। जिसके अनुपालन में संकाय सदस्यों द्वारा स्वच्छता प्रतिज्ञा के अंतर्गत सामूहिक रूप से सभी जनों द्वारा प्रतिज्ञा ली गयी` ₹मैं शपथ लेता हूं कि मैं स्वयं स्वच्छता के प्रति सजग रहूंगा और उसके लिए समय दूंगा। हर वर्ष 100 घंटे यानी हर सप्ताह 2 घंटे श्रमदान करके स्वच्छता के इस संकल्प को चरितार्थ करूंगा। मैं न गंदगी करूंगा न किसी और को करने दूंगा। कम्पोस्टपिट खाद के लिए खाद्य अवशेष, यार्ड अपशिष्ट और पत्तियां को जमीन में एक गड्ढा में डालकर जैविक सामग्री डाली जाती है जो समय के साथ, ये सामग्रियां खाद में टूट जाती हैं,

जो एक समृद्ध, पोषक तत्वों से भरपूर मिट्टी का संशोधन है जिसका उपयोग बगीचों और अन्य क्षेत्रों में मिट्टी की गुणवत्ता बढ़ाने के लिए किया जा सकता है।संसथान कैंपस में स्वछता पर छात्रों एवं शिक्षकों द्वारा विशेष ध्यान दिया गया है` इस अभियान में सफाई कर्मचारियों के सार्थक प्रयास की सराहना की गयी और उनका हृदय से सम्मान किया गया` ई-कचरे के प्रबंधन के लिये छात्रों को जागरूक किया गया और कार्यशाला का आयोजन किया गया जो 'स्वच्छता पखवाड़ा' विशेष अभियान 3.0 के अनुरूप कार्य किया गया` ई-कचरा इलेक्ट्रॉनिक-अपशिष्ट घटक, उपभोग्य वस्तुएँ, पुर्जे और पुर्जे शामिल हैं जिसमे जहरीले पदार्थ होते हैं, जो मिट्टी और भूजल को दूषित करते हैं और जीवन तथा स्वास्थ्य को खतरा बठता है ।

संक्षिप्त डायरी

ग्रेटर नोएडा के दुजाना गांव में शुरू हुआ अनोखा यज्ञ, सैकड़ों लोगों ने दी आहुति

संवाददाता

ग्रेटर नोएडा, । ग्रेटर नोएडा क्षेत्र के दादरी कस्बे के पास स्थित दुजाना गाँव में एक अनोखा यज्ञ शुरू हो गया है। यह यज्ञ आगामी 24 अक्टूबर तक चलेगा। यज्ञ में दुजाना और आसपास के गांवों की महिलाओं समेत सैकड़ों लोगों ने आहुति दी और देश तथा विश्व की शांति और सुरक्षा की कामना की। ग्रेटर नोएडा क्षेत्र के प्रसिद्ध सामाजिक कार्यकर्ता तथा शारद दुलर्भ अखण्ड यज्ञ के संयोजक सदस्य ओमवीर सिंह आर्य एडवोकेट ने बताया कि राष्ट्र पितामह महर्षि दयानन्द सरस्वती की 200वीं जयंती पर राजार्य सभा का द्वितीय सत्यार्थ प्रकाश राष्ट्रीय महोत्सव शारद दुलर्भ यज्ञ अखिल भारतीय राजार्य सभा के तत्वावधान में कामना पूर्ण करने वाला शारदा दुलर्भ अखण्ड यज्ञ का भव्य कार्यक्रम दादी सती मन्दिर ग्राम दुजाना में आयोजित किया जा रहा है। आपको बता दें कि रविवार से शुरू हुआ यह दुर्लभ यज्ञ आगामी 24 अक्टूबर, बुद्धवार तक चलेगा। कार्यक्रम के प्रथम दिन गायत्री तीर्थ यात्रा भी निकाली गई। जो गांव के दादी सति मंदिर से शुरू हुई। इस यात्रा में दुजाना गांव में सैकड़ों महिला एवं पुरुषों ने भाग लिया। यात्रा भ्रमण के दौरान ही शारद दुलर्भ यज्ञ का भव्य आयोजन मन्दिर प्रांगण में आरंभ हुआ। कार्यक्रम के अध्यक्ष रामेश्वर सरपंच चाणक्य रहें। कार्यक्रम ध्वजारोहण के साथ आरंभ हुआ। ध्वजा रोहण ओम पाल मास्टर प्रमुख पति बिसरख ब्लॉक एवं आर्य समाज के विद्वानों के कर कमलों द्वारा किया गया। कार्यक्रम के उद्घाटन में महेंद्र सिंह आर्य राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिल भारतीय राजार्य सभा, हुकम सिंह आर्य प्रधान आर्य समाज दुजाना, ओमवीर आर्य एडवोकेट मुख्य सम्पादक दैनिक फ्यूचर लाइन टाईम्स हिंदी समाचार पत्र, स्वामी चितेश्वरानन्द, स्वामी कर्मवीर, डॉ. सुरेन्द्र कुमार, लेखक विशुद्ध मनुस्मृति डॉ. अन्नपूर्णा, कुमारी अंजली आर्य, देव मुनीजी, जैनेन्द्र आचार्य, करण सिंह आचार्य, महावीर शास्त्री, चन्द देव आचार्य, सोमवीर शास्त्री, ईलचन्द सिंह आर्य, मां मौजीराम, मोनू नागर भगतजी, राजकुमार आर्य, जालेन्द्र आर्य, जगवीर आर्य, लीलू आर्य, ईश्वर आर्य, चरण सिंह नेता जी, दिवाकर आर्य, सतवीर आर्य, ब्रह्म पाल नम्बरदार, यशवीर भगत, श्रीनिवास आर्य, सागर आर्य, कमल आर्य, मुलचन्द शर्मा, पंडित महेन्द्र आर्य, विजेन्द्र आर्य, गिरीश मुनी, उदय मुनी, यशपाल आर्य, किशन पाल आर्य, महावीर आर्य, रमेश बंसल उपस्थित रहे।

जिम्स हॉस्पिटल में नर्सिंग स्टाफ का धरना, अस्पताल पर वादाखिलाफी का आरोप

संवाददाता

ग्रेटर नोएडा,। ग्रेटर नोएडा के राजकीय आयुर्विज्ञान संस्थान (जिम्स) में नर्सिंग स्टाफ सोमवार सुबह से ही धरने पर बैठे हुए हैं। अस्पताल प्रबंधन के खिलाफ जमकर नारेबाजी भी कर रहे हैं। इनका आरोप है कि उन्होंने कोरोना महामारी में अपनी जान जोखिम में डालकर काम किया था। उसके बावजूद भी उनको परमानेंट नहीं किया जा रहा है। जिम्स अस्पताल में धरने पर बैठे नर्सिंग स्टाफ ने बताया कि उन लोगों ने कोरोना काल में अपनी जान को जोखिम में डालकर लोगों की जान बचाई थी। अपना कार्य किया था। इन लोगों ने कहा कि नर्सिंग स्टाफ को परमानेंट नहीं किया जा रहा है। जबकि, परमानेंट करने के लिए नए लोगों की भर्ती की जा रही है, जो सरासर गलत है। इन्होंने बताया कि अब हमारे साथ सौतेला व्यवहार किया जा रहा है। इसी बात को लेकर सभी नर्सिंग स्टाफ में भारी रोष है और सभी धरने पर बैठ गए हैं। जब तक हमारी मांगों को नहीं माना जाएगा, हमारा धरना लगातार चलता रहेगा। नर्सिंग स्टाफ की तरफ से कहा गया है कि अस्पताल प्रशासन ने कोरोना महामारी के बाद 25 प्रतिशत वेतन बढ़ाने की बात कही थी। लेकिन, इस बात से भी वह मुकर गए। न वेतन बढ़ा और अब तो नौकरी से निकालने की भी तैयारी की जा रही है। उन्होंने कहा कि जो भी डायरेक्टर की तरफ से कोरोना काल में हमसे वादे किए गए थे, वह सभी झूठे निकले हैं। इन्हीं मांगों को लेकर हम धरना-प्रदर्शन कर रहे हैं।

जीएल बजाज कॉलेज में सत्र 2023-24 के सात दिवसीय दीक्षा-आरम्भ कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया

संवाददाता

गौतमबुद्धनगर। नॉलेज पार्क स्थित जीएल बजाज कॉलेज में सत्र 2023-24 के सात दिवसीय दीक्षा-आरम्भ कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत दीप प्रज्जवलन के साथ हुई। कार्यक्रम में कॉलेज के सभी विभाग अध्यक्ष और अध्यापकों के द्वारा नए सत्र के विद्यार्थियों का स्वागत किया गया तथा सभी छात्रों को शिक्षण सत्र के बारें में जानकारी दी गई। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के सीनियर छात्रों और म्यूजिक क्लब ने नए छत्रों के लिए सांस्कृतिक कार्यक्रम की मनमोहक प्रस्तुति पेश की। जिस पर सभी छात्र छात्राओं ने जमकर प्रशंसा की। उसके बाद सभी छात्रों को कॉलेज के नीति, नियमों और शिक्षा प्रणाली से अवगत कराया गया। कॉलेज के निदेशक डॉङ्क मानस मिश्रा ने छात्रों से कहा कि शिक्षा के विकास के साथ-साथ आधुनिकरण पर्यावरण वातावरण और समाजवाद पर भी ध्यान देना चाहिए। उन्होंने बताया की डिजिटल इंडिया की तर्ज पर कॉलेज में कक्षाओं को डिजिटल बनाया गया है। जिसमें छात्रों को ऑनलाइन रूप से शिक्षा मिल सकेगी। उन्होंने अनुशासन और कक्षा उपस्थिति पर विशेष जोर देते हुए कहा कि दोनों ही प्रत्येक विद्यार्थी के लिए अति आवश्यक है। इन विषयों पर किसी भी प्रकार का समझौता नहीं किया जाएगा। डीन स्टूडेंट ऑफ वेलफेयर प्रोङ्क महावीर सिंह नरुका ने छात्रों को कॉलेज के सभी क्लबों और उनके द्वारा किए गये सामाजिक कार्यो के बारे में जानकारी दी। अंत में स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम (मन की शक्ति से शरीर को स्वस्थ करना) पर एम्स नई दिल्ली के न्यूरोसर्जन डॉङ्क पीङ्केङ्क झा ने विशेष व्याख्यान दिया। संस्थान के वाइस चेयरमैन पंकज अग्रवाल ने कार्यक्रम के लिए बधाई देते हुए सभी आगुन्तक छात्रों को भविष्य के लिए शुभकामनायें दीं। इस दौरान संस्थान के सभी अधिकारी गण उपस्थित रहे।

रामलीला में लक्ष्मण-परुषराम संबाद के बाद ,राजा दशरथ गुरु विशिष्ट से श्री राम को अयोध्या का राज देने के लिए आग्रह

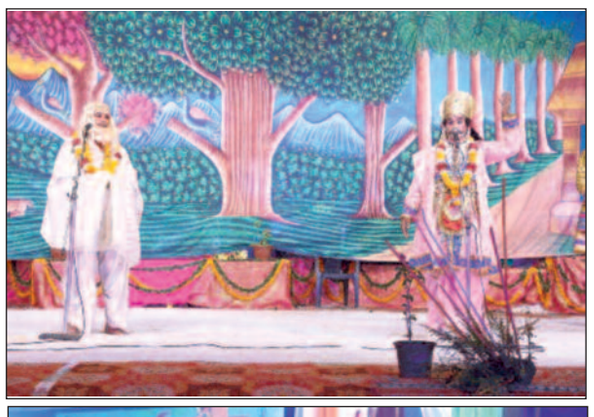

संवाददाता

गौतमबुद्धनगर । दादरी श्री अग्रसेन इण्टर कॉलेज प्रांगण में चल रही रामलीला में लक्ष्मण-परुषराम संबाद के बाद ,राजा दशरथ गुरु विशिष्ट से श्री राम को अयोध्या का राज देने के लिए आग्रह करते हैं उधर देवता गण शारदा माँ से विनती करते हैं कि दासी मंथरा की बुद्धि भ्रमित करो जिससे श्री राम वनों के लिये जाये जिससे रावण व अन्य राक्षसों का बध कर सके रानी केकई राजा दशरथ से अपने दो वरदान माँगती हैं पहले वरदान में भरत को राज्य व दूसरे में राम को चौदह वर्ष का वनवास राजा दशरथ विलाप कतरे हैं।

इस अवसर पर कमेटी के अध्यक्ष पवन बंसल महामंत्री केशव गोयल मयंक गर्ग वेदन शर्मा विकास वत्स संजीव गर्ग अंकुश गर्ग आदि मौजूद रहे । आज के यजमान श्री रिशु गोयल जी ने भगवान राम का पूजन किया।

गंदा पानी पीने को मजबूर हैं ग्रेटर नोएडा के सेक्टर डेल्टा 2 के बाशिंदें

ग्रेटर नोएडा,। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के वॉटर सप्लाई को लेकर किए जा रहे तमाम दावे फेल हो रहे हैं। हाल यह है कि ग्रेटर नोएडा के कई सेक्टरों में रहने वाले लोग गंदा और बदबूदार पानी पीने को विवश है। इसके अलावा इन सेक्टरों में पानी का प्रेशर भी बहुत कम आ रहा है। एक बाल्टी पानी भरने के लिए घंटों का समय लग जाता है। ग्रेटर नोएढा के सेक्टर डेल्टा 2 के आरडब्ल्यूए के महासचिव आलोक नागर ने बताया सेक्टर डेल्टा 2 में पिछले 15 से 20 दिनों से पानी का प्रेशर बहुत कम आ रहा है। जो पानी आ रहा है वह बहुत गंदा आ है जिसकी वजह से सेक्टर निवासियों में भारी रोष है। उन्होंने कहा कि बार बार शिकायत करने पर भी जल विभाग के अधिकारी समस्याओं की तरफ ध्यान नहीं दे रहे हैं। निरंतर समस्या आने पर स्थाई हल न ढूंढ पाना बहुत ही निराशाजनक है। आलोक नागर ने कहा कि एक ऐसी व्यवस्था या सुविधा जिसका आवंटी समय से पहले भुगतान करता है, फिर भी वह सुविधा ना मिले तो यह एक उपभोक्ता के अधिकारों का हनन और विभाग का नकारापन है। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर ऐसे ही चलता रहा तो सेक्टर जल का भुगतान नहीं करेंगे और ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण पर आंदोलन करने के लिए मजबूर होंगे। इन सोसायटियों के लोग भी हैं परेशान ग्रेटर नोएडा वेस्ट की देविका गोल्ड होम्स और निराला ग्रीनशायर सोसायटी के निवासी त्योहार के समय जगह-जगह गंदगी से परेशान हैं। देविका गोल्ड होम्स सोसाइटी में सफाई कर्मी हड़ताल पर हैं। उन्होंने मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर मदद की गुहार लगाई है। वहीं निराला ग्रीनशायर में कूड़ा निस्तारण केंद्र सही जगह न बनाने से परेशानी है। देविका गोल्ड होम्स के निवासियों ने बताया कि वेतन न मिलने के कारण सफाई कर्मचारी पिछले दस दिन से सोसाइटी में कूड़ा नहीं उठा रहे। जगह-जगह कूड़े के ढेर लगे हैं। बार-बार शिकायत के बाद भी बिल्डर सुनने को तैयार नहीं है। निवासियों ने बिल्डर और मेंटेनेंस कार्यालय में भी कूड़ा डाला पर उन पर कुछ असर नहीं हुआ। अब नवरात्र शुरू हो रहे हैं। ऐसे में गंदगी के बीच धार्मिक आयोजन करना मुश्किल हो रहा है।

कोली को बरी करने पर पीड़ितों के परिजन निराश, पर न्याय के लिए लड़ाई जारी रखेंगे

नोएडा, । उत्तर प्रदेश में गौतमबुद्ध नगर के वर्ष 2006 के कुख्यात निठारी कांड मामले के मुख्य आरोपी मोनिंदर सिंह पंढेर और सुरेंद्र कोली को विभिन्न आरोपों से बरी किए जाने के इलाहाबाद उच्च न्यायालय के फैसले से पीड़ितों के परिजन मायूस हैं। कई परिजनों का कहना है कि उनके बच्चों को 17 साल बाद भी न्याय नहीं मिला, इसलिए वे न्याय हासिल करने के लिए अब आगे की रणनीति तय करेंगे। इस हत्याकांड की शिकार महिलाओं, बच्चों और बच्चियों के ज्यादातर परिजन नोएडा छोड़कर अपने-अपने पैतृक गांव वापस जा चुके हैं और केवल चार लोग ही अब नोएडा में रह रहे हैं। निठारी गांव के रहने वाले अशोक ने कहा कि वह इस आदेश से काफी आहत हैं। मूल रूप से नोएडा के ही रहने वाले अशोक के साढ़े पांच साल के बेटे की इस कांड में कथित तौर पर हत्या कर दी गई थी। आशेक ने कहा कि आरोपी ताकतवर और पैसे वाले हैं जबकि वह गरीब हैं, इसलिए उनके साथ न्याय नहीं हुआ। इस कांड में जान गंवाने वाली एक लड़की के पिता झब्बू लाल ने कहा कि वह इलाहाबाद उच्च न्यायालय के फैसले से काफी आहत हैं। उन्होंने कहा कि सुरेंद्र कोली ने पुलिस के सामने बच्चियों की हत्या करने और उनसे बलात्कार करने की बात स्वीकार की थी। पीड़ित पप्पू का कहना है कि उच्च न्यायालय के इस फैसले से वह विचलित हैं और उन्होंने कहा कि वह न्याय की लड़ाई जारी रखेंगे। पप्पू की नाबालिग बेटी की कथित तौर पर बलात्कार के बाद हात्या कर दी गई थी। इसी तरह रामकिशन की नाबालिग बेटी की भी कथित तौर पर दुष्कर्म के बाद हत्या कर दी गई थी। रामकिशन ने कहा कि न्यायालय के आदेश की प्रतियां जब उन्हें मिलेगी तो वह अपने वकील की सहायता से इसका अध्ययन करने के बाद आगे की रणनीति तय करेंगे। निठारी कांड के पीड़ितों के लिए लंबी लड़ाई लड़ने वाले 85 वर्षी सतीश चंद्र मिश्रा उच्च न्यायालय के इस निर्णय से काफी आहत हैं। सामाजिक कार्यकर्ता मिश्रा ने केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि गरीब लोगों के साथ न्याय नहीं हुआ है। उन्होंने आरोप लगाया कि सीबीआई ने इस मामले में ठीक तरीके से पैरवी नहीं की। उन्होंने कहा कि पंढेर और सुरेंद्र कोली, दोनों ने अपना-अपना अपराध स्वीकार किया था। मिश्रा सीबीआई से इतने नाराज दिखे कि उन्होंने कहा कि किसी भी मामले की सीबीआई जांच नहीं होनी चाहिए। मिश्रा ने कहा की निठारी कांड में जिनके बच्चे मारे गए थे, वह लोग काफी गरीब हैं। उन्होंने कहा कि ज्यादातर पीड़ितों के परिजन बेरोजगार हो जाने के चलते नोएडा छोड़कर अपने-अपने पैतृक गांव जा चुके हैं। मिश्रा ने कहा कि अदालत के निर्णय के बाद निठारी कांड के पीड़ितों के परिजनों के साथ वह बैठक करके आगे की रणनीति तय करेंगे। इससे पूर्व गाजियाबाद की सीबीआई अदालत ने कोली और पंढेर पर लड़कियों से दुष्कर्म और हत्या के आरोप तय करते हुए उन्हें मृत्यु दंड की सजा सुनाई थी। कुख्यात निठारी कांड वर्ष 2005 और 2006 के बीच घटित हुआ था और तब सुर्खियों में आया जब दिसंबर, 2006 में नोएडा के निठारी स्थित एक मकान के पास नाले में मानव कंकाल पाए गए थे। मोनिंदर पंढेर उस मकान का मालिक था और कोली उसका नौकर था। बाद मे, इस मामले की जांच कर रही सीबीआई ने सुरेंद्र कोली के खिलाफ हत्या, अपहरण, दुष्कर्म और साक्ष्यों को नष्ट करने के लिए 16 मामलों में आरोप पत्र दाखिल किया और पंढेर के खिलाफ अनैतिक मानव तस्करी के लिए आरोप पत्र दाखिल किया था। तब नोएडा के सेक्टर 31 स्थित कोठी संख्या डी-5 में रहने वाले मोनिंदर सिंह पंढेर और उसके नौकर सुरेंद्र कोली पर नौ बच्चियों, दो बच्चों और पांच महिलाओं को घर में बुलाकर यौन शोषण करने तथा उनकी हत्या कर शव को टुकड़े-टुकड़े कर नाले में बहाने का आरोप लगा था।

सिविल डिफेंस वालंटियर्स की नौकरी जाने के लिए केजरीवाल जिम्मेदार : बिधूड़ी

संवाददाता

नई दिल्ली, । दिल्ली विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष रामवीर सिंह बिधूड़ी ने राजधानी में दस हजार सिविल डिफेंस वालंटियर्स की नौकरी पर आए खतरे के लिए केजरीवाल सरकार को सीधे तौर पर जिम्मेदार ठहराया है। उन्होंने कहा है कि सरकार ने खुद ही इन वालंटियर्स को नौकरी पर रखा और अब खुद ही यह कहकर इन्हें निकाल रही है कि इनकी भर्ती में नियम-कायदों का उल्लंघन हुआ है। बिधूड़ी ने कहा कि दिल्ली में कर्मचारियों को लेकर सरकार की गलत नीतियों के कारण अराजकता जैसी स्थिति पैदा हो गई है। डीटीसी के पूर्व कर्मचारियों को चार महीने से पेंशन नहीं दी जा रही। स्कूलों के शिक्षक भी ड्यूटी न मिलने के कारण सड़कों पर धरने दे रहे हैं। बिधूड़ी ने कहा कि पिछले सालों में दिल्ली में 10, 792 सिविल डिफेंस वालंटियर्स को सरकार ने भर्ती कर लिया। अब सरकार यह कह रही है कि इनकी नियुक्ति सिविल डिफेंस एक्ट 1968 के अनुसार नहीं हो पाई। अब मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने खुद ही इन सभी सिविल डिफेंस कर्मचारियों की अक्टूबर के अंत से नौकरी खत्म करने की सिफारिश कर दी है। इससे पता चलता है कि आम आदमी पार्टी किस तरह मनमाने तरीके से काम कर रही है। मुख्यमंत्री केजरीवाल को अब यह स्वीकार करना होगा इन 10 हजार से ज्यादा लोगों के कैरियर से खिलवाड़ करने के लिए वह स्वयं जिम्मेदार हैं। इनमें से बहुत-से लोग अब सरकारी नौकरी में ओवरएज हो चुके होंगे तथा कहीं और काम करने योग्य भी नहीं रह गए। बिधूड़ी ने कहा कि इस साल अप्रैल से इन कर्मचारियों को वेतन भी नहीं दिया जा रहा। बिधूड़ी ने कहा कि एसएसए टीचर्स भी ड्यूटी न मिलने के कारण सड़कों पर आन्दोलन कर रहे हैं। इन्हें गेस्ट टीचर्स बनाया गया था लेकिन अब नौकरी से निकाला जा रहा है। इस तरह दिल्ली में कर्मचारियों के लिए यह सरकार अराजकता की स्थिति पैदा कर रही है। उन्होंने उपराज्यपाल महोदय से अनुरोध किया है कि वह स्थिति में हस्तक्षेप करें ताकि हजारों कर्मचारियों के सामने आई रोजी-रोटी की समस्या का कोई हलनिकाला जा सके।

आईजीयू में ई-वेस्ट और प्रेस की स्वतंत्रता विषय पर प्रतियोगिता का आयोजन

रेवाड़ी। इंदिरा गांधी विश्वविद्यालय, मीरपुर, रेवाड़ी के विधि विभाग द्वारा ई-वेस्ट और प्रेस की स्वतंत्रता विषय पर एक प्रतियोगिता आयोजित की गई जिसमें छात्रों ने ई-वेस्ट व प्रेस की स्वतंत्रता के नए-नए पहलुओं के बारे में जानकारी दी। द्वितीय वर्ष से मनीषा, तृतीय वर्ष से नीरज व हितेश ने ई-वेस्ट से पृथ्वी पर बढ़ रहे कचरे और इसके निदान के बारे में विधि के विद्यार्थियों को अवगत कराया। कार्यक्रम में डॉ. संदीप ने भी विद्यार्थियों को ई-वेस्ट के संबंध में बारीकी से जानकारियां दी। डॉ. हेमन्त ने मंच का संचालन करते हुए ई-वेस्ट व प्रेस की स्वतंत्रता के बारे में धरातल पर हो रही गतिविधियों के बारे में बताया। विधि विभाग के अध्यक्ष डॉ. रविंद्र ने कहा कि इस प्रकार की गतिविधियों के द्वारा विद्यार्थियों को निरंतर सीखने को मिलता है। उन्होंने प्रतियोगिता में विजेताओं को पुरस्कार देकर सम्मानित किया व उपस्थित छात्रों को इस तरह के कार्यक्रम में बढ़-चढ़कर भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया एवं सभी अध्यापकगणों का धन्यवाद किया। इस अवसर पर डॉ. अरविंद, डॉ. सुमित, डॉ. अनिल डागर, मिस स्मृति सहित सभी विद्यार्थी उपस्थित रहे।

चेतन सिंह जौड़ामाजरा द्वारा बाग़बानी विभाग को मज़बूत करने के लिए 336 पदों पर भर्ती प्रक्रिया आरंभ करने के निर्देश

कहा, विभाग की मज़बूती से राज्य में फ़सलीय विविधता को तीव्र ढंग से किया जा सकेगा प्रोत्साहित

चंडीगढ़ -पंजाब के बाग़बानी मंत्री स. चेतन सिंह जौड़ामाजरा ने आज कहा कि राज्य में फ़सलीय विविधता को और तीव्र ढंग से प्रोत्साहित करने के लिए विभाग को मज़बूत करने की ओर कदम बढ़ाते हुए 111 बाग़बानी विकास अफ़सरों समेत कुल 336 विभिन्न पदों पर जल्दी भर्ती की जाएगी। पंजाब सिविल सचिवालय स्थित अपने दफ़्तर में विभाग की प्रगति की समीक्षा और किसानों के लिए फ़सलीय विविधता की योजनाबंदी करने सम्बन्धी विस्तृत बैठक की अध्यक्षता करते हुए स. जौड़ामाजरा ने अधिकारियों को हिदायत की कि वह वित्त विभाग के साथ विचार-विमर्श करने के उपरांत विभिन्न पदों की भर्ती के लिए पंजाब लोक सेवा आयोग और पंजाब अधीनस्थ सेवा चयन बोर्ड को तुरंत केस बनाकर भेजें।

कैबिनेट मंत्री ने कहा कि विभाग में बाग़बानी विकास अफसरों के 111, बेलदारों/मालियों के 217 और चौकीदारों के 8 पद खाली हैं, जिनको भरने से जहाँ विभाग का काम सुचारू ढंग से चल सकेगा, वहीं किसानों को भी रिवायती फ़सलीय चक्र से निकालने के लिए जागरूकता मुहिम बढ़िया ढंग से चलाई जा सकेगी। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि इसके अलावा अन्य तकनीकी स्टाफ जैसे हॉर्टिकल्चर टैक्निकल एसिस्टेंट, सब-इंस्पेक्टर, क्लर्क और डेटा एंट्री ऑपरेटरों की पैस्को के द्वारा भर्ती करने सम्बन्धी प्रक्रिया भी अमल में लाई जाए। विभाग में ज्वाइंट डायरैक्टर, डिप्टी डायरैक्टर और सहायक डायरैक्टर की तरक्कियों सम्बन्धी कार्यवाही तेज़ करने की हिदायत करते हुए स. चेतन सिंह जौड़ामाजरा ने कहा कि विभाग के अन्य पदों के सेवा नियमों की समयबद्ध तरीके से री-स्ट्रक्चरिंग सुनिश्चित बनाई जाए और राज्य भर में जहाँ बाग़बानी के दफ़्तर नहीं हैं, वहां दफ़्तर बनाए जाएँ और ख़स्ता हाल दफ्तरों के नवीनीकरण समेत सभी ब्लॉक/ तहसील स्तर के दफ्तरों में ज़रुरी उपकरण सुनिश्चित बनाए जाएँ।

विभाग की कार्यकुशलता बढ़ाने और ऑनलाइन सेवाएं अपनाने के लिए कैबिनेट मंत्री ने ई-बाग़बानी मोबाइल ऐप और बाग़बानी को प्रफुल्लित करने के लिए सुझाव मांगने के लिए मोबाइल हेल्पलाइन नंबर लॉन्च करने सम्बन्धी प्रक्रिया भी तेज़ करने के लिए कहा। उन्होंने कहा कि विभाग में सूचना प्रौद्योगिकी सम्बन्धी जानकारी और सहूलियत के लिए प्रयास किए जाएँ ताकि विभाग नवीनतम कंप्यूटर आधारित प्रौद्योगिकी में आगे बढ़ सके।

बैठक के दौरान कैबिनेट मंत्री ने जहाँ पिछले तीन सालों में सरकारी नर्सरियों में तैयार किए गए पौधों, ख़र्च और आमदन का जायज़ा लिया, वहीं अधिकारियों को राज्य में फसली विविधता लाने हेतु किसानों के लिए फ़ायदेमंद केंद्रीय सहायता प्राप्त योजनाओं को भी अधिक से अधिक संख्या में राज्य में लागू करने सम्बन्धी योजना बनाने के लिए कहा। उन्होंने कहा कि बाग़बानी विकास सेंटर/इनक्यूबेशन सैंटर और सब-सैंटर बनाने से राज्य की तरक्की में अहम योगदान डाला जा सकता है, इसलिए इस क्षेत्र के लिए भी योजना तैयार की जाए। बैठक के दौरान अतिरिक्त मुख्य सचिव श्री के.ए.पी. सिन्हा, विशेष सचिव बाग़बानी श्री श्याम अग्रवाल, डायरैक्टर बाग़बानी श्रीमति शैलेंदर कौर और अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

खेल-खेल में हाथ धोना सीखेंगे स्कूली बच्चे

करनाल। प्रदेश सरकार की ओर से स्वच्छता को बढ़ावा देने के लिए सरकारी स्कूलों में बच्चों को खेल-खेल में हाथ धोने के बारे में सिखाया जाएगा। 15 अक्तूबर से इसकी शुरुआत हो चुकी है। जिसमें सभी जिले कवर किए जाऐंगे। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य जहां हाथ धोने की आदत को बढ़ावा देना है वहीं बच्चों को कीटाणुओं से होने वाली बीमारी से बचाना भी है। अक्सर देखने में आया है कि कोरोना काल के बाद साबुन से हाथ धोने की आदत में कमी आई है। इसलिए अब इसे नए तरीके से शुरू किया जा रहा है। इसके लिए प्रदेश सरकार ने लाइफबॉय साबुन व टॉय निर्माता इमैजिमेक के साथ भागीदारी की है। जिससे बच्चों को शिक्षित किया जाएगा और खेल के मजे को हाथों की स्वच्छता के आवश्यक अभ्यास से जोड़ा जाएगा। इस पहले को आगे बढ़ाते हुए हिन्दुस्तान यूनिलिवर ब्यूटी एंड पर्सनल केयर के एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर मधुसूदन राव व इमैजिमेक की सह-संस्थापक दिशा काथरानी ने बताया कि स्कूलों में पुराने बोर्डगेम्स को जो नयापन दिया गया है, उसमें हाथ धोने की प्रक्रिया को मजेदार, रोमांचक तथा रोजाना के खेल का हिस्सा बनाता है। यह खेल दिलचस्प और संवादपरक समाधान देते हैं, ताकि बच्चों को हाथों की स्वच्छता के लगातार सही अभ्यास के लिये शिक्षित किया जा सके। इस पहल को हरियाणा सरकार से महत्वपूर्ण समर्थन मिला है। यह गेम्स इन राज्यों के शासकीय स्कूलों में विद्यार्थियों के लिये उपलब्ध होंगे और उम्मीद है कि क्षेत्र में 75,000 से ज्यादा बच्चे साबुन से हाथ धोने की आदत डालने और स्वस्थ जीवन जीने के लिये प्रोत्साहित होंगे।

बाल भवन में जिला स्तर पर विभिन्न प्रतियोगिताओं का किया आयोजन

करनाल। जिला बाल कल्याण अधिकारी विश्वास मलिक ने बताया कि बाल भवन में जिला स्तर पर विभिन्न प्रकार की प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया जैसेः डिक्लेमेशन, ग्रुप डांस, सोलो सोंग, देशभक्ति ग्रुप सोंग, सोलो डांस, क्ले मॉडलिंग एवं कार्ड मेकिंग आदि का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ सांसद संजय भाटिया की धर्मपत्नी एवं समाज सेविका अंजू भाटिया ने दीप प्रज्वलित करके किया। उन्होंने प्रतियोगिताओं में भाग लेने वाले सभी बच्चों को अपना आशीर्वाद व शुभकामनाएं दी तथा ज्यादा से ज्यादा बच्चों को प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया। जिला बाल कल्याण अधिकारी ने बताया कि आज सभी प्रतियोगिताओं में लगभग 800 बच्चों ने भाग लिया। उन्होंने बताया कि इन प्रतियोगिताओं में कक्षा अनुसार चार ग्रुप बनाए गए हैं जिसमें कक्षा एक से पांचवीं तक प्रथम ग्रुप, कक्षा छः से आठवीं तक द्वितीय ग्रुप, 9 से 10वीं तक का तृतीय ग्रुप और कक्षा 11वीं तथा 12वीं के बच्चे चतुर्थ ग्रुप में भाग लेंगे। उन्होंने बताया कि जिला स्तर पर होने वाली प्रतियोगिताओं में प्रथम और द्वितीय स्थान हासिल करने वाले बच्चे आगे मंडल- स्तरीय प्रतियोगिताओं में भाग ले सकेंगे तथा 26 अक्टूबर से 30 अक्टूबर 2023 तक मंडलीय स्तर की प्रतियोगिताएँ करवाई जायेंगी। मंडलीय स्तर की प्रतियोगिताओं में सोलो डांस, ग्रुप डांस, सोलो सोंग, ग्रुप सोंग, सोलो क्लासिकल डांस, क्रिज व वन एक्ट प्ले/थिएटर प्ले प्रतियोगिताओं में प्रथम व द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाले बच्चें राज्य स्तरीय प्रतियोगिताओं में भाग लेंगे। इसके अतिरिक्त अन्य सभी प्रतियोगिताओं में भाग लेने वाले प्रथम व द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाले बच्चें राज्य स्तरीय प्रतियोगिताओं में भाग लेंगे। उन्होंने बताया कि प्रतियोगिताओं का परिणाम अधिकारिक वेबसाइट पर देख सकते हैं। इस मौके पर रेडक्रॉस सोसाइटी सचिव कुलबीर मलिक, कार्यक्रम अधिकारी सुमन शर्मा व सभी सम्मानित निर्णायक मंडल सदस्य एवं बाल भवन का समस्त स्टाफ उपस्थित रहा।

उपायुक्त ने समन्वय एवं निगरानी कमेटी की बैठक में की सरकारी योजनाओं की समीक्षा

पानीपत। ग्रामीण व शहरी क्षेत्र में विकास को लेकर राज्य सरकार द्वारा संचालित की जा रही विभिन्न महत्त्वकांक्षी योजनाओं की प्रगति रिपोर्ट जानने को लेकर मंगलवार को जिला सचिवालय में विकास समन्वय एवं निगरानी कमेटी की महत्त्वपूर्ण बैठक उपायुक्त डॉ.वीरेंद्र कुमार दहिया की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। बैठक में उपायुक्त ने अधिकरियों को विभिन्न विभागों में संचालित की जा रही योजनाओं को अतिशीघ्रता से पूरा करने व और गति प्रदान करने के निर्देश दिये। बैठक में 26 सूत्रीय एजेंडे पर विस्तार से विचार विमर्श किया गया। उपायुक्त ने सख्ती बरतते हुए कहा की जो अधिकारी समय पर बैठकों में नहीं पहुंचते उनके विरूद्ध कार्यवाही की जायेगी। बैठक में उपायुक्त ने विभागों के अध्यक्षों को कार्यों की प्रगति रिपोर्ट को निरंतर अपडेट करने के भी निर्देश दिये। उपायुक्त ने बताया कि हमें जो जिम्मदारी सरकार द्वारा दी गई है उसका हमें ईमानदारी से अपना कार्य समझ कर करना चाहिये। इससे जनता के मध्य सरकार का भरोसा बना रहता है व प्रशासन के प्रति भी जनता आस्था प्रकट करती है। उपायुक्त ने समन्वय एवं निगरानी कमेटी की बैठक में मुख्य रूप से अधिकारियों से योजनाओं की प्रगति रिपार्ट पर चर्चा की। बैठक में अतिरिक्त उपायुक्त वीना हुड्डा, जिला परिषद के कार्याकारी अधिकारी विवेक चौधरी,जिला शिक्षा अधिकारी कुलदीप दहिया,कृषि एवं किसान

मनरेगा,स्वच्छ भारत मिशन, दीन दयाल ग्रामीण कौशल योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना, नैशनल हैल्थ मिशन,समग्र शिक्षा, प्रधानमंत्री उज्जवला योजना, प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना,दीन दयाल उपाध्याय ग्राम ज्योति योजना, प्रधानमंत्री ग्राम सडक़ योजना आदि की वर्तमान स्थिति पर प्रकाश डाला व कल्याण विभाग के उप निदेशक आदित्य चौधरी, पशुपालन विभाग के उप निदेशक संजय आंतिल,डीडीपीओ सुमित चौधरी, पंचायत विभाग के कार्यकारी अभियंता प्रदीप, बीडीपीओ रितु लाठर, विवेक , शक्ति सिंह, आईटीआई के प्रिंसीपल डॉ. कृष्ण आदि मौजूद थे।

योग को जीवन में अपनाएंगे तो बीमारियां रहेंगी दूर : शमशेर नैन

करनाल। पतंजलि योग समिति करनाल एवं भारत स्वाभिमान ट्रस्ट करनाल के अध्यक्ष सोम अरोड़ा के दिशा निर्देश में चलाई जा रही दिव्य योग कक्षा सेवा समिति आश्रम अर्जुन गेट करनाल में मंगलवार को साधकों को योग के माध्यम से स्वस्थ रहने के गुर सिखाए गए। एडवाकेट शमशेर नैन ने कहा कि यदि हम योग को अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाएंगे तो बीमारियां हमसे कोसों दूर रहेंगी। वर्तमान समय में चिकित्सक भी लोगों को स्वस्थ रहने के लिए योग करने की सलाह देते हैं। दैनिक जीवन में योग का महत्व बढ़ गया है। स्वास्थ्य ही हमारा प्रमुख धन है। योग शिक्षक उमा नरूला ने कहा कि शरीर और मन दोनों को सेहतमंद बनाए रखने के लिए नियमित रूप से दिनचर्या में योगासनों को शामिल करके लाभ प्राप्त किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि योगासन, शरीर में ऊर्जा के स्तर को बढ़ावा देने के साथ मन को शांत करते हैं। ज्योति शर्मा ने कहा कि जीवन की गुणवत्ता को बढ़ाने के लिए योगासनों का नियमित अभ्यास आपके लिए काफी मददगार हो सकता है। योग का अभ्यास शरीर, श्वास और मन को जोड़ता है। इस अवसर पर अशोक नारंग, सविता नारंग, कमल चोपड़ा, पूर्ण चंद, अंजू अरोड़ा, दया, दविंद्र चौधरी, पूनम निझावन, नीरू गुप्ता, गुरदयाल सिंह, वंशिका, भारती, रिंपी खरबंदा, सुरेंद्र नारंग, जितेंद्र गुप्ता, लक्ष्मी चोपड़ा, किरण बाला, रेनु गोयल, रामलाल गोयल, दीनानाथ भाटिया, ज्योति गुलाटी, आशा गाबा, कविता, मधु बाला, मंजू शर्मा, नेहा, संतोष कथूरिया व वंदना आदि मौजूद रहे।

5 नवंबर को कुरुक्षेत्र लोकसभा की रैली शाहाबाद में करेगी जेजेपी - उपमुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला

चंडीगढ़। जननायक जनता पार्टी 20 अक्टूबर से लेकर 30 नवंबर तक प्रदेशभर में सदस्यता अभियान चलाएगी। इस सवा महीने चलने वाले सदस्यता अभियान के जरिए जेजेपी ने पांच लाख नए सदस्य बनाने का लक्ष्य रखा है। पंचकुला में जेजेपी की हुई एक महत्वपूर्ण बैठक में पार्टी ने सदस्यता अभियान, संगठन विस्तार, संगठन मजबूती, राजस्थान चुनाव, लोकसभा चुनाव तैयारी सहित कई विषयों पर विस्तारपूर्वक चर्चा की। बैठक में उपमुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला ने कहा कि जेजेपी पदाधिकारी 15 नवंबर तक संगठन निर्माण के कार्य को पूरा करें। उन्होंने कहा कि 30 अक्टूबर तक सभी जिलों और 15 नवंबर तक सभी हलकों में संगठन का गठन हो जाना चाहिए। दुष्यंत चौटाला ने कहा कि पार्टी की स्थापना के बाद जेजेपी तीसरी बार पुनर्गठन कर रही है। उन्होंने कहा कि पार्टी में मेहनती कार्यकर्ताओं को नई जिम्मेदारियां मिलने से जेजेपी का संगठन मजबूत बना है। लोकसभा चुनाव की तैयारियों को लेकर चुनाव के लिए पदाधिकारियों की ड्यूटी लगाने बारे आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने सीकर में हुई जेजेपी की सफल रैली के लिए पार्टी

उपमुख्यमंत्री ने कहा कि जेजेपी ने अब तक सोनीपत, फरीदाबाद और भिवानी-महेंद्रगढ़ लोकसभा क्षेत्र में सफल रैलियां की है। उन्होंने कहा कि पांच नवंबर को कुरुक्षेत्र लोकसभा क्षेत्र की रैली विधायक रामकरण काला के विधानसभा क्षेत्र शाहाबाद में की जाएगी। डिप्टी सीएम दुष्यंत चौटाला ने राजस्थान विधानसभा पदाधिकारियों को बधाई दी और कहा कि पार्टी कार्यकर्ताओं ने सीकर में ऐतिहासिक रैली करके यह दर्शाया है कि जेजेपी देश के किसी भी कोने में बड़ा आयोजन करने की क्षमता रखती है। डिप्टी सीएम ने कहा कि जेजेपी राजस्थान में 25 से 30 विधानसभा सीटों पर चुनाव लड़ने की तैयारी कर रही है। दुष्यंत चौटाला ने कहा कि वहां जल्द प्रत्याशियों की प्रथम सूची जारी कर दी जाएगी। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में उम्मीदवारों की चुनाव की तैयारी में मदद के लिए पार्टी पदाधिकारियों की वहां जिम्मेदारियां लगाई जाएगी। बैठक में जेजेपी प्रदेश अध्यक्ष सरदार निशान सिंह ने भी पार्टी पदाधिकारियों को संगठन मजबूती बारे आवश्यक दिशा-निर्देश दिए और कहा कि पदाधिकारी पार्टी के प्रचार-प्रसार पर जोर दें। उन्होंने कहा कि पदाधिकारी पार्टी की नीतियों को जन-जन तक पहुंचाएं। डिप्टी सीएम दुष्यंत चौटाला ने सभी नवनियुक्त हलका अध्यक्षों को नियुक्ति पत्र सौंपे और उन्हें शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर राष्ट्रीय संगठन सचिव एवं चेयरमैन राजेंद्र लितानी, राज्य मंत्री अनूप धानक, चेयरमैन एवं विधायक रामकरण, विधायक जोगीराम सिहाग, चेयरमैन रणधीर सिंह, चेयरमैन मोहसिन चौधरी।

बाल विवाह के खिलाफ स्कूली बच्चों ने निकाली जागरूकता रैली

पुन्हाना। जिले के राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय नीमका के छात्र-छात्राओं ने मंगलवार को बाल विवाह मुक्त भारत अभियान को लेकर रैली निकाली। रैली में छात्र-छात्राएं हाथों में पोस्टर और बैनर लेकर गांव की गलियों में चले। जिसमें बाल विवाह मुक्त हो भारत के नारे लिखे हुए थे। रैली निकालकर विद्यार्थियों ने ग्रामीणों व अभिभावकों को बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ के साथ बाल विवाह नहीं करने के लिए जागरूक किया। रैली मुख्य स्कूल से होकर पूरे गांव में होती हुई वापस स्कूल परिसर पहुंची। बच्चों के साथ स्कूल स्टाफ शामिल रहा। स्कूल के अध्यापक जहांगीर खान ने बताया कि नोबेल शांति पुरस्कार से सम्मानित कैलाश सत्यार्थी के आवाहन पर कार्य कर रही एमडीडी ऑफ इंडिया और शक्ति वाहिनी के संयुक्त तत्वावधान में मंगलवार को स्कूली बच्चों ने बाल विवाह मुक्त भारत के लिए रैली निकाली। साथ ही उन्हें बाल विवाह नही करने को लेकर शपथ भी दिलवाई। उन्होंने कहा कि बाल विवाह के कारण बहुत से लड़के लड़कियों का जीवन बर्बाद हो जाता है। नियमानुसार 18 वर्ष से कम लड़कियां और 21 वर्ष से कम लड़कों का विवाह करना गैर कानूनी है। ऐसा करने वाले लोगों पर 2 लाख का जुर्माना और 1 साल की सजा हो सकती है। उन्होंने कहा कि यदि 18 वर्ष से कम लड़की या 21 वर्ष से कम लड़के की शादी हो रही है तो शादी में शामिल लोगों के खिलाफ भी कार्रवाई की जा सकती है। उन्होंने कहा कि विवाह के आयोजन में किसी भी रूप में शामिल पुजारी, मौलवी, हलवाई आदि भी दोषी माने जाते है। बच्चों को संबोधित करते हुए प्रधानाचार्य ने कहा कि अगर नाबालिग की शादी हो रही है तो पुलिस को डायल 112 नंबर और चाइल्ड हेल्पलाइन के 1098 नंबर पर सूचना दी जा सकती है। सूचना देने वाले की पहचान गुप्त रखी जाएगी।

अखिल भारतीय सैनिक स्कूल राष्ट्रीय खेल-2023 का समापन

करनाल। मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने कहा कि हरियाणा के दूसरे जिलों में भी पब्लिक प्राईवेट पार्टनरशिप (पीपीपी) मोड में सैनिक स्कूल खोले जायेंगे। इससे हरियाणा के युवाओं की सेना में भागीदारी बढ़ेगी और बड़ी संख्या में अग्निवीर तैयार होंगे। उन्होंने कुंजपुरा के सैनिक स्कूल को आधारभूत ढांचे के लिए 10 करोड़ की ग्रांट देने की घोषणा की। मुख्यमंत्री आज कुंजपुरा के सैनिक स्कूल में आयोजित अखिल भारतीय सैनिक स्कूल राष्ट्रीय खेल-2023 के समापन समारोह में बतौर मुख्य अतिथि बोल रहे थे।

मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने कहा कि हरियाणा में पहली बार अखिल भारतीय सैनिक स्कूल राष्ट्रीय खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया है। यह गर्व की बात है। इस प्रतियोगिता के आयोजन से प्रतिभागी खिलाडिय़ों में से कई को राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं के लिए चयन का मौका मिलेगा। उन्होंने कहा कि यहां आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं में देश के विभिन्न सैनिक स्कूलों के 650 खिलाडिय़ों ने हिस्सा लिया। खेल हमें अनुशासन, दृढ़ निश्चयी होना सिखाते हैं। खेल प्रतियोगिताओं से खिलाडिय़ों को अपनी दक्षता और क्षमता साबित करने का मौका मिलता है। साथ ही एक-दूसरे की भावनाओं, मान्यताओं, रहन-सहन आदि की जानकारी मिलती है, जिससे राष्ट्रीय एकता को मजबूती मिलती है।

उन्होंने कहा कि पहली बार इन प्रतियोगिताओं में गर्ल्स कैडेट्स ने भी भाग लिया जो नारी सशक्तिकरण का पर्याय है। यह बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ की भावना को भी चरितार्थ करता है। प्रधानमंत्री ने 2015 में हरियाणा से ही बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ का नारा दिया था। प्रधानमंत्री की प्रेरणा से बेटियों को भी तीन साल पहले सैनिक स्कूलों में दाखिला मिलना शुरू हुआ। आज हर क्षेत्र में लड़कियां बुलंदियों के झंडे गाड़ रही हैं। उन्होंने उम्मीद जताई कि यहां से खिलाड़ी नई प्रेरणा लेकर जायेंगे। मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने कहा कि सरकार ने हरियाणा को स्पोर्टस पॉवर हाउस बनाने के लिये खेल संस्कृति को विकसित किया है। ग्राम से लेकर राज्य स्तर तक खेलों का बेहतरीन इंफ्रास्ट्रक्चर तैयार किया गया है। हरियाणा में जय जवान, जय किसान के साथ-साथ जय पहलवान के नारे को भी सार्थक किया है। उन्होंने कहा कि जवान, किसान और पहलवान तीनों धाकड़ हैं।

मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने कहा कि हाल ही में चीन में आयोजित 19वें एशियाई खेलों में हरियाणा के खिलाडिय़ों ने 107 में से 30 पदक जीते हैं जोकि हरियाणा प्रदेश के लिए गौरव की बात है। उन्होंने कहा कि हरियाणा खेलों का हब बन चुका है, खेल खिलाड़ी हरियाणा का अटूट संबंध है। उन्होंने कहा कि देश में सैनिक स्कूलों की स्थापना 1961 से की गई। तब से एनडीए, आईएमए, ओटीए, आईएएनए, एएफए और अन्य प्रतिष्ठित रक्षा संस्थानों में कैडेटों को शामिल करने में सराहनीय योगदान दे रहे हैं। खुशी की बात यह कि सैनिक स्कूल सैन्य प्रशिक्षण के साथ-साथ न केवल अच्छी शिक्षा प्रदान कर रहे हैं बल्कि विद्यार्थियों के चहुंमुखी विकास को भी सुनिश्चित कर रहे हैं। इन स्कूलों से शिक्षा प्राप्त विद्यार्थियों ने भारतीय प्रशासनिक सेवाओं, न्यायपालिका,

चिकित्सा, इंजीनियरिंग सेवाओं के साथ-साथ राजनीति में भी नाम कमाया है।

मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने कहा कि हरियाणा को सैनिकों की खान कहा जाता है। सेना में भर्ती होने वाला हर 10वां जवान हरियाणा से है। वर्ष 2008 में रेवाड़ी जिला में दूसरा सैनिक स्कूल खोला गया। झज्जर के मातनहेल में भी सैनिक स्कूल खोलने जा रहे हैं। इसके लिये 2021 में 61 एकड़ जमीन दी जा चुकी है। उन्होंने खिलाडिय़ों से कहा कि वे यहां की मिट्टी से ऐसा अनुभव भी लेकर जायेंगे जो भविष्य में उन्हें बुलंदियों तक पहुंचाने में सहायक होगा। इस दौरान सैनिक स्कूल कुंजपुरा के प्रिंसिपल विजय राणा ने संबोधन के साथ स्वागत किया और स्कूल की उपलब्धियों पर प्रकाश डाला। उन्होंने विजेता टीम खिलाडिय़ों को शुभकामनाएं एवं बधाई दी।

ये रहे परिणाम-

खिलाड़ी सम्मानित- मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने बास्केटबाल, वालीबाल, हाकी में प्रथम व दूसरे स्थान पर रहने वाली टीमों को ट्राफी देकर सम्मानित किया। इसके अलावा वालीबाल में नगरोटा सैनिक स्कूल के इखलाक हसन, बास्केटबाल में कुंजपुरा के अमन मलिक, हाकी में तिलैया के शुभम कुमार को श्रेष्ठ खिलाड़ी और तिलैया के ही सचिन को बेस्ट गोलकीपर के रूप में सम्मानित किया। उन्होंने ओवर आज स्कूल के रूप में सैनिक स्कूल तिलैया और ओवरआल ग्रप में डी ग्रुप को भी ट्राफी से नवाजा। सांस्कृतिक कार्यक्रम के लिये कुंजपुरा सैनिक स्कूल की टीम को ट्राफी प्रदान की गई। खेलों में 30 से अधिक सैनिक स्कूलों के करीब 650 खिलाडिय़ों ने भाग लिया। इससे पूर्व प्रतिभागियों ने मार्च पास्ट किया।

शहीदों को किया नमन-

मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने सैनिक स्कूल पहुंचकर सर्वप्रथम शहीद स्मारक पर शहीदों को नमन किया और पुष्पचक्र अर्पित किया। इसके बाद सैनिक स्कूल के कैडेट्स द्वारा मुख्यमंत्री मनोहर लाल को गार्ड आफ आनर दिया। मुख्यमंत्री ने इस दौरान शहीदों को शत् -शत् नमन किया।

इस मौके पर घरौंडा के विधायक हरविंद्र कल्याण, मेयर रेनू बाला गुप्ता, भाजपा जिला अध्यक्ष योगेंद्र राणा, मुख्यमंत्री के मीडिया कोऑर्डिनेटर जगमोहन आनंद, उपायुक्त अनीश यादव, एसपी शशांक कुमार सावन, नगर निगम आयुक्त अभिषेक मीणा, जिला परिषद के सीईओ गौरव कुमार, पूर्व चेयरमैन ईलम सिंह, गुरविंद्र धमीजा, सैनिक स्कूल कुंजपुरा के प्राचार्य विजय राणा, सैनिक स्कूल सोसायटी के निरीक्षण अधिकारी एयद कमोडोर एस. जैकब, कमोडोर आरके शर्मा, हवा सिंह कादियान आदि मौजूद थे।

मधुमेह है डायबिटिक रेटिनोपैथी का मुख्य कारण

जीवनशैली से जुड़ी कई बीमारियां हमें अपनी चपेट में ले रही है। मधुमेह भी ऐसी ही एक बीमारी है, जो लोगों को अपने शिकंजे में ले रही है। हमारे हृदय और लीवर को मधुमेह के कारण कितना नुकसान पहुंचता है, यह तो हम अच्छी तरह जानते हैं, लेकिन बहुत कम लोग जानते हैं कि हमारी आंखों की रोशनी के लिए भी कि मधुमेह उतना ही नुकसानदायक है। मधुमेह होने कि वजह से आंखों का एक गंभीर रोग पैदा हो सकता है, जिसे चिकत्सकों की भाषा में डायबिटिक रेटिनोपैथी कहा जाता है। डायबिटिक रेटिनोपैथी होने से अगर आंखों की दृष्टि चली गई तो उसे वापस नहीं लाया जा सकता है।

ऐसे होती है डायबिटिक रेटिनोपैथी

नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ. राजीव जैन के अनुसार डायबिटिक रेटिनोपैथी एक हल्की बीमारी के रूप में शुरू होती है। बीमारी के शुरुआती चरण के दौरान रेटिना में छोटी रक्त वाहिकाएं कमजोर हो जाती हैं और यह छोटे बुल्गेस को विकसित करती है जिसे माइक्रोएनिअरीसम्स कहते है। इस बीमारी में रक्त में शुगर की मात्रा अधिक हो जाती है, जो आंखों सहित पूरे शरीर को नुकसान पहुंचा सकती है। रक्त में मधुमेह अधिक बढ़ने से रेटिना में रक्त वाहिकाओं को नुकसान होता है, जिसके कारण डायबिटिक रेटिनोपैथी हो सकती है। इस बीमारी से रेटिना के ऊतकों में सूजन हो सकती है, जिससे दृष्टि धुंधली होती है। जिस व्यक्ति को लंबे समय से मधुमेह होता है, उसे डायबिटिक रेटिनोपैथी होने की संभावना उतनी ही अधिक हो जाती है। इतन ही नहीं डायबिटिक रेटिनोपैथी का इलाज नहीं कराने पर यह अंधेपन का कारण भी बन सकती है।

डायबिटिक रेटिनोपैथी के लक्षण

- आंखों का बार-बार संक्रमित होना।
- चश्मे के नंबर बार-बार बदलना।
- सुबह उठने के बाद कम दिखाई देना।
- सिर में हमेशा दर्द रहना।
- आंखों की रोशनी अचानक कम हो जाना।
- रंग को पहचानने में कठिनाई।

डायबिटिक रेटिनोपैथी का उपचार

डायबिटिक रेटिनोपैथी के रोगियों का इलाज कैसे किया जा सकता है, इस पर नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ. राजीव जैन कहते हैं कि समस्या से निजात पाने के लिए लेजर उपचार का प्रयोग किया जाता है, इस उपचार विधि के दौरान रेटिना के पीछे की नई रक्त वाहिकाओं के विकास के इलाज के लिए और आंखों में रक्त और द्रव के रिसाव को रोकने के लिए किया जाता है। इलाज प्रक्रिया के दौरान आंखों को सुन्न करने और पुतलियों को बड़ा करने के लिए विशेष रूप की आई ड्रॉप डाली जाती है, इसके बाद आंखों का लेजर किरणों से इलाज किया जाता है। इलाज के दौरान लगभग 30.40 मिनट लगते हैं। इसमें आम तौर पर दृष्टि का धुंधला होना और प्रकाश के प्रति संवेदनशीलता का बढ़ जाना जैसे कुछ दुष्प्रभाव हो सकते हैं। **इंजेक्शन से उपचार:** डायबिटिक रेटिनोपैथी से निजात पाने के दूसरे तरीके में आंखों में इंफ्लामेशन को कम करने या आंखों के पीछे नयी रक्त वाहिकाओं को बनने से रोकने के लिए आंखों में ल्यूसेंटिस, अवास्टिन जैसे इंजेक्शन लगाए जाते है। इंजेक्शन आम तौर पर एक महीने में एक बार लगाया जाता है और एक बार जब दृष्टि स्थिर हो जाती है तो इंजेक्शन लगाना बंद कर दिया जाता है। इलाज की इस विधि में जलन या बेचैनी आंखों के अंदर रक्तस्राव आंखों में खुजली, आंखों में कुछ तैरने या आंखों में कुछ होने का अहसास हो सकता हैं। **सर्जरी से उपचार:** लेजर और इंजेक्शन उपचकर की विधि से जब इलाज संभव नहीं होता है तो विट्रेक्टॅमी नामक सर्जरी से इलाज किया जाता है, जो इसके इलाज के लिए एक कारगर तरीका है।

डायबिटिक रेटिनोपैथी से ऐसे करें बचाव

आंखों पर मधुमेह के अधिक बढ़ने से प्रभाव शुरू हो जाता है, इसलिए इससे बचने का सबसे अच्छा तरीका है कि मधुमेह का पता लगते ही ब्लड शुगर और कोलेस्ट्रॉल की मात्रा को बढ़ने से रोकें। इसके लिए डॉक्टर के बताए नुस्खों का पालन करें और दवाएं लेते रहें। इसके अलावा डायबिटीज होने पर आपको साल में एक-दो बार आंखों की जांच करानी चाहिए, जिससे आंखों पर अगर किसी तरह का प्रभाव शुरू हो जाए, तो उसका समय पर इलाज किया जा सके। आपको अगर डायबिटीज बहुत समय से हैं तो आपको हर 3 महीने में आंखों की जांच करानी चाहिए।

रेसिपी

वेजिटेबल फिंगर्स

सामग्री

- अरहर दाल: 1 कप
- लाल मिर्च- 2
- छोटा प्याज (छिला हुआ): 1 कप
- कटे हुए टमाटर: 2
- इमली का गूदा: 4 चम्मच
- सांबर पाउडर- 1 चम्मच
- नमक: स्वा के अनुसार
- सरसों: 1 चम्मच
- हींग: चुटकी भर
- करी पत्ता: 6
- बारीक कटी धनिया पत्ती: 4 चम्मच

विधि

अरहर दाल को धोकर दस मिनट के लिए भिगो दें। दाल को कुकर में दो कप पानी के साथ डालें और तीन से चार सीटी लगाएं। जब दाल पक जाए तो उसे अच्छी तरह से मैश कर दें। अब कुकर में टमाटर, इमली का गूदा, सांबर पाउडर, नमक और एक चौथाई कप पानी डालें। कुकर बंद करके दो सीटी लगाएं। अब दाल और इमली के मिश्रण को एक बड़े पैन में डालें और अच्छी तरह से मिलाएं। एक छोटे पैन में एक चम्मच तेल गर्म करें और छौंक की सभी सामग्री डालें। एक मिनट बाद इस छौंक को तैयार सांबर में डाल दें। अब सांबर वाले पैन को गैस पर चढ़ाएं। एक उबाल आने के बाद आंच धीमी कर दें और मध्यम आंच पर पांच मिनट तक उबालें। अगर सांबर गाड़ा है तो उसमें थोड़ा-सा पानी मिलाएं और उबालें। नमक चख लें। धनिया पत्ती से गार्निश करें और सर्व करें।

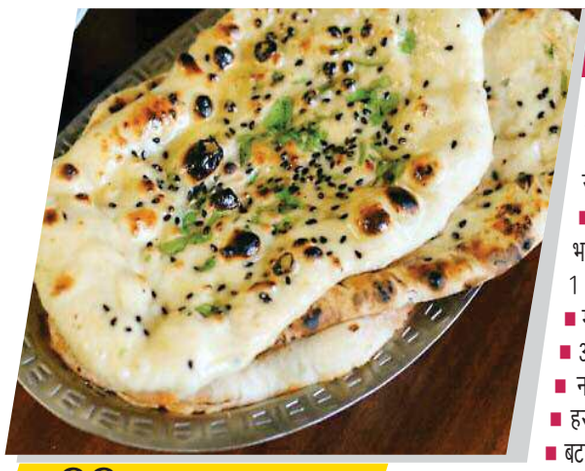

आलू कुल्चा

सामग्री

- मैदा: 2 कप
- चीनी: 1 चम्मच
- बेकिंग सोडा: 1/4 चम्मच
- गाढ़ा दही: 1/4 कप
- तेल: 2 चम्मच
- गुनगुना पानी: गूंदने के लिए

भरावन के लिए

- उबले आलू: 2
- कटी मिर्च: 1
- कश्मीरी लाल मिर्च: 1/2 चम्मच
- गरम मसाला: 1/4 चम्मच
- अदरक: 1 चम्मच
- अमचूर: 1/4 चम्मच
- अजवाइन: 1/4 चम्मच
- नमक: स्वादानुसार
- काले तिल: 2 चम्मच
- हरा धनिया चम्मच
- बेकिंग पाउडर: 1 चम्मच
- बटर- 2 चम्मच

विधि

मैदा, चीनी, बेकिंग पाउडर, बेकिंग सोडा, नमक और दही को एक बरतन में डालकर अच्छी तरह से मिलाएं। गुनगुने पानी की मदद से मैदा को गूंद लें। गीले सूती कपड़े से ढककर दो घंटे के लिए छोड़ दें। एक बाउल में मैश किया आलू और भरावन की सभी साम्रगी डालें और अच्छी तरह से मिलाएं। गूंदे हुए मैदे से लोई काटें। उसके बीच में हल्का गड्ढा-सा करें और उसमें थोड़ा-सा आलू वाला मिश्रण डालें। लोई को सील करें। लोई के ऊपर थोड़ा-सा तिल और धनिया पत्ती डालें और हल्के हाथों से लोई को अंडाकार आकार में बेल लें। तवा गर्म करें। कुल्चे में एक ओर से ब्रश की मदद से पानी लगाएं और कुल्चे को गर्म तवे में चिपका दें। एक मिनट बाद तवा को पलट दें और कुल्चे को सीधे आग से सुनहरा होने तक पकाएं। कुल्चे के ऊपर हल्का-सा बटर लगाएं और सर्व करें।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ)
धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। सुख-आनंद कारक समय है। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। बुद्धितत्व की सक्रियता से अल्प लाभ का हर्ष होगा। कुछ महत्वपूर्ण कार्य बनाने के लिए भाग-दौड़ रहेगी। सुखद समय की अनुभूतियां प्रबल होगी। कार्यक्षेत्र में स्थिति सामान्य ही रहेगी। शुभांक-2-4-6

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो)
घर के सदस्य मदद करेंगे और साथ ही आर्थिक बदहाली से भी मुक्ति मिलने लगेगी। बढ़ते घाटे से कुछ राहत मिलने लगेगी। हाथ में आने वाला धन भी किसी अवरोध का शिकार हो जाएगा। व्यापार में स्थिति उत्तम रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना है। धार्मिक यात्रा का योग है। शुभांक-5-7-9

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा)
चापलूस मित्रों से सावधानी रखें तो ज्यादा उत्तम है। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। सब्र का फल मीठा होता है अत:धैर्य रखें व अच्छे समय इन्तजार करें। शुभांक-4-6-8

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो)
थोड़े प्रयास से कार्य सिद्ध होंगे। घर-परिवार में मांगलिक कार्य सम्पन्न होने से वातावरण आनन्द देने वाला बना रहेगा। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। सुबह-सुबह की महत्त्वपूर्ण सिद्धि के बाद दिन-भर उत्साह बना रहेगा। शुभ कार्यों का तत्काल फल मिलेगा। शुभांक-5-7-8

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे)
पारिवारिक परेशानी बढ़ेगी। कुछ प्रतिकूल गोचर का क्षोभ दिन-भर रहेगा। माहौल आडंबरपूर्ण और व्ययकारी होगा। वरिष्ठ लोगों से कहासुनी वातावरण में तनाव पैदा करेंगे। संयमित भाषा का इस्तेमाल करें। आवेग में आकर किये गए कार्यों का म्लान, अवसाद रहेगा। अपने काम को प्राथमिकता से करें। शुभांक-6-8-9

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो)
प्रतिष्ठा बढ़ाने के लिए कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। कई प्रकार के हर्ष उल्लास के बीच अप्रत्याशित लाभ होंगे। आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी। स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार की अपेक्षा रहेगी। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। शुभांक-7-8-9

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते)
कहीं रुका हुआ पैसा वसूलने में मदद मिल जाएगी। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। अपने हित के काम सुबह-सबेरे निपटा लें। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। माता-पिता के स्वास्थ्य की चिन्ता रहेगी। शुभांक-5-8-9

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू)
व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। बुरी संगति से बचें। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। पत्नी व संतान पक्ष से थोड़ी चिंता रहेगी। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना। मित्रों से सावधानी रखें तो ज्यादा उत्तम है। शुभांक-1-3-5

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे)
शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। संतान पक्ष की समस्या समाप्त होगी। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। खान-पान में सावधानी रख। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। शुभांक-2-4-6

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी)
रुपए पैसों की सुविधा नहीं मिल पाएगी। कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। स्वास्थ्य का पाया भी कमजोर बना रहेगा। यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। राजकीय कार्यों से लाभ। शुभांक-3-5-7

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा)
समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। यात्रा शुभ रहेगी। अपने काम को प्राथमिकता से करें। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे है। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते है। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। शुभांक-4-7-9

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची)
महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे है। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते है। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा। शुभांक-4-8-9

काकुरो पहेली - 2978

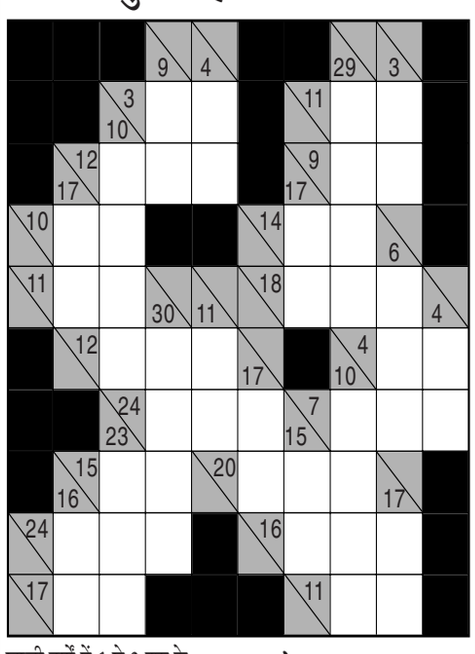

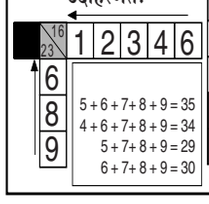

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए.किसी भी अंक का उस जोड़ में पुन: उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

5+6+7+8+9=35
4+6+7+8+9=34
5+7+8+9=29
6+7+8+9=30

काकुरो - 2977 का हल

लॉफिंग ज़ोन

चिंकी (सोनू से)- तुम्हें पता है, मेरा भतीजा इतना खराब है कि दिन में कम से कम सात-आठ बार कपड़े बदल ही लेता है।

सोनू परेशान होकर- ऐसा क्यों? क्या उसे कपड़े बदलने की बीमारी हो है?

चिंकी- नहीं नहीं....! अरे पगली! अभी तो वह छ: माह का ही है।

□ □ □

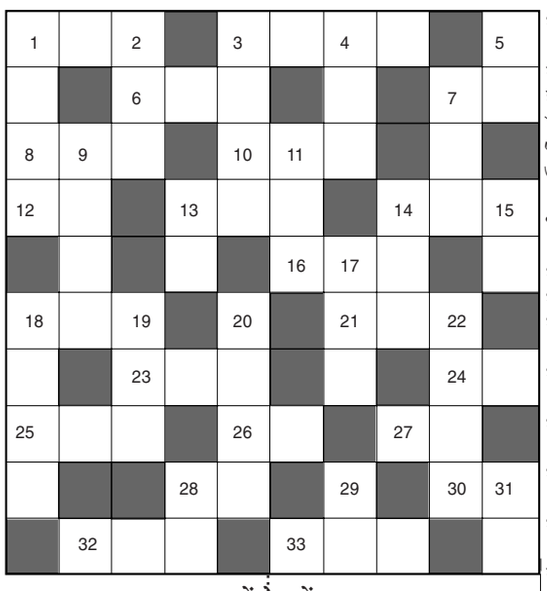

शादी की पच्चीसवीं सालगिरह पर पार्टी में आए मेहमानों ने जब नरेश से पूछा कि- बताओ नरेश! आपके हिसाब से सफल वैवाहिक जीवन का राज क्या है?

नरेश बोला- यह वैवाहिक जीवन तभी सफल साबित हो सकता है जब पत्नी बहरी और पति पूरी तरह अंधा बनकर जीवन बिताएँ।

□ □ □

पेशी के दौरान वकील महिला से बोला- जब तुम उस अपराधी से मिलने गई थी और उसने तुमसे जो कहा था, वो अदालत में जज साहब से कह दो।

महिला- नहीं...! मैं वो बात किसी भले आदमी के सामने नहीं कह सकती।

वकील बोला- तो ठीक है! जाकर जज साहब के कान में तो कह ही सकती हो।

□ □ □

फिल्म वर्ग पहेली- 2978

बायें से दायें:-

१. 'दिल से तुझको बेदिली' गीत वाली दिलीपकुमार, मीना की फिल्म-३
३. राजेश खन्ना, डिम्पल की 'जब दर्द नहीं था सीने' गीत वाली फिल्म-४
६. संजय दत्त, नम्रता की फिल्म-३
७. संजीव, सुचित्रा की 'तेरे बिना जिंदगी से कोई' गीत वाली फिल्म-२
८. 'आया है मुझे फिर' गीत वाली धर्मेन्द्र, शर्मिला की फिल्म-३
१०. 'हुन हुना रे हुन' गीत वाली फिल्म-३
१२. 'हंसाती है रूलाती' गीत वाली तुषार, ग्रेसी, अमृता की फिल्म-२
१३. संजीवकुमार, राखी की 'तेरे आँखों के दो' गीत वाली फिल्म-३
१४. फिल्म 'निकाह' में दीपक और राज बब्बर के साथ नायिका कौन थी-३
१६. अनिल, पूनम की 'मिली तेरे प्यार की' गीत वाली फिल्म-३
१८. 'दिल क्यों धड़कता है' गीत वाली राहुल राय, पूजा भट्ट की फिल्म-३
२१. तुषार कपूर, अंतरा की फिल्म-३
२३. 'आपका खत मिला' गीत वाली जीतेंन्द्र, रामेश्वरी की फिल्म-३
२४. अभिषेक, अंतरा की 'आवारा मन में' गीत वाली फिल्म-२
२५. 'ये दुनिया वाले' गीत वाली देव आनंद, आशा पारेख की फिल्म-३
२६. 'सुन जरा सोनिये सुन' गीत वाली फिल्म-२
२७. 'मैं कुड़ी अनजानी' गीत वाली सनी, सुष्मिता पटेल की फिल्म-२
२८. सुनील शेट्टी, सोमी की 'दिल मेरा यहाँ' गीत वाली फिल्म-२
३०. मनोजवाजपेई, उर्मिला की फिल्म-२
३२. देवानंद, नूतन की 'हम तो जानी प्यार करेगा' गीत वाली फिल्म-३
३३. 'जाने क्या पिलाय' गीत वाली धर्मेन्द्र, हेमा मालिनी की फिल्म-३

ऊपर से नीचे:-

१. जीतेंद्र, जीनत की 'मेरी उमर का एक लड़का' गीत वाली फिल्म-२,२
२. अमिताभ, शशि, परवीन, नीतू की फिल्म-३
३. 'चलो बुलावा आया' गीत वाली फिल्म-४
४. 'कोई मिल गया' में ऋतिक का नाम था-३
५. 'चल चमेली बाग में' गीत वाली फिल्म-२
७. 'भोर भये पंछी धुन' गीत वाली राजेश खन्ना, रेखा की फिल्म-३
९. सचिन, सुचेता की 'झुमका कजरा बिंदिया गजरा' गीत वाली फिल्म-४
११. ऋषि, चंकी, नीलम की फिल्म-३
१३. राजकपूर डबल रोल, नर्गिस की फिल्म-२
१४. 'जिंदगी ये पल, ये पल जिंदगी' गीत वाली सुष्मिता, सुशांत की फिल्म-३
१५. धर्मेन्द्र वाली 'जब याद किसी की आती है' की नायिका कौन थी?-२
१७. 'ना ये जमीं थी ना आसमां था' गीत वाली विश्वजीत, राजश्री की फिल्म-३
१८. देव आनंद, हेमा की 'इलाहाबाद में पैदा हुई' गीत वाली फिल्म-४
१९. दिलीप कुमार, अनिल कपूर, रति की फिल्म-३
२०. प्रदीपकुमार, नर्गिस की फिल्म-४
२२. 'बाजूबंद खुल खुल जाये' गीत वाली फिल्म-४
२८. अब्बास, शर्बाणी की 'सिर्फ संडे को करती हूँ मैं तो प्यार' गीत वाली फिल्म-२
२९. 'याईला रे लड़की' गीत वाली फिल्म-२
३१. 'कोरे कागज पे लिखवाले' गीत वाली फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 2977

सूडोकु -2978

			2				3	
		9		8		2	6	4
1				3	6		9	
4		3						
	8			2			1	
						8		6
	4		7	5				3
3	7	5		4		1		
	2				8			

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -2977 का हल

8	4	5	6	1	3	7	2	9
7	2	6	4	9	5	3	8	1
9	3	1	7	8	2	6	5	4
1	7	2	9	6	8	4	3	5
5	6	9	3	2	4	1	7	8
4	8	3	5	7	1	9	6	2
2	9	7	1	5	6	8	4	3
3	1	8	2	4	7	5	9	6
6	5	4	8	3	9	2	1	7

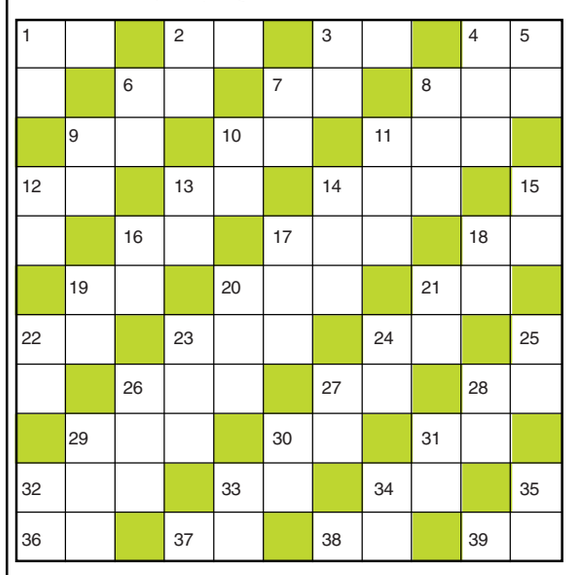

शब्द पहेली - 2978

बाएँ से दाएँ

1.बरस,वर्ष-2
2.आफत,मुसीबत-2
3.यमराज-2
4.तीर, बाण-2
6.आनेवाला दिन-2
7.उत्साह-2
8.उचित, सही-3
9.बंधन-2
10.बाण-2
11.उपवन, जंगल-3
12.सरिता-2
13.शिविर, तंबू-2
14.रुई साफ करना-3
16.फंदा, पाश-2
17.भीरु, डरपोक-3
18.तालाब -2
19.सम्मान-2
20.पासों फैंक कर भविष्य देखने की विद्या-3
21.श्याम,काले रंग का-2
22.देह, तन, बदन-2
23.चुनना, छांटना-3
24.रघुवीर, सियावर-2
26.जलजला-3
27.कोलाहल-2
28.अवरोध-2
29.दलदल-3
30.पत्नी का भाई-2
31.रिवाज, रस्म-2
32.कक्ष, रूम-3
33.गधा, गर्दभ-2
34.जनकपुत्री-2
36.वोट, राय-2
37.विजय-2
38.मां का भाई-2
39.मूल्य-2

ऊपर से नीचे

1.परछाई-2
2.दम, ताकत-2
3.यमराज-2
4.सोना, निद्रा लेना-3
5.धूल, मिट्टी-2
6.शारीरिक ऊंचाई-2
7.बल, दम-2
8.पहचानना-3
9.बंधक-2
10.मोमबत्ती (उर्दू-2)
11.विवश-3
12.भीगा हुआ-2
13.क्रीड़ा-2
14.सहमत-3
15.फंदा-2
16.प्राण-2
17.आकांक्षा-3
18.लॉक-2
19.प्रकृति,धन-2
20.धावक-3
21.कार्य-2
22.सवारी गाड़ी-2
23.जंगल-3
24.झगड़ा-2
25.सरल-2
26.कूड़ा-3
27.अंगारा-2
28.वार्तालाप-2
29.दाम, मूल्य-3
30.सारांश-2
31.खाली-2
32.थोड़ा-2
33.पत्र, चिट्ठी-2
34.हद-2
35.बल, ताकत-2

शब्द पहेली - 2977 का हल

बिना बड़े स्टार्स के फिल्में नहीं होती हैं हिट!

20 अक्टूबर को यारियां-2 रिलीज के लिए तैयार है। इस फिल्म को राधिका राव और विनय सप्रू ने डायरेक्ट किया है। हाल ही में फिल्म की कास्ट ने दैनिक भास्कर से खास बातचीत की। दिव्या खोसला कुमार ने बताया कि वे फिल्म की रिलीज को लेकर नर्वस हैं। मीजान जाफरी ने कहा कि वे फिल्म में अपने किरदार शिखर रंधावा से असल जिंदगी में काफी अलग हैं। पर्ल वी पुरी ने सीरियल और फिल्मों की शूटिंग के बारे में बताया।

फिल्म में बड़े स्टार्स का ना होना डराता है

फिल्म इंडस्ट्री में अक्सर फिल्में दोस्तों के बॉन्ड पर बनती हैं, ऐसे में यारियां-2 का कजिन बॉन्ड का आइडिया कैसा लगा? इस पर दिव्या खोसला कुमार ने कहा, ऑडियंस ने मुझे आजतक लीड रोल में बड़े पर्दे पर नहीं देखा है। इस फिल्म में मेरा किरदार बहुत अच्छा लिखा गया है, और मैंने बहुत काम किया है। मैं बहुत नर्वस हूं और चाहती हूं कि ऑडियंस हमारी फिल्म को एक्सेप्ट कर ले। आजकल के दौर में ऑडियंस बड़े स्टार्स की फिल्मों को बहुत पसंद कर रहे हैं। हालांकि हमारी फिल्म में बड़े स्टार्स नहीं हैं लेकिन, हम सब ने बहुत मेहनत की है। मीजान जाफरी अपने किरदार से असल जिंदगी में काफी अलग हैं मीजान जाफरी ने फिल्म में अपने किरदार शिखर रंधावा के बारे में बताया कि शिखर बहुत चुप रहता है, लेकिन मीजान बहुत बातें करता है, स्माइल करता है, एक्स्ट्रोवर्ट है, लोगों से मिलता-जुलता है।

फिल्मों में हमें वक्त ज्यादा मिल जाता है

पर्ल वी पुरी ने टीवी सीरियल की शूटिंग और फिल्मों की शूटिंग के बारे में अंतर बताते हुए कहा, टीवी में, मैं 12-13 घंटे और कई बार 14-15 घंटे भी काम किया करता था, लेकिन यहां मैं 30-35 घंटे काम करता हूं। फर्क सिर्फ इतना होता है कि हमें टीवी में 12 घंटों में 22 मिनट का कंटेंट निकाल के देना होता है और फिल्मों में हमें 12 घंटों में 2 मिनट का कंटेंट निकाल के देना होता है। फिल्म रिलीज के वक्त होने वाली गुड़-गुड़ को लेकर दिव्या ने बताया कि उनको बोर्ड एग्जाम वाली फीलिंग है क्योंकि 20 अक्टूबर को फिल्म रिलीज होगी और बॉक्स ऑफिस रिजल्ट आएगा।

विधु विनोद चोपड़ा ने अपने अब तक के करियर में मिले बेस्ट कॉम्पलिमेंट का किया जिक्र

विधु विनोद चोपड़ा फिलहाल अपनी मच अवेटेड फिल्म 12वीं फेल की रिलीज की तैयारी कर रहे हैं, जिसमें विक्रांत मैसी मुख्य भूमिका में हैं। विधु विनोद चोपड़ा फिलहाल अपनी मच अवेटेड फिल्म 12वीं फेल की रिलीज की तैयारी कर रहे हैं, जिसमें विक्रांत मैसी मुख्य भूमिका में हैं। हाल ही में विधु विनोद चोपड़ा फिल्म्स ने इंडस्ट्री में 45 साल पूरे होने का जश्न मनाया। इस खास दिन को यादगार बनाने के लिए उनकी फिल्म खामोश की कास्ट और क्रू जिसमें नसीरुद्दीन शाह, शबाना आज़मी, सोनी राजदान और कुछ और बॉलीवुड सेलिब्रिटीज शामिल हुए। ये सभी स्टार्स इस फिल्म फेस्टिवल के ओपनिंग डे को सेलिब्रेट करने एक साथ आए थे। फिल्म फेस्टिवल के दौरान विधु विनोद चोपड़ा से उनके 45 साल के करियर में अब तक मिली सबसे अच्छी तारीफ के बारे में पूछा गया। इस सवाल का दिलचस्प जवाब देते हुए उन्होंने बताया कि कैसे उन्हें सबसे अच्छी तारीफ नसीरुद्दीन शाह से मिली, उनकी पिछली रिलीज़ फिल्मों के लिए नहीं बल्कि जल्द ही रिलीज़ होने वाली 12वीं फेल के लिए। इस का जिक्र करते हुए विधु विनोद चोपड़ा ने कहा, शुरुआत से ही नसीरुद्दीन मुझसे कहते थे कि मुझे फिल्में डायरेक्ट करना नहीं आता, लेकिन 12वीं फेल देखने के बाद उन्होंने कहा, हां, तुमने डायरेक्शन सीख लिया है। जहां तक 12वीं फेल की बात करे तो यह फिल्म यूपीएससी के स्टूडेंट्स के इर्द-गिर्द घूमती है और वास्तविक जीवन के अनुभवों पर आधारित है। विक्रांत मैसी स्टारर यह फिल्म विधु विनोद चोपड़ा द्वारा निर्देशित और निर्मित हैं। यह 27 अक्टूबर को सिनेमाघरों में हिंदी, तमिल, तेलुगु और कन्नड़ में रिलीज होगी।

अनुराग की ब्लैक फ्राइडे में अभिनय करने को बड़ी गलती मानते हैं इम्तियाज

फिल्म निर्माता इम्तियाज अली को जब वी मेट, तमाशा, रॉकस्टार और अन्य फिल्मों के लिए जाना जाता है। अनुराग कश्यप की ब्लैक फाइडे में इम्तियाज अली ने अहम भूमिका निभाई थी। वह फिल्म में याकूब मेमन बने थे। फिल्म में भले ही उनकी भूमिका महत्वपूर्ण थी, लेकिन व्यापक रूप से उन्हें इस भूमिका के लिए दर्शकों से प्यार नहीं मिला। अब इम्तियाज ने इस बारे में बात करते हुए कहा कि अनुराग की फिल्म में अभिनय करना उनकी एक गलती थी।

इम्तियाज को अपने फैसले पर पछतावा

हाल ही में दिए इंटरव्यू में इम्तियाज अली ने खुलासा किया कि उन्हें अनुराग कश्यप की ब्लैक फाइडे में अभिनय करने के अपने फैसले पर पछतावा है। उन्होंने कहा, जब हम छोटे होते हैं तो हम सभी गलतियां करते हैं। मेरी गलतियों में से एक उनकी सलाह लेना था। अनुराग और मैंने काफी समय एक साथ बिताया और यहां तक कि एक ही बिल्डिंग में भी रहे। हम एक-दूसरे के काम में गहराई से शामिल थे। मुझे नहीं पता कि उन्होंने क्यों सुझाव दिया कि मुझे ब्लैक फाइडे में याकूब मेमन की भूमिका निभानी चाहिए।

इम्तियाज ने इस वजह से फिल्म में किया काम

इम्तियाज ने खुलासा किया कि अनुराग ने फिल्म में काम करवाने के लिए उन्हें इमोशनली ब्लैकमेल किया था। उन्होंने आगे कहा, मुझे लगता है कि यह अनुराग की जिद थी, वह मुझे जलील करना चाहता था। उन्होंने मुझसे कहा, मैं आपके लिए जान दे सकता हूं, आप मेरे लिए रोल नहीं कर सकते। यह बात उन्होंने बहुत भावुक होकर कही, शायद इसलिए, क्योंकि वह उस समय एक संघर्षरत अभिनेता थे। उस वक्त भी वह एक्टिंग कर रहे थे। इम्तियाज ने खुलासा किया कि अनुराग असल में अभिनेता बनना चाहते थे। उन्होंने कहा कि अनुराग अभिनेता बनना चाहते थे। मैंने पहली बार कोई पोर्टफोलियो तब देखा था, जब अनुराग ने मुझे अपना पोर्टफोलियो दिखाया था। उस समय मुझे नहीं पता था कि मैं निर्देशक बनूंगा और भविष्य में कई पोर्टफोलियो देखूंगा, लेकिन अनुराग का पहला पोर्टफोलियो था। इसमें उनकी मसल्स दिखाने वाली तस्वीरें थीं। जब मैं एक टीवी शो की प्रोडक्शन टीम का हिस्सा था, जिसकी शूटिंग दिल्ली यूनिवर्सिटी में होनी थी, तब उन्होंने मुझसे संपर्क किया। अनुराग हंसराज कॉलेज में थे, जब मैं हिंदू कॉलेज में था तो वह मेरे हॉस्टल में मुझसे मिलने आए और अपना पोर्टफोलियो दिखाया। मैं उनकी मेहनत से बहुत प्रभावित था।

केआरके ने किया ट्वीट फ्लॉप होगी सलमान खान की टाइगर-3

सलमान खान की बहुप्रतीक्षित फिल्म 'टाइगर 3' का ट्रेलर रिलीज हो गया है। फिल्म के ट्रेलर को काफी पसंद किया जा रहा है। ट्रेलर ने फैंस के बीच फिल्म को लेकर एक्साइटमेंट बढ़ा दी है। जहां फिल्म के टीजर में सिर्फ सलमान खान की झलक देखने को मिली थी। वहीं अब ट्रेलर में सलमान खान के अलावा कटरीना कैफ और इमरान हाशमी की झलक भी देखने को मिली है। ट्रेलर में सलमान खान एक्शन अवतार में नजर आ रहे हैं। अब फिल्म का ट्रेलर आने के बाद जाने-माने फिल्म क्रिटिक और बॉलीवुड एक्टर ने दावा किया है कि फिल्म में अधिकतक स्टंट सलमान खान के डुप्लीकेट ने किए हैं। इसके अलावा उन्होंने भविष्यवाणी भी की है कि फिल्म फ्लॉप हो जाएगी।

केआरके ने ट्वीट कर क्या लिखा

कमाल राशिद खान ने ट्वीट करते हुए लिखा कि फिल्म 'टाइगर 3' का ट्रेलर देखने के बाद मैं दावे के साथ कह सकता हूं कि 95 प्रतिशत शूट डुप्लीकेट ने किए हैं और 5 प्रतिशत ओरिजनल एक्टर ने किए हैं। निर्देशक ने वीएफएक्स के जरिए एक बुढऊ को 30 साल के युवा जैसा दिखा दिया है। यह फिल्म निश्चित रूप से फ्लॉप होगी। इसके अलावा कमाल खान ने अपने अगले ट्वीट में लिखा कि मैंने फिल्म टाइगर 3 का ट्रेलर देखा और मैं कहूंगा कि परवेज़ काजी (डुप्लिकेट) अपने सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन में हैं। उन्होंने जबरदस्त एक्शन किया है। परवेज भाई को भविष्य की फिल्मों के लिए शुभकामनाएं।

यूजर्स की प्रतिक्रियाएं

केआरके का ट्वीट सोशल मीडिया पर काफी वायरल हो रहा है। सोशल मीडिया यूजर्स कमाल खान के ट्वीट पर अपनी प्रतिक्रियाएं देते नजर आ रहे हैं। एक यूजर ने कमेंट करते हुए लिखा कि यही बात आपने पठान के समय पर भी बोली थी। 300 करोड़ तो फिक्स हैं, कमा लेगी।' एक अन्य यूजर ने लिखा कि 'सलमान खान ने बिग बॉस में आपको बहुत लताड़ा था, कहीं ये उसी का गुस्सा तो नहीं है।'

कब रिलीज होगी फिल्म

वहीं टाइगर 3 की रिलीज की बात करें तो फिल्म दिवाली के मौक पर 12 नवंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होने जा रही है। फिल्म में सलमान खान के अलावा कटरीना कैफ और इमरान हाशमी अहम भूमिका में हैं।

शाहरुख खान नहीं करेंगे लव स्टोरी फिल्में!

करण जौहर के निर्देशन में बनी सुपरहिट फिल्म कुछ कुछ होता है आज से 25 साल पहले 16 अक्टूबर को ही रिलीज हुई थी। रविवार की रात करण जौहर फिल्म की लीड स्टार कास्ट के साथ पीवीआर में आयोजित स्पेशल स्क्रीनिंग में पहुंचे। शाहरुख खान और रानी मुखर्जी को साथ में देखना फैंस के लिए किसी ट्रीट से कम नहीं था, इस मौके पर किंग खान ने बताया कि इस फिल्म का लोगों की जिंदगी में क्या इंपॉर्टेंस है। हालांकि इवेंट का हाइलाइट वो पल रहा जब शाहरुख खान ने कहा कि अब वो लव स्टोरी मूवीज जवान बच्चों के लिए छोड़ रहे हैं। कुछ कुछ होता है की स्पेशल स्क्रीनिंग में शाहरुख खान ने कहा, इस फिल्म का हमारे लिए बहुत ही महत्वपूर्ण मकाम है हमारी जिंदगी में, हमारे दिलों में। आप लोग थोड़ा बहुत समझते हो, पूरा नहीं समझोगे क्योंकि कुछ कुछ होता है। शाहरुख खान की अगली लव स्टोरी फिल्मों के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा, अब पता नहीं लव स्टोरी करूं या ना करूं, अब जवान बच्चों को करने दो।

कुछ फिल्में करने का ऋचा चड्ढा को आज तक है अफसोस

ऋचा चड्ढा इन दिनों अपनी फिल्म फुकरे 3 की वजह से चर्चा में हैं। ऋचा चड्ढा ने इंडस्ट्री में कई चर्चित फिल्मों में काम किया है। हाल ही में वह अपनी करियर यात्रा पर बात करती नजर आईं। इस दौरान उन्होंने कहा कि कुछ फिल्मों में काम करने का उन्हें काफी मलाल है। इसके अलावा ऋचा ने टॉक्सिक माहौल में काम करने का भी अपना अनुभव साझा किया। हाल ही में एक मीडिया वेबसाइट को दिए इंटरव्यू के दौरान जब ऋचा से फिल्मों को लेकर उनकी चॉइस के बारे में पूछा गया तो उन्होंने खुलासा किया कि वह शुरुआत से इस मामले में काफी सलेक्टिव रही हैं। ऋचा ने यह भी कहा कि करीब पांच-छह फिल्में ऐसी हैं, जिन्हें करने का उन्हें काफी मलाल है। ऋचा ने हालांकि उन फिल्मों का नाम नहीं लिया, लेकिन इनमें काम करने पर एतराज जताया। ऋचा ने कहा, मैं फिल्मों को लेकर काफी सलेक्टिव हूं। शुरुआत से ही मैं काफी सतर्क रही हूं। लेकिन, इसका यह मतलब नहीं कि मैंने गलतियां नहीं की हैं। मैंने कई ऐसी फिल्में की हैं, कि उनकी तरफ मुड़कर देखने पर काफी खराब महसूस होता है। मैं खुद हैरान होती हूं कि मैंने इसके लिए सहमति कैसे दे दी थी। हालांकि, जब आपको कोई स्क्रिप्ट मिलती है, तो आप हमेशा यह अनुमान नहीं लगा सकते हैं कि यह खराब रहेगी या अच्छी साबित होगी। ऋचा ने आगे कहा, जब आप पूरी तरह प्रतिबद्ध होते हैं, तो आप यह मानते हैं कि आप कुछ बेहतर और शानदार कर रहे हैं। आप यही समझते हैं कि यही सबसे बेहतर चुनाव है। इसलिए, ऐसे भी कई फैसले मैंने लिए, जिनका आज अफसोस है। हालांकि, आज जब मैं प्रोडक्शन के कामकाज में भी शामिल हूं तो कोशिश करती हूं कि इस किस्म के अफसोस अब न हों।

शाहरुख से कुछ खास चोरी करना चाहते हैं राजकुमार राव

बॉलीवुड में नॉन फिल्मी बैकग्राउंड होने के बावजूद अपने अभिनय से खास जगह बनाने वाले अभिनेताओं में राजकुमार राव का नाम भी शामिल है। अपने फिल्मी करियर में किए गए किरदारों के जरिए एक्टर ने कम ही समय में लोगों के दिलों में खास जगह बना ली है। यही वजह है कि राजकुमार राव अब इंडस्ट्री के जाने-माने अभिनेता में शामिल हो चुके हैं। जहां उनके अभिनय के सभी फैंस हैं, वहीं राजकुमार राव खुद भी स्टार्स के फैन हैं। राजकुमार राव के चहेते सितारों में शाहरुख खान का नाम भी शामिल है। वह अक्सर शाहरुख की तारीफ करते नजर आते हैं, लेकिन हाल ही में दिए एक इंटरव्यू में अभिनेता ने उस चीज का खुलासा किया जिसे वह किंग खान से चोरी करना चाहते हैं। इन दिनों अपनी स्त्री 2 और मिस्टर एंड मिसेज माही जैसी फिल्मों के लिए सुर्खियां बटोर रहे राजकुमार राव एक बार फिर चर्चाओं में हैं। इस बार उनके चर्चा में आने की वजह उनका दिया लेटेस्ट इंटरव्यू है। अभिनेता को हाल ही में लैक्मे फैशन वीक में जलवा बिखेरते हुए देखा गया। रैंप पर धमाल मचाने के बाद राजकुमार राव ने मीडिया संस्थानों से बात की और कई खुलासे किए। इस दौरान अभिनेता ने एक इंटरव्यू में खुलासा किया कि वह अपने साथी कलाकारों और यहां तक कि अपने आदर्श शाहरुख खान से क्या चोरी करना चाहते हैं। हाल ही में दिए गए इस इंटरव्यू में राजकुमार राव ने कई खुलासे किए। लेकिन इसमें सबसे खास खुलासा शाहरुख खान से जुड़ा था, जिसमें उन्होंने यह बताया कि आखिर वह ऐसी क्या चीज है जिसे वह किंग खान से चुराना चाहते हैं। राजकुमार राव ने खुलासा करते हुए कहा, मैं शाहरुख खान से पूछना चाहता हूं कि वह उनके द्वारा छैया-छैया गाने में पहनी गई लाल जैकेट कहां रखी है? मैं उसे पाना चाहूंगा। जब उनसे पूछा गया कि वह रणवीर सिंह से कौन सी चीज चुराएंगे, तो अभिनेता ने तुरंत जवाब दिया कि उनकी एक्सेसरीज। अभिनेता ने आगे कहा, मुझे लगता है कि अभिषेक के पास जूतों का बहुत अच्छा कलेक्शन है, सलमान खान डेनिम काफी अच्छे से कैरी करते हैं और विजय वर्मा उनके दोस्त और क्लासमेट हैं, इसलिए मुझे उनसे कुछ चुराने की जरूरत नहीं है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक राजकुमार शर्मा ने वैकुंठ मीडिया प्राइवेट लिमिटेड सी -285, सेक्टर-11, विजय नगर, गाजियाबाद से छपवाकर कार्यालय 178 राहुल विहार विजय नगर,गाजियाबाद से प्रकाशित किया है। किसी खबर या लेख से संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

सभी विवादों का निस्तारण जिला न्यायालय गाजियाबाद में होगा। प्रबंध संपादक-महेश कुमार - 9911733939, कानूनी सलाह- नरेंद्र सिंह रणोत एडवोकेट, सलाहकार कुशल सिंह, RNI No-UPHIN/2013/50466, Editor R.K. Sharma : 09456278011